अल्पकालिक सफलता की चाहत में अनैतिक तरीके अपना रहे कुछ बैंक
- 12

निसार मिशन के लिए उलटी गिनती शुरू : इसरो
- 3

गाजा में भुखमरी से बड़ी संख्या में मौतों की आशंका
- 13

सात्विक और चिराग दूसरे दौर में त्रीसा-गायत्री बाहर- 14

आज का मौसम

33.4⁰ अधिकतम तापमान

26.2⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.30

सूर्यास्त 06.55

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष षष्ठी 02:41 तक उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 30 जुलाई 2025, वर्ष 35, अंक 184, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

लखनऊ महानगर की खबरों का पुलआउट अंदर के पन्नों पर ।

ब्रीफ न्यूज

मेधा पाटकर की सजा कोर्ट ने बरकरार रखी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना की ओर से दायर मानहानि मामले में सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को सुनाई गई सजा को मंगलवार को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति शालिंदर कौर ने कहा कि अधीनस्थ अदालत के आदेश में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। आदेश के खिलाफ पाटकर ने उच्च न्यायालय का रुख किया था।

पिस्तौलों के साथ तस्कर गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब में काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने सीमा पार से अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए उसके एक गुर्गे को गिरफ्तार किया जो पाकिस्तानी तस्कर के निर्देशों पर काम कर रहा है। डीजीपी गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान तरनतारन के गांव मढ़ी मेघा निवासी भरतप्रीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने उसके कब्जे से पांच अत्याधुनिक पिस्तौलें बरामद की है ।

फर्जी प्रमाणपत्र देने पर सीबीआई ने पकड़ा

पोर्ट ब्लेयर। सीबीआई ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में स्वास्थ्य सेवा निदेशालय में नौकरी पाने के लिए फर्जी प्रमाण पत्र जमा करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आरोपी की पहचान दीपक कुमार दास के रूप में हुई है, जो पोर्ट ब्लेयर के शादीपुर इलाके में स्थित एबीसी कॉलोनी का निवासी है।

अंदर देखें ... रंगोली

प्रधानमंत्री बोले- दुनिया के किसी नेता ने ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा

लोकसभा में मोदी ने किया विपक्ष पर पलटवार, ट्रंप के दावों का खंडन

संसद में चर्चा

- कहा-कांग्रेस का सुर पाकिस्तान जैसा, पाकिस्तान को भी चेताया
- पहलगाम हमले पर कहा, भारत में दंगा फैलाने की थी बड़ी साजिश

मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में चर्चा के दौरान बोलते प्रधानमंत्री मोदी।

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने का आरोप लगाया, साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि इस अभियान के दौरान पूरी दुनिया का समर्थन मिला, लेकिन जवानों के पराक्रम को मुख्य विपक्षी दल का समर्थन नहीं मिला। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों और इसे लेकर विपक्षी दलों के सवालों की पृष्ठभूमि में कहा कि दुनिया के किसी भी नेता ने हमें ऑपरेशन (सिंदूर) रोकने के लिए नहीं कहा।

प्रधानमंत्री ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा के दौरान कहा कि पहलगाम हमला भारत को हिंसा की आग में झोंकने का एक सुविचारित प्रयास था, भारत में दंगे फैलाने की साजिश थी। मैं आज देशवासियों का धन्यवाद करता हूं कि देश ने एकता के साथ उस साजिश को नाकाम कर दिया। मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की सेना ने 22 मिनट में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले का बदला निर्धारित लक्ष्य के साथ और तय कार्रवाई के अनुसार लिया। मोदी ने अपने लगभग सौ मिनट के भाषण में कहा कि सेना ने पिछले 10 साल से तैयारियां कर रखी थीं, न की होती तो इस तकनीक के युग में हमारा कितना नुकसान हो सकता था, इसका अनुमान लगा सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से सिर्फ तीन देशों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में बयान दिया था। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि विपक्ष के लोग पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या में भी अपनी राजनीति तलाश रहे थे, उनकी ये बयानबाजी देश के सुरक्षाबलों का मनोबल गिरा रही थी। कहा कुछ लोग सेना के तथ्यों की जगह पाकिस्तान के गलत प्रचार को आगे बढ़ाने में जुटे हैं।

परमाणु हमले की ब्लैकमेलिंग अब नहीं चलेगी

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अभियान के दौरान दुनिया ने पहली बार आत्मनिर्भर भारत की ताकत को पहचाना और 'मेड इन इंडिया' ड्रोन और मिसाइल ने पाकिस्तानी हथियारों की पोल खोल दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद की घटनाएं पहले भी देश में होती थीं, लेकिन तब उनके मास्टरमाइंड निश्चिंत रहते थे और आगे की तैयारी में लग जाते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है और अब हमले के बाद उन्हें नींद नहीं आती। मोदी ने कहा कि उन्हें पता है कि भारत आएगा और मारकर जाएगा, यह 'न्यू नॉर्मल' भारत ने स्थापित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से तीन चीजें तय हो गईं कि अगर भारत पर आतंकी हमला हुआ तो हम अपने तरीके से अपनी शर्तों पर, अपने समय पर जवाब देकर रहेंगे, कोई भी परमाणु 'ब्लैकमेलिंग' अब नहीं चलेगी और हम आतंकियों की सरपरस्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे।

मिसाइल प्रलय ने लगाया लक्ष्य पर सटीक निशाना

बालासोर/नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पारंपरिक युद्ध सामग्री ले जाने में सक्षम नई विकसित सामरिक मिसाइल 'प्रलय' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। मिसाइल ने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण सोमवार और मंगलवार को ओडिशा तट के पास एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। 'प्रलय' एक कम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है, जिसकी पेलोड (भार) क्षमता 500 से 1,000 किलोग्राम तक है। यह मिसाइल पारंपरिक युद्ध सामग्री ले जाने में सक्षम है और इसकी मारक क्षमता 150 से 500 किलोमीटर है। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकियों से लैस मिसाइल से सशस्त्र बलों को खतरों के खिलाफ और तकनीकी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मिसाइल प्रणाली की अधिकतम और न्यूनतम रेंज क्षमता की पुष्टि करने के लिए उपयोगकर्ता मूल्यांकन परीक्षणों के एक भाग के रूप में उड़ान परीक्षण किए गए थे। कहा कि मिसाइलें निर्धारित दिशा में सटीक रूप से आगे बढ़ीं और सटीकता के साथ लक्ष्य पर पहुंचीं। प्रलय एक स्वदेशी रूप से विकसित अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है।

एआई से लैस होगा यूपी का सड़क सुरक्षा मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- केंद्र ने दी पहली एआई-आधारित सड़क सुरक्षा प्रोजेक्ट को मंजूरी
- 10 करोड़ के बजट से शुरू होगा छह हफ्ते का पायलट प्रोजेक्ट

अमृत विचार : भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (मोर्थ) ने उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और बिग-डाटा एनालिटिक्स आधारित सड़क सुरक्षा पायलट परियोजना को औपचारिक एनओसी दे दी है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह पहल मोटर यान अधिनियम 1988 व केंद्रीय मोटर यान नियमावली 1989 का पूर्ण पालन करेगी और केंद्र सरकार पर कोई वित्तीय भार नहीं डालेगी।

योगी सरकार की इस पहल को देश का पहला एआई संचालित सड़क सुरक्षा परीक्षण माना जा रहा है, जिसे सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईटीआई व वैश्विक टेक-पार्टनर एमलोगिका द्वारा शून्य लागत पर चलाया जाएगा। प्रदेश सरकार पहले ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में 10 करोड़ की व्यवस्था कर डेटा संचालित प्रशासन मॉडल की आधारशिला रख चुकी है।

मिलेंगी पारदर्शी और तेज परिवहन सेवाएं

इस परियोजना का प्रारंभिक प्रूफ ऑफ कांसेप्ट चरण छह सप्ताह का होगा, जिसमें दुर्घटना रिपोर्ट, मौसम, वाहन टेलीमैटिक्स, ड्राइवर प्रोफाइल व सड़क ढांचे से जुड़े डेटा को एकीकृत कर एआई मॉडल तैयार किए जाएंगे। इसका उद्देश्य दुर्घटना के मूल कारणों की पहचान, ब्लैक स्पॉट की भविष्यवाणी करना है। परियोजना के सफल परीक्षण के बाद इसी एआई इंजन को फेसलेस लाइसेंस, परमिट प्रणाली, राजस्व वसूली, ई-चालान व वाहन सारथी प्लेटफॉर्म में चरणबद्ध रूप से बढ़ेगा। इससे नागरिकों को पारदर्शी और तेज परिवहन सेवाएं मिलेंगी।

प्रौद्योगिकी सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने बताया कि परियोजना पूरी होने पर विस्तृत परिणाम रिपोर्ट मोर्थ को प्रस्तुत की जाएगी। डेटा गोपनीयता, विधिक अनुपालन और साइबर सुरक्षा मानकों का निरंतर ऑडिट किया जाएगा। इस परियोजना से उम्मीद है कि राज्य में दुर्घटनाओं में ठोस कमी, प्रवर्तन में वैज्ञानिकता और नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता आएगी। यह डेटा-संचालित शासन की ओर महत्वपूर्ण कदम है।

आईएमएफ ने भारत का विकास अनुमान बढ़ाया

न्यूयॉर्क। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत का विकास अनुमान बढ़ाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ ने मंगलवार को जारी विश्व आर्थिक परिदृश्य अपडेट में कहा है कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर 6.4 प्रतिशत रहेगी। पहले उसने अप्रैल में जारी डब्ल्यूईओ में चालू वित्त वर्ष में विकास दर 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया था। आईएमएफ ने कहा है कि उसने वैश्विक कारकों में सुधार के कारण भारत का विकास अनुमान बढ़ाया है।

कानूनी राय देने पर वकीलों को न करें समन

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट सख्त

- कोर्ट ने कहा-अपराध में मुवक्किल की मदद पर ही कर सकते हैं तलब

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि अगर कोई व्यक्ति सिर्फ वकील की भूमिका निभा रहा है, तो जांच एजेंसियों को उसे जांच का सामना कर रहे अपने मुवक्किल को कानूनी सलाह देने के लिए तलब नहीं करना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने कहा कि हालांकि, अगर कोई वकील अपराध में मुवक्किल की मदद कर रहा है, तो उसे समन भेजा जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह टिप्पणी जांच एजेंसियों द्वारा जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकीलों को तलब किए जाने से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान की।

पीठ ने कहा कि हमने शुरू में ही कहा था कि अगर कोई (वकील) अपराध में मुवक्किल की मदद कर रहा है, तो उसे तलब किया जा सकता है... लेकिन केवल कानूनी सलाह देने के लिए नहीं। पीठ ने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) और सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन (एससीएओआरए) जैसे बार निकायों की दलीलें सुनीं, जिनका प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह और वकील विपिन नायर ने किया। सिंह, जो एससीबीए के अध्यक्ष भी हैं, ने इस बात पर चिंता जताई कि मनमाने ढंग से समन जारी किए जाने से कानूनी पेशे पर गलत प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अगर वकीलों को महज मुवक्किलों को सामान्य कानूनी सलाह देने के लिए समन भेजा जाने लगे, तो कोई भी (वकील) संवेदनशील आपराधिक मामलों में सलाह देने का साहस नहीं करेगा। सिंह ने मामले में सीबीआई की ओर से अपनाए गए सुरक्षा उपायों के समान सुरक्षा उपाय लागू करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि किसी वकील को तलब करने की अनुमति जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से ली जानी चाहिए और फिर इसे जारी करने से पहले न्यायिक मजिस्ट्रेट की ओर से इसकी जांच की जानी चाहिए।

आईबीसीए में शामिल होने पर 24 देशों ने दी सहमति

- अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने दी जानकारी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को कहा कि भारत की अगुवाई में शुरू की गई अंतर्राष्ट्रीय पहल 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' (आईबीसीए) में शामिल होने के लिए 24 देश सहमत हो गए हैं।

आईबीसीए वेबसाइट के अनुसार, 12 देश - भारत, आर्मेनिया, भूटान, कंबोडिया, इथियोपिया, इस्वातिनी, गिनी, लाइबेरिया, निकारागुआ, रवांडा, सोमालिया और सूरीनाम - वर्तमान में गठबंधन के सदस्य हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में यादव ने कहा कि भारत में बाघ अभयारण्यों की संख्या 2014 में 46 से बढ़कर वर्तमान में 58 हो गई है, जो राष्ट्रीय पशु की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री ने एक राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान शुरू करने की भी घोषणा की।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस

विश्व बाघ दिवस पर मुंबई के बायकुला चिड़ियाघर में अपने बच्चे को रॉयल बंगाल टाइगर को दिखाता एक व्यक्ति।

वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर नाम हटाए तो करेंगे हस्तक्षेप

नई दिल्ली, एजेंसी

- बिहार में एसआईआर पर सुनवाई के दौरान बोला सुप्रीम कोर्ट

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक प्राधिकरण है और इसे कानून के अनुसार कार्य करने वाला माना जाता है, लेकिन बिहार में यदि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाते हैं, तो न्यायालय हस्तक्षेप करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार में निर्वाचन आयोग की एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार करने के लिए समयसीमा तय करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर सुनवाई 12 और 13 अगस्त को होगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने एक बार फिर आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा एक अगस्त को प्रकाशित की जाने वाली मसौदा सूची से लोगों को बाहर रखा जा रहा है, जिससे वे मतदान का अपना महत्वपूर्ण अधिकार खो देंगे। भूषण ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने एक बयान जारी कर कहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 65 लाख लोगों ने गणना प्रपत्र जमा नहीं किए हैं, क्योंकि वे या तो मृत हैं या स्थायी रूप से कहीं और स्थानांतरित हो गए हैं।

मिसाल पुवायां के नवागत एसडीएम रिंकू सिंह राही ने पेश किया उदाहरण, खुले में पेशाब करते पाए गए मुंशी से भी लगवाई उठक-बैठक

तहसील परिसर में मिली गंदगी तो आईएएस ने लगाई उठक-बैठक

संवाददाता, पुवायां (शाहजहांपुर)

- प्रदर्शन कर रहे वकीलों के बीच एसडीएम ने कहा- गलती स्वीकारना जिम्मेदारी

माइक लेकर अधिवक्ताओं के बीच कान पकड़कर उठक-बैठक करते एसडीएम रिंकू सिंह राही।

अमृत विचार : शाहजहांपुर की तहसील पुवायां में नवागत एसडीएम रिंकू सिंह राही (आईएएस) ने कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को पहले ही निरीक्षण में ऐसा संदेश दिया, जो तहसील कर्मियों से लेकर अधिवक्ताओं तक के बीच चर्चा का विषय बन गया।

तहसील परिसर में फैली गंदगी देखकर वह भड़क उठे और अधिवक्ताओं को कड़े शब्दों में सफाई बनाए रखने की चेतावनी दे डाली। उन्होंने एक मुंशी को खुले में पेशाब करते देखा तो वहीं उठक-बैठक लगवा दी। इसके बाद वह प्रदर्शन कर रहे वकीलों के बीच पहुंचे और तहसील परिसर में शौचालयों की गंदगी की बात सामने आने पर खुद ही उठक-बैठक लगाकर उदाहरण पेश किया। एसडीएम ने कहा कि अपनी गलती स्वीकार करना गलत नहीं, बल्कि उसे सुधारने की जिम्मेदारी का पहला कदम है। मैंने अपनी तरफ से यह स्वीकार किया है और यही उम्मीद आप सबसे करता हूं। एसडीएम के इस व्यवहार ने एक ओर तहसील कर्मियों और अधिवक्ताओं को हैरान किया, वहीं कई लोगों ने इसे अनुशासन और जवाबदेही की नई मिसाल बताया। बता दें कि अधिवक्ताओं के धरने के बाद एसडीएम चित्रा निर्वाल का तबादला हुआ और उनकी जगह आईएएस रिंकू सिंह राही ने सोमवार देर शाम एसडीएम का कार्यभार संभाला। मंगलवार को उन्होंने तहसील परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई व अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। खामियां मिलने पर सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वह क्षेत्र में बच्चों का एक समूह बनाएंगे, जो सीधे उनके संपर्क में रहेंगे और क्षेत्र की समस्याएं बताएंगे। प्रत्येक गांव में एक व्हाट्सएप ग्रुप बनवाएंगे, जिसके माध्यम से ग्रामीण किसी भी समय सीधे शिकायत उन तक पहुंचा सकेंगे।

बच्चों के साथ पहुंचे पिता से भी लगवाई उठक-बैठक

तहसील परिसर में एसडीएम कार्यालय के पास कुछ बच्चे अपने माता-पिता के साथ चहलकदमी कर रहे थे। यह देख एसडीएम रिंकू सिंह ने अभिभावकों से स्कूल टाइम में बच्चों के तहसील आने का कारण पूछा। उन्होंने कहा कि हम शिकायत लेकर आ रहे थे, लिहाजा बच्चों को भी साथ ले आए। इस पर एसडीएम ने बिफरते हुए पिताओं से भी उठक-बैठक लगवा दी। संदेश साफ था कि बच्चों को स्कूल भेजना प्राथमिकता होनी चाहिए।

लेखपाल संघ के बुके भेंट करने पर बिफरे

नवागत एसडीएम रिंकू सिंह राही के कार्यालय पहुंचने पर लेखपाल संघ का शिष्ट मंडल उनके कार्यालय पर बुके लेकर स्वागत करने पहुंचा। लेखपालों के हाथ में बुके देखकर उन्होंने उन्हें वहीं रोक दिया और बुके की कीमत पूछी। लेखपालों ने साढ़े चार सौ रुपये बताई तो उन्होंने फटकारते हुए तत्काल उन्हें अपने क्षेत्र के गरीबों को साढ़े चार सौ के हिसाब से रकम देने को कहा।

> खुले में पेशाब करने पर मुंशी और पढ़ाई के समय बच्चों को लेकर तहसील पहुंचे जिम्मेदार पिता के साथ-साथ तहसील के शौचालय गंदे होने पर स्वयं को गलती का अहसास कराया है। ये सभी के लिए सबक है।
> -रिंकू सिंह राही, एसडीएम

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 30 जुलाई 2025

न्यूज ब्रीफ

पेरिस के टूरिज्म ट्रेड शो में हिस्सा लेगा यूपी पर्यटन विभाग

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. पर्यटन विभाग यूरोप के प्रमुख बी2बी ट्रैवल और टूरिज्म ट्रेड शो इंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट (आईएफटीएम) टॉप रेसा 2025 में भाग लेने को तैयार है। यह प्रतिष्ठित आयोजन 23 से 25 सितंबर तक फ्रांस की राजधानी पेरिस के पोर्ट डे वर्सेल्स प्रदर्शनी केंद्र में होगा। आईएफटीएम उप्र. पर्यटन विभाग को एक ऐसा मंच प्रदान कर रहा है, जहां दुनिया भर के पर्यटन बोर्ड, डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कंपनियां, एयरलाइंस, हॉस्पिटैलिटी ब्रांड और ट्रैवल ऑपरेटर्स एकत्र होंगे। यह प्रदेश को वैश्विक स्तर पर अपनी पर्यटन क्षमताओं को प्रदर्शित करने का मंच देगा। इस बाबत पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आईएफटीएम टॉप रेसा एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पर्यटन व्यापार मेला है, जो प्रतिवर्ष फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित किया जाता है।

युवा कॉन्क्लेव और एक्सपो की मुख्यमंत्री करेंगे शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए 'वन स्टॉप प्लेटफार्म मिलेगा। राजधानी में 30 जुलाई से दो दिवसीय युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो शुरू होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसकी शुरुआत करेंगे। शासन के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के इस चरण की शुरुआत 30 और 31 जुलाई को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगी। यह आयोजन प्रदेश के लाखों युवाओं के लिए उद्यमिता के द्वार खोलेगा। इसमें फ्रेंचाइजी, वित्तीय संस्थाएं, औद्योगिक ब्रांड्स, नीति निर्माता, प्रशिक्षक और निवेशक एक ही मंच पर मौजूद रहेंगे।

9 जिलों में छात्रावासों की सुविधाएं होंगी बेहतर

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी समेत 9 जिलों में ओबीसी छात्रावासों की सुविधाएं बेहतर होंगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी और प्रबंधक-प्रधानाचार्य स्थानीय स्तर पर पर्यवेक्षण करेंगे। प्रदेश के 10 छात्रावासों के अनुरक्षण के लिए प्रशासकीय व पांच करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दे दी गई है। कार्य की गुणवत्ता परखने के लिए शासन स्तर पर समिति गठित की जाएगी। शासन के अधिकारियों के अनुसार इस योजना के तहत लखनऊ, प्रयागराज, बहराइच, गोंडा, महोबा, हमीरपुर, मुरादाबाद, मेरठ, संत रविदासनगर के छात्रावासों का अनुरक्षण किया जाएगा। इन जिलों में स्थित शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ने वाले पिछड़े वर्ग के छात्रों को इससे सीधा लाभ मिलेगा।

निजी आईटीआई में नहीं बढ़ेगी फीस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राजकीय आईटीआई में 52 फीसदी सीटें भरीं तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया कल से

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश प्रक्रिया के पहले दो चरण पूरे हो चुके हैं। इस बीच सरकार ने निर्णय लिया है कि कोई फीस नहीं बढ़ेगी। निजी आईटीआई में भी वर्ष 2018 की फीस व्यवस्था ही लागू रहेगी। हालांकि अभी तक राजकीय आईटीआई में 52 फीसदी सीटें भर पाई हैं, जबकि तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया 31 जुलाई से शुरू हो रही है। उधर, निजी आईटीआई में प्रवेश की हालत खस्ता है।

राजकीय आईटीआई में इस बार कुल 1,35,447 सीटों में से 70,781 सीटों पर अभ्यर्थियों ने प्रवेश लिया है, जो कि कुल 52.25 प्रतिशत है। वहीं, निजी आईटीआई में भी 30,427 छात्रों ने दाखिले लिए हैं। तीसरे चरण में 25 हजार सीटों पर प्रवेश का अवसर है। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के अधिशासी निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि तीसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया 31 जुलाई से प्रारंभ होकर 5 अगस्त तक चलेगी। बताया कि निजी आईटीआई में प्रवेश के लिए प्रदेश सरकार ने फीस को पूर्ववत बनाए रखने का निर्णय लिया है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरि ओम ने बताया कि जो आईटीआई तीसरे चरण तक 80 फीसदी से अधिक सीटों पर दाखिला कराएंगे, उनके प्रधानाचार्य को राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश केसरी बने गौतमबुद्धनगर के जोंटी

अमृत विचार, लखनऊ : नागपंचमी पर हुई प्रदेश स्तरीय कुश्ती के फाइनल मुकाबले में गौतमबुद्धनगर के जोंटी भाटी ने उत्तर प्रदेश केसरी का खिताब अपने नाम किया, जबकि उत्तर प्रदेश कुमार का खिताब गोरखपुर खेल छात्रावास के सौरभ ने जीता। इन्हें मुख्यमंत्री ने 1.01 लाख रुपये व गदा देकर सम्मानित किया। इसी तरह वीर अभिमन्यु खिताब पर गोंडा के मोनू का कब्जा रहा, उन्हें 51 हजार नकद और गदा दी गई। मुख्यमंत्री योगी ने सभी को पुरस्कृत करते हुए कहा कि खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। गोरखनाथ मंदिर परिसर में नागपंचमी के अवसर पर खेल विभाग और जिला कुश्ती संघ की ओर से आयोजित दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री उपस्थित रहे।

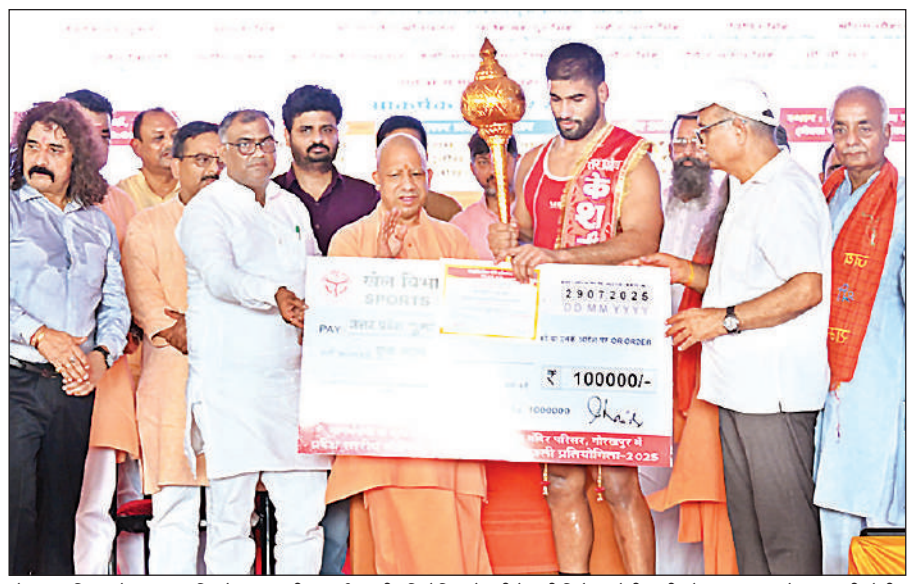

गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में नाग पंचमी पर हुई कुश्ती प्रतियोगिता में यूपी केसरी विजेता जोंटी भाटी को पुरस्कृत करते मुख्यमंत्री योगी।

विधायक अपने क्षेत्र के कार्यों की करें निगरानी

प्रयागराज और विंध्याचल मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री योगी ने की समीक्षा बैठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विधानसभा क्षेत्रवार समस्याओं को समझकर समाधान सुनिश्चित कर रहे योगी
- अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने का दिया निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधायकों को अपने क्षेत्र के कार्यों की सतत निगरानी करने का निर्देश देते हुए कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप योजनाएं प्रस्तावित करते हुए आकार दिलवाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। अफसरों को निर्देश दिए कि योजनाओं का समयबद्ध ज़मीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। इसके लिए जवाबदेही तय की जाएगी, तकनीक का समुचित उपयोग किया जाएगा और कार्यों की गुणवत्ता पर किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के चतुर्दिक विकास के लिए शुरु की गई मंडलवार जनप्रतिनिधि संवाद शृंखला के अंतर्गत मंगलवार को प्रयागराज के सर्किट हाउस में प्रयागराज और विंध्याचल मंडल के सांसदों, विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ प्रस्ताव एवं कार्य योजना की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की परिस्थितियों, जनअपेक्षाओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं के विषय में व्यक्तिगत रूप से संवाद किया। बैठक का उद्देश्य केवल योजनाओं की समीक्षा नहीं, बल्कि जनप्रतिनिधियों की जमीनी समझ और अनुभव के माध्यम से राज्य के क्षेत्र विशेष की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ समझना और समाधान सुनिश्चित करना था।

बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी कार्यों के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों के द्वारा पीडब्लूडी विभाग को उपलब्ध कराए गए प्रस्तावों पर विधानसभा क्षेत्रवार चर्चा करते हुए जनप्रतिनिधियों द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर नंबरिंग कर उपलब्ध कराने के लिए कहा। लोक निर्माण विभाग और धर्मार्थ कार्य विभाग को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों के द्वारा प्राथमिकता के आधार पर जो प्रस्ताव उपलब्ध कराए जाएं, उन पर शीघ्रता से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे कि 15 सितंबर के बाद उस कार्य योजना से संबंधित कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास हो सके।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, राज्य मंत्री संजीव गोंड सांसद, विधायक, विधान परिषद् सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित जनसभा स्थल का किया निरीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दौरे के दूसरे दिन मंगलवार सुबह वाराणसी में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित जनसभा स्थल का निरीक्षण किया। विकासखंड सेवापुरी के ग्राम सभा बनौली में 2 अगस्त को मोदी की जनसभा प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कार्यक्रम स्थल पर आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी कतई नहीं होनी चाहिए। पेयजल, शौचालय, हवा आदि की व्यवस्था के साथ ही साथ कार्यक्रम स्थल पर सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। योगी ने कार्यक्रम स्थल एवं आसपास सुरक्षा के मुकम्मल व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के साथ ही यातायात व्यवस्था सुगम बनाएं रखने पर विशेष जोर दिया।

योगी सरकार के मॉडल को अपनाएगी दिल्ली सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी का आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम लागू करने का निर्णय

अमृत विचार : योगी सरकार का आईजीआरएस (इंटिग्रेटेड ग्रिवांस रिड्रेसल सिस्टम) और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम देशभर में मॉडल के रूप में उभर कर सामने आया है। अब दिल्ली सरकार ने इसे अपने यहां लागू करने का निर्णय लिया है।

योगी सरकार के आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम को बारीकी से समझने के लिए देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधिमंडल इसका अध्ययन करने आ चुके हैं। इसी के तहत दिल्ली सरकार के अधिकारियों का एक दल इसकी बारीकियों को समझा और इसकी सराहना की। नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निपटारा सुनिश्चित करने के साथ विकास कार्यों के प्रगति और उसकी गुणवत्ता की मॉनीटरिंग के लिए दिल्ली सरकार ने इसे अपनाने का फैसला किया है।

यूपी से मांगी मदद

दिल्ली सरकार ने योगी सरकार से आग्रह किया है कि वह अपने यहां आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम को लागू करना चाहते हैं। ऐसे में योगी सरकार से दिल्ली में आईजीआरएस और सीएम डैशबोर्ड सिस्टम को लागू करने में सहायता प्रदान करने के लिए टीम उपलब्ध करा दें।

पंजीकरण में महिलाओं को छूट संबंधी शासनादेश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : एक करोड़ रुपये तक की सम्पत्ति के पंजीकरण पर महिलाओं को अधिकतम 1 लाख रुपये तक की छूट संबंधी शासनादेश जारी कर दिया गया है। ऐसे में अब महिलाओं के पक्ष में निष्पादित स्थावर सम्पत्ति विलेखों पर 1 करोड़ रुपये तक के मूल्य पर देय स्टाम्प शुल्क में 1 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। शासनादेश मंगलवार को प्रमुख सचिव, स्टाम्प एवं पंजीयन अमित गुप्ता की ओर से जारी किया गया है।

शासनादेश द्वारा 23 फरवरी 2006 को जारी अधिसूचना में संशोधन कर दिया गया है। पहले यह छूट केवल 10 लाख रुपये तक सीमित थी, जिससे अधिकतम 10 हजार रुपये की छूट ही प्राप्त होती थी। संशोधित व्यवस्था के अनुसार, अब एक करोड़ रुपये तक की सम्पत्ति के पंजीकरण पर महिलाओं को अधिकतम 1 लाख रुपये तक की छूट का लाभ मिलेगा। यह निर्णय राज्य मंत्रिपरिषद द्वारा 22 जुलाई को सम्पन्न बैठक में प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद लिया गया है।

कंपनियां किसानों को कर रहीं कम उर्वरकों की आपूर्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कृषि मंत्री ने जताई नाराजगी समुचित आपूर्ति के निर्देश

अमृत विचार : राज्य सरकार के सख्त निर्देश के बाद भी निजी कंपनियां खरीफ सीजन में किसानों को समुचित उर्वरक की आपूर्ति नहीं कर रही हैं। मंगलवार को उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह शिकायतें सामने आईं। कृषि मंत्री ने नाराजगी जताते हुए इस पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि खरीफ फसलों की रोपाई व गन्ने की खड़ी फसल में टॉप ड्रेसिंग के लिए समयबद्ध व पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध है। प्रदेश में इस समय 9.18 लाख मीट्रिक टन यूरिया व 5.58 लाख मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक (डीएपी, एनपीके) की उपलब्धता है। सहकारिता क्षेत्र व निजी क्षेत्र दोनों के माध्यम से किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें कृभको की ओर से केवल 36 प्रतिशत, इफको से 55 प्रतिशत, आरसीएफ से 63 प्रतिशत व आईपीएल के जरिये आठ प्रतिशत आपूर्ति की गई है।

16 गोसंरक्षण केंद्रों की शुरुआत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हर केंद्र में 400 गोवंश को संरक्षित करने की क्षमता
- केंद्रों के निर्माण में गुणवत्ता से न हो समझौता : धर्मपाल सिंह

अमृत विचार: पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने मंगलवार को पशुपालन निदेशालय में आयोजित एक कार्यक्रम में निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए प्रदेश के 12 जिलों के 16 वृहद गो संरक्षण केंद्रों का वर्चुअल लोकार्पण किया। इसके तहत ललितपुर में 3, श्रावस्ती में 2 और झांसी, भदोही, प्रतापगढ़, बलरामपुर, सोनभद्र, रायबरेली, बांदा, लखीमपुरखीरी, फतेहपुर एवं कानपुर देहात में 1-1 वृहद गोसंरक्षण केंद्रों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

इन 16 गो संरक्षण केन्द्रों की कुल निर्माण लागत 2561.92 लाख रुपये है। प्रत्येक केंद्र में लगभग 400 गोवंश को संरक्षित किया जा सकता है। धर्मपाल सिंह ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री के दिशा-निर्देशन में गोवंश का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा रहा है।

धर्मपाल सिंह ने इस दौरान सम्बंधित जिलों के क्षेत्रीय विधायकों, ग्राम प्रधानों, जिलाधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी तथा केयरटेकरों से भी गोवंश के रखरखाव और सहयोग पर बात की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गौसंरक्षण केंद्रों के निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाए। प्रतिदिन लगभग 7 करोड़ रुपये का व्यय

वर्तमान में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में 6615 अस्थायी गो आश्रय स्थल, 387 वृहद गो संरक्षण केन्द्र, 302 कांजी हाऊस एवं शहरी क्षेत्र में 304 कान्हा गो आश्रय स्थल सहित कुल 7608 गो आश्रय स्थलों में 1236656 निराश्रित गोवंश संरक्षित है। मुख्यमंत्री सहभागिता योजनान्तर्गत 1,14,141 इच्छुक लाभार्थियों को 1,76,921 निराश्रित गोवंश सुपुर्द किये गये हैं।

क्र. सं.	योजना का नाम	क्षेत्रफल (वर्ग मी.)	भूखण्डों की श्रेणी	भूखण्ड का मूल्य (रु. लाख में)	भूखण्ड के सापेक्ष देय कुल धनराशि (समस्त मदों सहित) (रु. लाख में)	पंजीकरण धनराशि (रु. लाख में)	
						सामान्य श्रेणी (मानक मूल्य रु0 125.80 लाख का 5.00 प्रतिशत)	आरक्षित श्रेणी (मानक मूल्य रु0 125.80 लाख का 2.50 प्रतिशत)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	अवध विहार योजना, लखनऊ	288	मानक भूखण्ड	125.80	126.45	6.29	3.15
			कार्नर भूखण्ड	138.38	139.06	6.29	3.15
			ग्रीन फेसिंग भूखण्ड	132.09	132.75	6.29	3.15
			कार्नर एवं ग्रीन फेसिंग	145.30	146.00	6.29	3.15

ऑनलाइन पंजीकरण हेतु सुविधा प्रदाता बैंक का विवरण : * स्टाम्प शुल्क पृथक से देय होगा। शेष नियम एवं शर्तें लागू

UP RERA Collection A/c No. : 50200105020280
बैंक का नाम एवं पता : HDFC Bank, 31/31, M.G. Road, Hazratganj, Lucknow-226001
सम्बन्धित अधिकारी का नाम : Vivek Kumar Mittal (+91 9319944952), Hem Singh (+91 9335816256)

आवंटन के पश्चात आवंटन पत्र निर्गमन तिथि से 60 दिन में भूखण्ड के कुल मूल्य का पूर्ण भुगतान करने पर 5% की छूट

श्री मुकेश पाल (सम्पत्ति प्रबन्धक) मो0:- +91 8795810970 | इ0 आई0 पी0 गौड़ (अधिशासी अभियन्ता) मो0 :- +91 8795811729 | श्री चन्दन कुमार पटेल (उप आवास आयुक्त लखनऊ जोन) मो0:- +91 8189081005 | इ0 समर उपाध्याय (अधीक्षण अभियन्ता) मो0:- +91 8795810183

उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद
104, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ
Website : https://www.upavp.in, E-mail.: info@upavp.com
संपत्तियों एवं पंजीकरण से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए डायल करें (टोल फ्री नंबर) 1800-180-5333, 0522-2236803
UPHousingBoard uphousingdevboard www.upavp.in

आंदोलन जारी रखेंगे बिजलीकर्मी

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश ने कहा कि निजीकरण व उत्पीड़नात्मक कार्रवाई वापस होने तक आंदोलन जारी रहेगा। मंगलवार को समिति की ऑनलाइन सभा में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया। इस बीच, प्रदेश के जिलों व परियोजना मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन जारी रहा। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे व अन्य पदाधिकारियों ने कहा है कि बिजली कर्मी उपभोक्ता सेवा के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं।

27 जिलों में चलाया जाएगा सर्वजन दवा अभियान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्पष्ट निर्देश, फाइलेरिया रोधी दवा सामने खिलानी है, व्यक्ति की गैरमौजूदगी में दोबारा भ्रमण करेगी स्वास्थ्य टीम

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग 7 विभागों के साथ 27 जिलों में सर्वजन दवा अभियान चलाएगा। शासन की ओर से सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) के तहत फाइलेरिया रोधी दवा का लेकर गाइडलाइन जारी कर दी गई है। इसमें स्पष्ट निर्देश हैं कि, दवा सामने खिलानी है अगर व्यक्ति की घर में गैरमौजूदगी है तो स्वास्थ्य टीम को पुनः भ्रमण करना होगा।

गाइडलाइंस के मुताबिक, अभियान के दौरान सामुदायिक नेता, शिक्षक और धार्मिक हस्तियां उन व्यक्तियों की सहायता के लिए सूचीबद्ध होंगे जो शुरुआत में दवा लेने से इनकार करते हैं। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने 27 जिलों में 10 अगस्त से शुरू होने जा रहे अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए व्यापक दिशानिर्देश जारी किए हैं।

इन सात विभागों से करना होगा समन्वय

प्रमुख सचिव ने जोर देकर कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमों को बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, पंचायती राज, बाल विकास एवं पुष्टाहार, खाद्य एवं रसद, नगर विकास और अल्पसंख्यक कल्याण जैसे विभागों के साथ मिलकर शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों तक पहुंचना है। सामुदायिक नेताओं, शिक्षकों और धार्मिक हस्तियों को उन व्यक्तियों की सहायता के लिए सूचीबद्ध किया जाना चाहिए जो शुरुआत में दवा लेने से इनकार करते हैं।

इन जिलों में चलेगा अभियान

एमडीए अभियान बहराइच, बलरामपुर, गोंडा, श्रावस्ती, सुल्तानपुर, बस्ती, देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, संत कबीर नगर, सिद्धार्थनगर, औरैया, इटावा, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, हरदोई, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, फतेहपुर, कौशाम्बी, चंदौली, गाजीपुर और मिर्जापुर में चलाया जाएगा।

बदलाव | जनहित याचिका से नई व्यवस्था रोकने के आदेश पर सुप्रीम रोक का असर

मलाईदार ठेकों और घोटालों पर कसा शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 68 हजार महिला समूहों ने संभाली 1.8 लाख आंगनबाड़ी केंद्रों की कमान

अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाकर पोंटी चड्ढा जैसों के मलाईदार ठेकों और 'घोटालों' पर शिकंजा कस दिया है। 68 हजार महिला समूहों ने 1.8 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों की कमान संभाल ली है। अधिकारियों का कहना है कि इस नई योजना से तिलमिलाए ठेकेदार कानूनी लड़ाई को बहाना बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 में कार्यभार संभाला तो उन्होंने इस अनुचित व्यवस्था को सुधारने की दिशा में ठोस कदम उठाए। सरकार ने श्वेत पत्र जारी कर पूर्ववर्ती सरकारों के घोटालों का खुलासा किया और पोषाहार व्यवस्था को पारदर्शी और सामुदायिक बनाने की घोषणा की। शुरुआत में 18 जिलों में स्वयं सहायता समूहों को यह जिम्मेदारी दी गई जो आज 43 जिलों तक पहुंच चुकी है। शेष जिलों में यह जिम्मेदारी नैफेड जैसे सार्वजनिक उपक्रम को दी गई है, ताकि गुणवत्ता से समझौता न हो।

इन परिवर्तनों का उद्देश्य न केवल ठेकेदार लॉबी को हटाना था बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना भी था। लेकिन यह बदलाव ठेकेदार लॉबी को रास नहीं आया। नवंबर 2024 में हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच में एक जनहित याचिका दाखिल की गई जिसमें आरोप लगाया गया कि समूहों द्वारा वितरित पोषाहार गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरता। हाईकोर्ट ने इस पर अंतरिम आदेश जारी कर निविदा प्रक्रिया पर रोक लगा दी, जिससे राज्य सरकार के प्रयासों को झटका लगा। फरवरी 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को बिना सोच-विचार के और अधिकार क्षेत्र से बाहर करार देते हुए रद्द कर दिया और राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह पोषाहार वितरण सुचारू रूप से जारी रखे।

हर साल पांच हजार करोड़ का था बजट

देश की सबसे बड़ी बाल पोषण योजना के रूप में एकीकृत बाल विकास योजना के तहत टेक होम राशन और आंगनवाड़ी केंद्रों पर पके हुए भोजन की आपूर्ति होती है। अकेले उत्तर प्रदेश में इस योजना पर हर साल लगभग पांच हजार करोड़ रुपये खर्च होते हैं। यह राशि वर्षों से कुछ निजी कंपनियों के लिए स्थायी कमाई का जरिया बनी रही, जिनमें प्रमुख रही ग्रेट वैल्यू फूड्स जो दिवंगत शराब कारोबारी पोंटी चड्ढा से जुड़ी कंपनी है। यह कंपनी वर्ष 2002 से लेकर सपा, बसपा और कांग्रेस समर्थित सरकारों के दौरान पोषाहार अनुबंध हासिल करती रही, बावजूद इसके कि गुणवत्ता को लेकर कई बार गंभीर सवाल उठे।

10 से 12 हजार बचा रहीं महिलाएं

अब पैसा गांवों की महिला स्वयं सहायता समूहों को दिया जा रहा है। ये महिलाएं खुद पैसे का हिसाब रखती हैं। अनाज खरीदती हैं, उसे पैक करती हैं और फिर जरूरतमंदों तक पहुंचाती हैं। इस पूरे काम में उन महिलाओं को भी कुछ आमदनी मिल जाती है। करीब-करीब हर महिला समूह महीने में 10 हजार से 12 हजार रुपये तक बचा लेती हैं।

परिजन को ब्रजेश पाठक ने बंधाया ढांढस

लखनऊ की शंकरपुरी कॉलोनी पहुंचे उप मुख्यमंत्री।

अमृत विचार, लखनऊ : बीते दिनों दिवस कैसरबाग के फूलबाग स्थित शंकरपुरी कॉलोनी के पार्क में आठ वर्षीय बालक की मृत्यु के प्रकरण में मंगलवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मौके पर पहुंचे। वह पीड़ित परिजनों से मिले और हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया। कहा कि दुःख की इस घड़ी में सरकार आपके साथ है। उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार को मुआवजे के निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। दरअसल, रविवार सुबह खेलते समय बॉल उठाने के लिए ट्रांसफार्मर के सुरक्षा घेरे मंब दाखिल हुए बच्चे फरद पुत्र फरीद कुरैशी की करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। यहां उप मुख्यमंत्री ने जनचौपाल लगाकर शिकायतों की सुनवाई की। मौके पर ही कई समस्याओं का निदान किया और अधिकारियों को सभी समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

नेशनल ब्रीफ

हादसे में छह कांवड़ियों की मौत, 24 घायल

रांची/देवघर। झारखंड के देवघर में मंगलवार को एक बस और गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक के बीच टक्कर होने से कम से कम छह कांवड़ियों की मौत हो गई और 24 अन्य लोग घायल हो गए। कांवड़ियों को ले जा रही एक बस मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास सुबह करीब साढ़े पांच बजे गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक से टकरा गई। प्रधानमंत्री मोदी ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लाकड़ा ने बताया, देवघर के जमुनिया चौक पर हुए हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए।

कर्नाटक: काम के घंटे बढ़ाने का प्रस्ताव वापस

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने आईटी और आईटीईएस क्षेत्र में दैनिक कामकाज के घंटे बढ़ाने का प्रस्ताव वापस लेने का फैसला किया है। कर्नाटक राज्य आईटी/आईटीईएस कर्मचारी संघ ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य के श्रम मंत्री संतोष लाड के कार्यालय ने भी पुष्टि की है कि कर्मचारियों के कामकाज के घंटे न बढ़ाने का फैसला किया गया है। कर्मचारी संगठन ने कहा कि राज्य के अतिरिक्त श्रम आयुक्त जी. मंजूनाथ ने बताया कि कर्नाटक दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान (संशोधन) विधेयक, 2025 को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

बिहार : अब ट्रैक्टर के वास्ते मांगा प्रमाण पत्र

मोतिहारी। बिहार में न केवल कुत्ता, बल्कि एक ट्रैक्टर भी आवास प्रमाण पत्र के लिए होड़ में लगा हुआ है। ग्रामीण पटना के बहुचर्चित 'कुत्ता बाबू' प्रकरण के बाद अब पूर्वी चंपारण जिले में सोनालिका ट्रैक्टर के नाम से एक आवेदन दिया गया है, जिसमें 'स्वराज ट्रैक्टर' और 'कार देवी' का वंशज होने का दावा किया गया है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया 17 जुलाई के ऑनलाइन आवेदन पर विचार नहीं किया गया और ऐसा करने वाले शरारती तत्व की तलाश शुरू कर दी गई है, जिसने आवेदन के साथ प्रसिद्ध भोजपुरी अभिनेत्री की तस्वीर भी चिपका दी थी।

कर्मचारी क्षतिपूर्ति एक्ट में अस्पष्टता दूर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम के एक प्रावधान में इस्तेमाल "नौकरी के दौरान और उसके कारण हुई दुर्घटना" वाक्यांश में निवास स्थान और कार्यस्थल के बीच आने-जाने के दौरान होने वाले हादसे भी शामिल होंगे। शीर्ष अदालत ने कहा कि बात जब काम पर जाते समय या घर लौटते वक्त कर्मचारियों के साथ होने वाली दुर्घटनाओं की आती है तो अधिनियम की धारा-3 में इस्तेमाल इस वाक्यांश को लेकर काफी अस्पष्टता है।

पहलगाम में 26 निर्दोषों की हत्या करने वाले आतंकी कर दिए ढेर

शाह ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा के दौरान दी जानकारी

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले तीन आतंकवादी 'ऑपरेशन महादेव' के तहत मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। उन्होंने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह जानकारी दी।

शाह ने कहा, कल ऑपरेशन महादेव में सुलेमान, अफगान और जिब्रान नाम के तीन आतंकवादी...सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए। उन्होंने बताया, सुलेमान, लश्कर-ए-तैयबा का ए श्रेणी का कमांडर था। पहलगाम और गगनगीर आतंकी हमले में वह लिप्त था, इसके बहुत सारे सबूत हमारी एजेंसियों के पास हैं। अफगान और जिब्रान भी ए श्रेणी के आतंकवादी थे। कहा, जिन्होंने पहलगाम की बैसरन घाटी में हमारे निर्दोष नागरिकों को मारा था, उनमें ये तीनों आतंकवादी शामिल थे और कल तीनों ही मारे गए।

गृह मंत्री ने कहा, 22 अप्रैल को दिन में एक बजे पहलगाम की बैसरन घाटी में हमला हुआ था। वह शाम 5.30 बजे श्रीनगर पहुंच गए थे और 23 अप्रैल को एक सुरक्षा बैठक की गई और इसकी पुख्ता व्यवस्था की गई कि नृशंस हत्या करने वाले हत्यारे देश छोड़कर भागने न पाएं।

उन्होंने बताया कि पूरी छानबीन के बाद यह पुष्टि की गई कि इन तीनों आतंकवादियों ने ही 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन घाटी में 26 निर्दोष लोगों की जान ली थी। गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों के आकाओं को जमीन में मिलाने का काम किया था और सेना एवं सीआरपीएफ ने उन आतंकवादियों को भी समाप्त कर दिया। इस दौरान सपा के नेता अखिलेश यादव कुछ सवाल उठाते देखे गए। शाह ने कटाक्ष करते हुए कहा, मुझे अपेक्षा थी कि जब ये (विपक्ष) आतंकवादियों के मारे जाने की खबर सुनेंगे तो खुशी की लहर दौड़ जाएगी, लेकिन इनके चेहरे तो फीके पड़ गए।

लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देते गृहमंत्री अमित शाह। ● एजेंसी

राज्यसभा में नड्डा ने खरगे से माफी मांगी

नई दिल्ली। राज्यसभा में कांग्रेस सदस्यों ने भारी हंगामा किया जब सदन के नेता जेपी नड्डा ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बारे में एक आपत्तिजनक टिप्पणी की। हालांकि नड्डा ने बाद में अपने शब्द वापस ले लिए और खरगे से माफी मांगी। पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर विषय पर सदन में खरगे ने अपना लंबा भाषण दिया। बाद में नड्डा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में कुछ ऐसी बातें की हैं, जो अनुकूल नहीं है।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से नहीं कहा कि ट्रंप ने झूठ बोला: राहुल

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान स्पष्ट रूप से यह नहीं बोल सके कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मध्यस्थता संबंधी दावा झूठा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में एक बार भी चीन का नाम नहीं लिया, जबकि सबको पता है कि पाकिस्तान के पीछे चीन का हाथ है। प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा।

शाह को पहलगाम में सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी लेनी चाहिए: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को पहलगाम आतंकी हमले की वजह बनी सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि पहलगाम हमले के लिए जवाबदेही तय की जानी चाहिए और 'जो जिम्मेदार हैं, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। खरगे पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर राज्यसभा में विशेष चर्चा में हिस्सा ले रहे थे।

बाघ दिवस

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर बाघों के संरक्षण का महत्व बताने के लिए देश भर में विभिन्न कार्यक्रम हुए। कोलकाता में बाघ संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक स्कूल के बच्चों ने नाटक प्रस्तुत किया। एजेंसी

दिल्ली दंगे के आरोपी को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शहर में 2020 के सांप्रदायिक दंगों के पीछे साजिश के मामले में एक आरोपी को 15 दिन की अंतरिम जमानत दी है।

अदालत ने आरोपी की बेटी की बीमारी और उसके बेटे की स्कूल फीस जमा करने के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए ऐसा किया। हालांकि, अदालत ने यह शर्त भी लगाई है कि आरोपी सोशल मीडिया पर कोई पोस्ट नहीं करेगा और न ही मीडिया से संपर्क करेगा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने आरोपी तस्लीम अहमद की याचिका पर यह आदेश पारित किया।

नेशनल हेराल्ड केस: कोर्ट ने टाला ईडी की चार्जशीट पर संज्ञान लेने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने 'नेशनल हेराल्ड' मामले में ईडी द्वारा दाखिल आरोपपत्र पर संज्ञान लेने को लेकर अपना आदेश मंगलवार को टाल दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा, अदालत को मामले की फाइल का और निरीक्षण करने की जरूरत है। जांच अधिकारी को 7 और 8 अगस्त को फाइल के साथ पेश होने दीजिए।

इससे पहले, 15 जुलाई को अदालत ने संज्ञान के पहलू पर दलीलें पूरी होने का उल्लेख करते हुए आदेश 29 जुलाई के लिए सुरक्षित रख लिया था। अदालत दो जुलाई से संज्ञान के बिंदु पर ईडी और आरोपियों की दलीलें दैनिक आधार पर सुन रही थी। ईडी ने सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा एवं ऑस्कर फर्नांडीस के साथ-साथ सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और एक निजी कंपनी 'यंग इंडियन' पर आरोप लगाया है कि इन्होंने 'नेशनल हेराल्ड' अखबार प्रकाशित करने वाली कंपनी 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' (एजेएल) से संबंधित 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति के धोखे से अधिग्रहण के लिए साजिश की और धनशोधन किया है।

निदेशालय का आरोप है कि गांधी परिवार के पास 'यंग इंडियन' के 76 प्रतिशत शेयर थे और इस कंपनी ने 90 करोड़ रुपये के ऋण के बदले एजेएल की संपत्ति को धोखे से हड़प लिया। आरोप पत्र में सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी, पित्रोदा, दुबे, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डॉटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड के नाम हैं।

● हाईकोर्ट ने कहा- फाइल का और निरीक्षण करने की है जरूरत

नीट: छात्रों के समय बर्बादी के समाधान को समिति बनाए एनटीए

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को निर्देश दिया है कि वह उन परीक्षार्थियों के वास्ते एक स्थाई शिकायत निवारण समिति का गठन करे, जिनका नीट के दौरान तकनीकी समस्याओं के कारण समय खराब होता है जबकि असल में उनकी कोई गलती नहीं होती है। कोर्ट ने कहा कि संवैधानिक अदालतों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे हर उस अभ्यर्थी का सीसीटीवी फुटेज देखें, जिसे बिना किसी गलती ऐसा नुकसान हुआ हो। न्यायमूर्ति विकास महाजन ने कहा कि ऐसे मामलों की जांच पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से विशेषज्ञों के एक समूह द्वारा की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति महाजन ने स्थायी समिति को जांच के लिए अधिक उपयुक्त फार्मूला तैयार करने की छूट दी।

निसार मिशन के लिए उलटी गिनती शुरू : इसरो

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

नासा-इसरो के महत्वाकांक्षी निसार मिशन के लिए उलटी गिनती मंगलवार को शुरू हो गई। इसरो के सूत्रों के मुताबिक उसका जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल' (जीएसएलवी) बुधवार शाम 5:40 बजे नासा-इसरो 'सिंथेटिक एपरचर रडार' (निसार) उपग्रह को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में भेजेगा।

आज शाम 5:40 बजे सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में भेजा जाएगा

इस मिशन की योजना अमेरिका और भारत की अंतरिक्ष एजेंसियों ने करीब दस साल पहले मिलकर बनाई थी। इस साल फरवरी में वाशिंगटन में ट्रंप से प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात के बाद इस मिशन को और तेजी से आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया। यह मिशन सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में जाने वाला जीएसएलवी रॉकेट का पहला मिशन है। यह श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से 102वां प्रक्षेपण होगा। इसरो ने कहा, जीएसएलवी-एफ16/निसार के प्रक्षेपण होने में एक दिन बाकी है। जीएसएलवी-एफ16, निसार को कक्षा में ले जाने के लिए तैयार है। प्रक्षेपण की उलटी गिनती आज अपराह्न 2.10 बजे शुरू हो गई है।

तीव्र गश्ती पोत अटल का जलावतरण

नई दिल्ली। गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा भारतीय तटरक्षक के लिए बनाए जा रहे आठ अत्याधुनिक स्वदेशी डिजाइन वाले 'फास्ट पेट्रोल वेसल' की श्रृंखला में छठा पोत 'अटल' का मंगलवार को जलावतरण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ये उच्च गति वाली नौकाएं तटीय गश्त, द्वीप सुरक्षा मिशन और अपतटीय परिसंपत्ति संरक्षण के लिए सुसज्जित हैं, जिससे भारत की समुद्री क्षेत्र निगरानी क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि यह पोत तस्करी-रोधी, समुद्री डकैती-रोधी और खोज एवं बचाव अभियान भी चलाएगा। अधिकारियों ने बताया कि यह समारोह गोवा के वास्को डी गामा में आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि भारत की स्वदेशी समुद्री शक्ति और जहाज निर्माण में 'आत्मनिर्भरता' को मजबूत करते हुए, गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने आईसीजी के लिए फास्ट पेट्रोल वेसल 'अटल' (यार्ड 1275) का जलावतरण किया गया।

● भारत की समुद्री क्षेत्र निगरानी क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा में होगी वृद्धि

पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम पर केंद्र और बीसीआई से जवाबतलब

नई दिल्ली, एजेंसी

● पाठ्यक्रम की समीक्षा का अनुरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई है याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) से मंगलवार को उस जनहित याचिका पर जवाब तलब किया, जिसमें पांच वर्षीय एलएलबी और एलएलएम कोर्स के पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और अवधि की समीक्षा के लिए एक कानूनी शिक्षा आयोग गठित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार, यूजीसी, बीसीआई और भारतीय विधि आयोग को नौ सितंबर तक का समय दिया। शीर्ष अदालत ने अपनी रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि इस मुद्दे पर सभी लंबित मामलों को नौ सितंबर को एक साथ सूचीबद्ध किया जाए। अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर जनहित याचिका में शीर्ष अदालत से केंद्र को एलएलबी और एलएलएम कोर्स के पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और अवधि की समीक्षा करने और कानूनी पेशे में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए उचित कदम उठाने के वास्ते एक कानूनी शिक्षा आयोग या विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश देने का आग्रह किया गया है।

याचिका में कहा गया है, नई शिक्षा नीति 2020 सभी व्यावसायिक और शैक्षणिक पाठ्यक्रमों में चार वर्षीय स्नातक कोर्स को बढ़ावा देती है, लेकिन बीसीआई ने मौजूदा एलएलबी और एलएलएम कोर्स के पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और अवधि की समीक्षा के लिए उचित कदम नहीं उठाए हैं। इसमें कहा गया है कि छात्रों को होने वाला नुकसान बहुत बड़ा है, क्योंकि बीए-एलएलबी और बीबीए-एलएलबी कोर्स की पांच साल की अवधि पाठ्यक्रम सामग्री के अनुपात से अधिक है।

याचिका में कहा गया है, लंबी अवधि के कारण मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर अत्यधिक वित्तीय बोझ पड़ता है और वे इसे वहन करने में असमर्थ होते हैं। एक छात्र को अपने परिवार के लिए रोजी-रोटी कमाने वाला बनने में दो साल और लग जाते हैं। कहा गया है, आईआईटी के माध्यम से बीटेक की डिग्री लेने में चार साल की अवधि लगती है और वह भी इंजीनियरिंग के एक विशिष्ट क्षेत्र में, जबकि एनएलयू और विभिन्न अन्य संबद्ध कॉलेजों के माध्यम से बीए-एलएलबी या बीबी-एलएलबी करने में छात्र के बहुमूल्य जीवन के पांच साल लग जाते हैं, जबकि कला/वाणिज्य, जो एक असंबंधित और अनावश्यक धारा है, का ज्ञान प्रदान किया जाता है। इसलिए, मौजूदा पांच वर्षीय पाठ्यक्रम की विशेषज्ञों से समीक्षा कराई जानी चाहिए।

अब्दुल्ला आजम से जुड़े मामलों की सुनवाई पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें रामपुर की सांसद-विधायक अदालत को सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक आजम खान के बेटे मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान से जुड़े दो मामलों में सुनवाई आगे बढ़ाने को कहा गया था। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने अब्दुल्ला की एक अपील पर उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया। हाईकोर्ट ने 23 जुलाई को अब्दुल्ला आजम की उन दो याचिकाओं को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ आपराधिक मामलों की सुनवाई को चुनौती दी थी। पहला मामला अब्दुल्ला के कथित फर्जी पासपोर्ट और दूसरा मामला उनके दो पैन कार्ड प्राप्त करने से संबंधित है। हाईकोर्ट ने कहा, मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, मेरे विचार से यह आवेदन खारिज किए जाने योग्य है। अब्दुल्ला ने दोनों मामलों में हाईकोर्ट में अलग-अलग याचिकाएं दायर कीं और रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे मुकदमों की आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने का अनुरोध किया।

राजा रघुवंशी हत्याकांड पर फिल्म बनेगी, परिवार ने दी अनुमति

इंदौर। मेघालय में हनीमून के दौरान जान से मार डाले गए इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी के परिवार ने मंगलवार को घोषणा की कि इस बहुचर्चित वारदात पर फिल्म बनाने के लिए उसने सहमति दे दी है।

रघुवंशी के बडे.भाई सचिन ने बताया,हमारे परिवार ने मेरे भाई के हत्याकांड पर फिल्म बनाने के लिए सहमति दे दी है। हत्या की कहानी बड़े परदे आने से लोगों को पता चल सकेगा कि कौन सही था और कौन गलत। राजा के एक दूसरे बड़े भाई विपिन ने कहा कि उनके भाई के हत्याकांड पर फिल्म बनाए जाने के लिए सहमति देने के पीछे उनके परिवार का मकसद यह भी है कि जनता के सामने मेघालय की सही छवि पेश की जा सके। फिल्म का नाम 'हनीमून इन शिलॉन्ग' प्रस्तावित है। निर्देशक एसपी निम्बावत ने कहा,राजा रघुवंशी को शादी के बाद बहुत बड़ा विश्वासघात झेलना पड़ा था। हम फिल्म के जरिए जनता को संदेश देना चाहते हैं कि विश्वासघात की ऐसी घटनाओं पर रोक लगनी चाहिए।

मालेगांव बम विस्फोट : 17 साल बाद एनआईए की विशेष अदालत कल सुनाएगी अपना फैसला

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के मालेगांव शहर में हुए एक घातक विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत 17 साल बाद आखिरकार 31 जुलाई को अपना फैसला सुनाएगी। नासिक जिले के मुस्लिम बहुल शहर में यह विस्फोट रमजान के महीने में नवरात्रि की पूर्व संध्या पर 29 सितंबर 2008 को हुआ था। इसमें छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 घायल हुए थे।

अदालत ने 19 अप्रैल को अपना आदेश सुरक्षित रखा था। शुरुआत में सातों आरोपियों को फैसले के लिए 8 मई को पेश होने का निर्देश दिया गया था लेकिन बाद में फैसला 31 जुलाई के लिए पुनर्निर्धारित कर दिया गया। इस केस की प्रारंभिक जांच महाराष्ट्र एटीएस के विशेष महानिरीक्षक हेमंत करकरे कर रहे थे, जो 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के दौरान शहीद हो गए थे। एटीएस ने इस मामले में 2009 में अपना आरोपपत्र दायर किया। यह मामला 2011 में एनआईए को स्थानांतरित कर दिया गया, जिसने 2016 में एक पूरक आरोपपत्र पेश किया।

हालांकि एनआईए एटीएस के निष्कर्षों से काफी हद तक सहमत थी, लेकिन कुछ पहलुओं पर उसके विचार अलग थे, विशेष रूप से मकोका के तहत कड़े आरोपों को हटाने की सिफारिश, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। मुंबई की विशेष अदालत में चले इस मुकदमे में 30 अक्टूबर 2018 को तय किए गए आरोपों के साथ प्रगति हुई थी।

● वर्ष 2008 में हुए थे धमाकों में मारे गए थे छह लोग, सौ हुए थे घायल

पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर, रिटायर्ड खुफिया अधिकारी कर्नल पुरोहित समेत सात आरोपी

आरोपियों में पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर, सेवानिवृत्त सैन्य खुफिया अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, सेवानिवृत्त मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, समीर कुलकर्णी, सुधाकर चतुर्वेदी और सुधाकर धर द्विवेदी शामिल हैं। अभियोजन पक्ष ने लंबी सुनवाई के दौरान कुल 323 गवाह पेश किए। हालांकि, 34 गवाहों मुकर गए थे। साक्ष्यों की सुनवाई सितंबर 2023 में समाप्त हुई। सातों आरोपियों पर गैरकानूनी यूएपीए की आतंकवादी कृत्य करने की धारा 16 और इसकी साजिश रचने की धारा 18 शामिल हैं, इसके अलावा आईपीसी की आपराधिक साजिस की धारा 120 बी, हत्या की 302, हत्या के प्रयास की 307, चोट पहुंचाने की 324 और धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने की धारा 153 ए के तहत मुकदमा चलाया गया।

आंकड़े | राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम ने बताई स्थिति

देश भर में मानवाधिकार के 34,000 मामले लंबित

हैदराबाद, एजेंसी

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यम ने मंगलवार को जानकारी दी कि आयोग के पास वर्तमान में देश भर से 34,685 मामले लंबित हैं। उन्होंने आयोग के दो दिवसीय विशेष शिविर के बाद बताया कि पुलिस हिरासत में मौत से संबंधित 285 मामले और न्यायिक हिरासत में मौत से संबंधित 2,532 मामले लंबित हैं।

आयोग द्वारा 1993 में जारी निर्देशानुसार, अगर किसी व्यक्ति की थाने या जेल में मौत होती है तो अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर आयोग को अनिवार्य रूप से एक रिपोर्ट भेजनी होगी। उन्होंने बताया कि 99.99 प्रतिशत मामलों में आयोग को रिपोर्ट प्राप्त होती है और वह तुरंत सभी संबंधित रिपोर्टें तलब करता है। न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यम ने बताया कि आयोग द्वारा स्वतः संज्ञान लिए गए मामलों की संख्या बढ़ रही है और 2024 में आयोग ने लगभग 105 मामलों पर संज्ञान लिया।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सूचकांक अजीबोगरीब

न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यम ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार सूचकांकों के संबंध में 'अजीब बात' है। आयोग के अध्यक्ष ने किसी देश का नाम लिए बिना बताया कि एक देश मानवाधिकारों के मामले में उच्च स्थान पर हैं लेकिन वह प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में बहुत नीचे है। उन्होंने बताया, "जहां तक मानवाधिकार सूचकांक का सवाल है, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बहुत ही अजीब बात है। एक खास देश है, जिसका मैं नाम नहीं ले सकता। उस देश का मानवाधिकार सूचकांक बहुत ऊंचा है लेकिन प्रेस की स्वतंत्रता के सूचकांक के मामले में यह बहुत नीचे है। ये सूचकांक बहुत ही अजीब तरीके से काम करते हैं।

उन्होंने बताया, वास्तव में, स्वतः संज्ञान से दर्ज मामलों की संख्या बढ़ रही है। 2021 में, स्वतः संज्ञान से दर्ज मामलों की संख्या केवल 17 थी, जो 2022 में 60, 2023 में 117, 2024 में 105 और 2025 में यह संख्या 50 को पार कर चुकी है। मानव स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 130वें स्थान पर है। क्या राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग संबंधित मुद्दों पर सरकारों के साथ बातचीत करता है, न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यम ने बताया कि आयोग सरकारों के साथ चर्चा करता है।

रिश्वत में गिरफ्तार इंजीनियर से 1.5 करोड़ कैश जब्त

नई दिल्ली। सीबीआई ने पीडब्ल्यूडी के एक कार्यकारी अभियंता से 1.60 करोड़ रुपये जब्त किए हैं, जिसे 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि पीडब्ल्यूडी की न्यायिक सिविल डिवीजन-2 में तैनात अभियंता कालूराम मीणा ने एक ठेकेदार से रिश्वत मांगी थी। मीणा को सोमवार को 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। इसके बाद दिल्ली और जयपुर में छापेमारी की गई तो 1.60 करोड़ रुपये नकद, संपत्ति के दस्तावेज मिले और पर्याप्त शेष राशि वाले बैंक खातों का पता चला।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 30 जुलाई 2025

न्यूज ब्रीफ

अधिवक्ता न्यायिक कार्य से रहेंगे विरत

अमृत विचार, मोहनलालगंज : पत्रावलियों को अटकाने , सालों से तहसील में जमे पेशकारों को हटाने और अधिकारियों द्वारा अभद्र भाषा शैली का आरोप लगाते हुए मंगलवार को बार भवन में आम सभा के आयोजन के दौरान अधिवक्ताओं ने शुक्रवार तक न्यायिक कार्य से विरत रहने का फैसला लिया। वहीं सुधार नही होने पर शनिवार को धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है । बार महामंत्री रामलखन ने बताया कि तहसील में अधिकारियों द्वारा भृष्टाचार चरम पर है ,अधिकारी बेलगाम है। सबसे अधिक भृष्टाचार पेशकारों से है जिनका तबादला होने के बावजूद फिर जुगाड़ से इसी तहसील में तबादला करा लेते है इससे आने वाले अधिकारी भी उन्हीं की बातों के आकर फाइलों को अटका देते है । आरोप है कि एक मामले में पूर्व अध्यक्ष श्रवण यादव से तहसीलदार ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया है।

मुखबिर समझ बालक पर किया जानलेवा हमला

टेंपो से अगवा कर ले गए थे कब्रिस्तान, की जमकर पिटाई, चेहर पर किया कांच की बोतल से हमला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: कैसरबाग बस अड्डे से पुलिस का मुखबिर समझकर चार टेंपो चालकों ने पानी बेचने वाले 12 वर्षीय बालक को टेंपो से अगवा कर लिया। अपहरणकर्ता उसे खदरा स्थित कब्रिस्तान ले गए। वहां जमकर पीटने के बाद मुंह पर कपड़ा बांधकर आरोपियों ने कांच की बोतल तोड़कर बालक पर कई वार किए। खून से लथपथ बालक जमीन पर गिर पड़ा। इसी बीच सूचना पर पहुंची वजीरगंज पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो भाग निकले। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चोरी का एक टेंपो बरामद कर लिया है।

डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि मूल रूप से बहराइच निवासी राजू यादव वजीरगंज के घोसियाना इलाके में रहते हैं। उनका बेटा अजय यादव उर्फ हीरा (12) कैसबाग बस स्टैंड में पानी बेचता है। वजीरगंज घोसियाना निवासी विक्की सोनकर ने बताया कि अजय के माता-पिता उसे अकेला छोड़कर गांव गए हुए हैं। किशोर की देखभाल स्थानीय लोग करते हैं। सोमवार रात करीब 10:10 बजे बस स्टैंड के पीछे से टैंपो चालक आमिर, आसिफ, सैफ और सुशील ने अजय को टेंपो से अगवा कर लिया।

विक्की ने पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी खदरा की ओर भाग निकले। पीड़ित ने डॉयल-112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर वजीरगंज राजेश त्रिपाठी ने टीम के साथ घटनास्थल के सीसी फुटेज चेक करने के साथ ही खदरा स्थित कब्रिस्तान पर छापेमारी की। पुलिस ने अपहरणकर्ता मदेयगंज खदरा निवासी आसिफ और सीतापुर शंकरपुर निवासी सुशील उर्फ मैलू को गिरफ्तार कर लिया, जबकि आमिर और सैफ भाग निकले। पुलिस ने घायल अपहृत अजय को अस्पताल में भर्ती कराया है।

इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी बस अड्डे के पीछे शराब व अन्य नशा करते हैं। आरोपियों को शक था कि अजय ने उनकी पुलिस से मुखबिरी की है। बदला लेने की नियत से आरोपियों ने उसे अगवा किया था। फरार दो आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

पुलिस की गिरफ्त में बालक की पिटाई करने के आरोपी। अमृत विचार

बोतल तोड़कर कांच से किए वार

इंस्पेक्टर ने बताया कि अपहरणकर्ताओं ने रास्ते में बच्चे अजय को पीटा था। मदद की गुहार लगाने पर आरोपियों ने उसके मुंह पर कपड़ा बांध दिया। कब्रिस्तान में ले जाकर आरोपियों ने शराब की बोतल तोड़कर कांच से चेहरे, सिर पर कई वार किए। खून से लथपथ अजय निढाल होकर गिर गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी बच्चे की हत्या करने के प्रयास में थे।

घायल बालक अजय

दबंगों ने पति को पीटा 15 पर रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पत्नी सुनीता ने मंगलवार को दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचारः नगराम के टिकरा जुगराज गांव में चौकीदार रामचंद्र की पिटाई के मामले में पत्नी सुनीता ने मंगलवार को 15 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है। सुनीता ने बताया कि पति रामचंद्र नरेश पाइप इंडस्ट्रीज में चौकीदार का काम करते है।

21 जुलाई की शाम करीब सात बजे टिकरा निवासी राम सुमिरन, महेश रूपेश, मुकेश, जुगेश, अमरेंद्र मयंक, चंद्रिका, उत्तम कुमार, रचित, शान बहादुर दशरथ ,रंज्जन, सज्जन, निर्मल, फूलचंद, बृजेश कुमार व चार अन्य अज्ञात लोगों फैक्ट्री में घुसकर डंडे से पति को पीटा। पति को बचाने पहुंची सुनीता और उनके बेटों से भी

आरोपियों ने मारपीट की। आरोपियों ने फैक्ट्री मालिक अरुण तिवारी को गालियां दी और जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। 24 जुलाई को आरोपी कुल्हाड़ी लेकर फैक्ट्री में घुसे और धमकी दी। एसओ विवेक कुमार चौधरी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

जीपीओ में 4 अगस्त से लागू होगा आईटी 2.0 एपीटी एप्लीकेशन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः डाक सेवाओं के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डाक विभाग ने अगली पीढ़ी के एटीपी (एडवांस्ड पोस्टल टेक्नोलॉजी) एप्लीकेशन के रोल आउट की घोषणा की है। यह अत्याधुनिक आईटी 2.0 प्रणाली डाक सेवाओं को और अधिक स्मार्ट, तेज और ग्राहक अनुकूल बनाने की दिशा में एक बेहतर पहल है।

इसकी शुरुआत 4 अगस्त को जीपीओ डाकघर से की जा रही है। उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्बाध और सुरक्षित माइग्रेशन सुनिश्चित करने के लिए 2 अगस्त को सिस्टम डाउनटाइम निर्धारित किया गया है। इस संबंध में चीफ पोस्टर मास्टर राजेश कुमार ने बताया कि 1 अगस्त की शाम 8 बजे से जीपीओ में सभी सार्वजनिक लेनदेन सेवाएं जैसे कि स्पीड पोस्ट, पंजीकृत डाक, पार्सल और बचत बैंक सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित रहेंगी। यह सेवाएं 4 अगस्त की सुबह 10 बजे से पुनः शुरू की जाएंगी।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्न लिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 20.08.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	08802025 दिनांक 29.07.2025
2	निविदा सख्या	13/ Sr.DEN-I/LKO/2025-26, 14/Sr.DEN-I/LKO/2025-26
3	कार्य का नाम	1. सहायक मण्डल इंजीनियर/प्रथम/लखनऊ के अधीन आलमनगर–लखनऊ–उतरेटिया– ट्रांसपोर्टनगर–उतरेटिया बाईपास सेक्शन में खतरनाक पेड़ों के तने और शाखाओं की छंटाई और कटाई।
		2. वरि. खण्ड अभियन्ता/कार्य/आलमबाग–पूर्व लखनऊ के खण्ड में एसआईओ कार्यालय डीजल शेड के सामने 05 कमरों के साथ नए शेड का निर्माण और डीजल शेड आलमबाग लखनऊ में शेड विस्तार के साथ बोगी अनुभाग और उप–असेंबली के एपोक्सी फ्लोरिंग का कार्य।
4	अनुमानित लागत	1. Rs. 6,43,460.95 2. Rs. 7,94,66,511.54
5	धरोहर राशि	1. Rs. 12,900.00 2. 5,47,300.00
6	कार्य की समापन अवधि	क्र. सं. 01 के लियेः स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से तीन माह। क्र. सं. 02 के लियेः स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से बारह माह।
7	निविदा डालने का प्रारंभ	06.08.2025
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	20.08.2025 15:00 बजे
9	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट : निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 2313/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बहन के सामने भाई की हत्या

रहीमाबाद के बख्तौरीपुर ससपन गांव में देर रात हुई घटना

मलिहाबाद, संवाददाता

अमृत विचार: रहीमाबाद के बखतौरी ससपन गांव में सोमवार देर रात संपति विवाद में घर में घुसकर दबंगों ने अमन दीक्षित (32) पर धारदार हथियार से वार किया। अमन की चीख सुनकर पहुंची बहन को धक्का देकर गिरा दिया। इसके बाद ईंट से सिर कूंचकर अमन की हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पिता सुशील दीक्षित की तहरीर पर पंकज, मंजू, नीरज, सपना, कल्पना और विमलेश दीक्षित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। एक आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ कर रही है।

ससपन बख्तौरीपुर गांव में में सुशील दीक्षित पत्नी मनोरमा, दो बेटे अमन और गोलू व बेटी राधिका के साथ रहते हैं। अमन पिता के साथ खेती में हाथ बंटाने के अलावा कार चलाता था। सुशील के मुताबिक पड़ोस में रहने वाले भतीजे पंकज से उनका जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। पिछले सप्ताह में सोमवार की शाम करीब सात बजे पंकज और उसके परिजन से अमन का विवाद हुआ था। गांव वालों के बीच बचाव के बाद मामला शांत हो गया। सुशील के मुताबिक सोमवार रात खाना खाने के बाद सभी अपने कमरे में सोने चले गये। अमन बरामदे में सो रहा था। रात दो बजे के करीब पंकज उसकी मां मंजू, नीरज, सपना, कल्पना, विमलेश वहां पहुंचे। अमन को गालियां देने लगे। शोर सुनकर बेटी राधिका बाहर निकली। इस दौरान आरोपियों ने अमन पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ कई वार किये। राधिका ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन आरोपियों ने उसे धक्का देकर गिरा दिया। इसके बाद ईंट से अमन का सिर कूंचकर हत्या कर दी। इंस्पेक्टर रहीमाबाद आनंद द्विवेदी के मुताबिक मुख्य आरोपी पंकज को पुलिस ने कुछ देर बाद पकड़ लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

अमन दीक्षित (फाइल फोटो)

- परिवार की दो महिलाओं समेत छह पर रिपोर्ट दर्ज, एक हिरासत में

सोमवार देर रात को रहीमाबाद के बखतौरी ससपन गांव में जमीन के विवाद में अमन दीक्षित की हत्या कर दी गई। इस मामले में तीन महिला व तीन पुरुष के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई। एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अन्य की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

–जितेंद्र द्विवेदी, एडीसीपी उत्तरी

भाई की जमीन को लेकर चल रहा विवाद

सुशील के मुताबिक उनके बड़े भाई मदन का एक वर्ष देहांत हो गया था। उनके बेटे मोनू की दो महीने पूर्व मौत हो गई थी। उनके हिस्से की दो बीघा जमीन और मकान था। सुशील के मुताबिक मदन और मोनू की देखरेख वही करते थे। इस लिए उनकी मौत के बाद दो बीघा जमीन भी उन्हीं के पास थी। वह उस पर फसल बोते और उसकी देखरेख करते थे। यह बात पंकज को नागवार गुजरी। पंकज जमीन में आधा हिस्सा मांग रहा था। इसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। पहले भी कई बार झगड़ा हो चुका था। दोनों पक्षों में अक्सर विवाद होता रहता था। एक माह पूर्व पुलिस ने मारपीट होने पर दोनों पक्षों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की थी।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई नागपंचमी

संवाददाता, निगोहां

- निगोहा में हापा मेला आज

अमृत विचार : क्षेत्र में नागपंचमी पर्व धूमधाम से मनाया गया गांवों के चौपालों व चौराहों पर छोटी छोटी बच्चियां गुड़िया बना कर लाईं। जहां उपस्थित बच्चों ने छूल के डंडों से गुड़िया पीट कर पर्व को मनाया। वही नागपंचमी के अवसर पर लगने वाला हापा मेला बुधवार को निगोहां कस्बे में लगेगा। ऐसी मान्यता है कि वर्षों से यह हापा मेला नागपंचमी के दूसरे दिन लगता आ रहा है। जहां इस मेले में कभी महिलाओं का दंगल काफी लोकप्रिय रहा है। जिसमें दूरदराज से आई गांवों की महिला पहलवानों की आमद रहती थी। लेकिन समय परिवर्तन के साथ सब यादों तक ही सीमित रह गया।

मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी अनुज तिवारी ने बताया कि निगोहा कस्बे में नागपंचमी के अवसर पर हापा मेले में भारी पुलिस बल मौजूद रहेगा।

नागपंचमी पर्व पर गुड़िया पीटते बच्चे। अमृत विचार

महिला का यौन शोषण कर व्यापारी ने हड़पे पौने दो करोड़ रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : व्यापार बढ़ाने के नाम पर व्यापारी ने महिला को अपने प्रेम जाल में फंसाया। उसके बाद यौन शोषण कर करीब पौने दो करोड़ रुपये हड़प लिए। विरोध करने पर पीटा और जान से मारने की धमकी दी। गर्भवती होने पर कई बार गर्भपात कराया। यह आरोप लगाते हुए पीड़िता ने अलीगंज थाने में व्यापारी और उसके चचेरे भाई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करायी है। अलीगंज निवासी पीड़िता ने बताया कि मार्च 2013 में व्यापार बढ़ाने और निवेश के संबंध में अमीनाबाद के केशव बहादुरी लेन निवासी व्यापारी अमरीश अग्रवाल से मुलाकात हुई। आरोपी ने प्रेम जाल में फंसाकर उसे पति से अलग किया और फिर धीरे-धीरे उसकी पैतृक जमीन बेचकर करीब 1.72 करोड़ रुपये हड़प लिए। मांग बढ़ने पर पीड़िता ने इंकार किया तो आरोपी अमरीश ने धमकाना शुरु कर दिया। आरोप है कि आरोपी ने उसका यौन शोषण किया। विरोध करने पर आरोपी ने उसकी बच्ची के साथ गलत काम करने की धमकी दी। यही नहीं मार्च माह में आरोपी ने घर के बाहर आकर हंगामा किया। उसके दिल्ली निवासी चचेरे भाई अंकित ने भी धमकी की।

एप बेस कंपनियों के खिलाफ राष्ट्रवादी ड्राइवर यूनियन की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः राष्ट्रवादी ड्राइवर यूनियन शक्ति के नेतृत्व में ओला, उबर, इन ड्राइवर और रैपीडो जैसी ऑनलाइन एप टैक्सी कंपनियों के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल की शुरुआत की गई। कैब चालक इको गार्डन में धरना दे रहे है। यूनियन का आरोप है कि इन कंपनियों द्वारा लगातार चालकों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है।

यूनियन के अनुसार बार-बार ज्ञापन देने और प्रदर्शन करने के बावजूद कंपनियां चालकों को उनकी लागत से भी कम रेट देती हैं, जिससे चालक गाड़ी का मेंटेनेंस तक नहीं निकाल पा रहे हैं और अपने परिवार का भरण-पोषण करने में भी असमर्थ हैं। राष्ट्रवादी ड्राइवर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन सिंह ने कहा कि 1 जुलाई को एक दिवसीय हड़ताल के बावजूद कंपनियों ने रेट में कोई बदलाव नहीं किया, इसलिए इस बार की हड़ताल तब तक जारी रहेगी जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जातीं।

चालकों की मुख्य मांग है कि प्रति किलोमीटर किराया 25 रुपये किया जाए। इस हड़ताल में लखनऊ समेत हजारों चालक शामिल है। प्रदर्शन कारियों में रामकृष्ण पांडे, महेंद्र वर्मा, शिवकरण यादव, प्रवीण विश्वकर्मा, नीरज यादव, राहुल तिवारी, विवेक सिंह समेत लोग है।

ईको गार्डन में धरना देते कैब चालक। अमृत विचार

कार्यालय – उपनिदेशक (नि0) मु0–अनु0

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ0प्र0

''किसान मण्डी भवन'' विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010

www.upmandiparishad.in

पत्रांक– मु0अनु0/ई–निविदा/2025–267 दिनांकः 29.07.2025

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

मण्डी परिषद, मुख्यालय अनुरक्षण खण्ड, लखनऊ के अर्न्तगत निम्नलिखित तालिका में अंकित कार्य की मरम्मत/अनुरक्षण हेतु ई–निविदा (E-Tendering) के माध्यम से परिषद आदेश पत्रांक–मु0अभि0 (पंजी0–नि0–1168–भाग–4)/2023–217 दिनांक 29.05.2023 के क्रम में मण्डी परिषद में पंजीकृत एवं वित्तीय रूप से सुदृढ फर्म/ठेकेदारों से दिनांक 13.08.2025 को अपरान्ह 3:00 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आनलाइन निविदा https://etender.up.nic.in पर दिनांक 30.07.2025 की पूर्वान्ह 10.00 बजे से दिनांक 13.08.2025 की अपरान्ह 3.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। प्राप्त निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 13.08.2025 को अपरान्ह 3.30 बजे खोली जायेंगी। तकनीकी बिड उपयुक्त पाये जाने के फलस्वरूप वित्तीय बिड खोली जायेगी। तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने हेतु निर्धारित तिथि को सार्वजनिक अवकाश पड़ जाने की स्थिति में तकनीकी एवं वित्तीय बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी:–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	निविदा का मूल्य (जी0एस0टी सहित रू0 में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य की अनुमानित लागत जी0एस0टी0 लेबर सेस रहित (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेणी
1	मण्डी परिषद आवासीय कालोनी विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ में निर्मित अतिथि गृह में 03 नग टायलेट की मरम्मत, क्लब भवन की मरम्मत/ रंगाई–पुताई एवं अतिथि गृह के पीछे सीवर लाईन को मेनहोल से जोड़ने आदि का कार्य। 2025_RKUMP_1060821_1	800.00 + 144.00 944.00	0.39	3.87	03 माह	'द'

नियम एवं शर्ते–

1. शासनादेश सं0–415/78–2–2018–42 आई0टी0/2014 7/टी0सी0–49 दिनांकः– 22.06.2018 के क्रम में निविदा शुल्क (नान रिफन्डेबल) उप निदेशक (नि0) मु0–अनु0, मण्डी परिषद लखनऊ के भारतीय स्टेट बैंक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ उ0प्र0–226010 में संचालित खाता संख्याः–30394523799 तथा धरोहर धनराशि खाता संख्याः–30394523937 आई0एफ0एस0 कोड– SBIN0050643 में आर0टी0जी0एस0/ एन0ई0एफ0टी0 के माध्यम से आनलाइन जमा कराकर जमा रसीद (प्रमाण) ई–निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य हैं।
2. फर्म/ठेकेदार द्वारा धरोहर धनराशि एवं निविदा मूल्य की धनराशि आनलाइन जमा रसीद ई–निविदा के साथ अपलोड किया जाना अनिवार्य है।
3. नवीनतम चरित्र प्रमाण पत्र (टी–4), नवीनतम हैसियत प्रमाण पत्र (टी–5) एवं शपथ पत्र (टी–6) पर स्वप्रमाणित पासपोर्ट साइज फोटो तथा मण्डी परिषद विभाग में पंजीकृत/नवीनीकरण होने का साक्ष्य ई–निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य है।
4. ऐसे निविदादाता जिनका अपराधिक रिकार्ड है वह टेण्डर प्रक्रिया में भागीदारी नहीं कर सकेंगे।
5. निविदा के साथ रू0 100.00 का स्टाम्प पेपर रू0 1.00 का रसीदी टिकट लगाकर हस्ताक्षर सहित अपलोड करना अनिवार्य होगा।
6. जी0एस0टी0 का भुगतान एवं आयकर की कटौती नियमानुसार चालू देयकों से की जायेगी।
7. निविदा मूल्य नान रिफण्डेबुल है।

नोटः समस्त नियम व शर्ते ई–निविदा वेबसाइड https://etender.up.nic.in पर देखी व पढ़ी जा सकती है।

उपनिदेशक (निर्माण)

शंकर कनौजिया बने भाजपा पश्चिम मंडल-4 के मंडल महामंत्री

अमृत विचार, लखनऊः भारतीय जनता पार्टी के लखनऊ महानगर के पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मंडल संख्या-4 की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। इस कार्यकारिणी में शंकर कनौजिया को मंडल महामंत्री के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शंकर कनौजिया इससे पहले भी संगठन में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं और संगठनात्मक अनुभव रखते हैं।

महावतार नरसिम्हा को टैक्स फ्री करने की मांग

अमृत विचार, लखनऊः भगवा रक्षा युवा वाहिनी ने महावतार नरसिम्हा मूवी को प्रदेश में टैक्स फ्री करने की मांग की है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यम त्रिपाठी ने कहा कि इस मूवी में सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और ऐतिहासिक तथ्यों को रोचक और बाल-सुलभ रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म एनीमेटेड रूप में बनाई गई है, जिससे बच्चे भी इसे रुचि और उत्साह के साथ देख रहे हैं। यह मूवी न केवल हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ती है, बल्कि आज की पीढ़ी को अपने धर्म और इतिहास की महत्ता से भी अवगत कराती है। इस मूवी को उत्तर प्रदेश में टैक्स फ्री घोषित किया जाए जिससे अधिक से अधिक लोग प्रेरित होकर इसे देखने सिनेमा घरों तक पहुंचें।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं. 06 वर्ष 2025–26

अधोलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं:– **कार्यों का विवरणः 1.** भोजीपुरा–कासगंज खण्ड में TBR (121.300 Tkm) हेतु सिगनलिंग कार्य तथा इज्जतनगर मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं समपार फाटकों पर स्थापित सिगनलिंग उपकरणों की पॉवर सप्लाई की विश्वसनियता में सुधार। **अनुमानित लागत(रं):** ₹2,38,45,235.64; **बयाना राशि(रं):** ₹2,69,200/-; **कार्य समापन अवधिः** 9 माह; **कार्यों का विवरणः 2.** इज्जतनगर मंडल में आर.डी.एस.ओ. द्वारा जारी TAN 3006 Ver. 3.1 के आधार पर सिगनलिंग एवं दूरसंचार उपकरणों की अर्थिंग, बॉण्डिंग, सर्ज एवं लाइटनिंग प्रोटेक्शन सिस्टम की विश्वसनियता में सुधार। **अनुमानित लागत(रं):** ₹2,33,12,605.50; **बयाना राशि(रं):** ₹2,66,600/-; **कार्य समापन अवधिः** 6 माह; **कार्यों का विवरणः 3.** इज्जतनगर मंडल में मथुरा जं.–कासगंज खण्ड में स्टेण्डबाई मास्टर टेलीफोन, ओ.एफ.सी. मीडिया इन्टरफेस का उन्नयन तथा विभिन्न स्टेशनों पर पोटा हट के स्थान पर सिगनल एवं दूरसंचार सर्विस बिल्डिंग का प्रावधान और विभिन्न ब्लॉक खण्डों में कंट्रोल, इमरजेन्सी एवं समपार फाटक कम्युनिकेशन की विश्वसनियता में सुधार। **अनुमानित लागत(रं):** ₹4,82,04,485.02; **बयाना राशि(रं):** ₹3,91,000/-; **कार्य समापन अवधिः** 9 माह; **ई–निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** दिनांक 19.08.2025 को 11:00 बजे। • पूर्ण विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए।

वरि. मंडल सिगनल व दूर संचार इंजीनियर, मुजाधि/सिग्नल–35 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय आदर्श नगर पंचायत रामनगर, बाराबंकी

पत्रांकः 923 / रा0वि/न0पं0 रा0 /नि0सू0 / 2025 दिनांक : 29 जुलाई, 2025

मेनुवल निविदा सूचना

पंचायत रामनगर बाराबंकी के द्वारा स्वायत्त निकाय / पब्लिक सेक्टर विभाग / राज्य सरकार / केन्द्र सरकार / अन्य सरकारी विभाग में सक्षम श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत / पात्र निविदादाता से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर निकाय निधि / राज्य वित्त आयोग मद में प्राप्त धनराशि से निम्नलिखित विवरण के अनुसार वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर आनलाइन के माध्यम से ई – निविदा आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा को वेबसाइट www.etender.up.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्य सम्पादन के समय शासनादेश संख्या–1319 /नौ – 9 – 21 – 45ज / 21 नगर विकास अनुभाग–9, लखनऊ दिनांक 30 जून, 2021 में उल्लिखित नियम व शर्तो का अनुपालन प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाना आवश्यक होगा। कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् है–

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) मय जी0एस0टी0	बिड सिक्योरिटी (इ0एम0डी0) (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य जीएस. टी. सहित	योजना का नाम	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित
1	वार्ड घमेड़ी – 4 में रामनगर–सआदतगंज मार्ग पर बंजर भूमि (1780) पर अतिक्रमण से मुक्त करायी गयी भूमि पर दुकानों का निर्माण कार्य ।	42.21	8442.0+ 33768. 0=4.2 2100	4300+774 =5074	निकाय निधि / राज्य वित्त आयोग मद	120 दिन
2	वार्ड धमेड़ी के अनतर्गत खसरा नं0–1419 में स्थित अटल उद्यान पार्क/तालाब पर सौन्दर्यीकरण का कार्य।	32.66	65320+ 261280= 3.2 6600	3300+594 =3894		

1. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि – 30 जुलाई, 2025
2. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि / समय – 21 अगस्त, 2025 को सांय 12:00 बजे तक।
3. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय 21 अगस्त, 2025 को अपरान्ह् 04:00 बजे ।

का0 लिपिक नगर पंचायत रामनगर, बाराबंकी

अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत रामनगर, बाराबंकी

अध्यक्ष नगर पंचायत रामनगर, बाराबंकी

कार्यक्षेत्र में बदलाव

अमृत विचार, लखनऊ : कमिश्नरेट लखनऊ में मंगलवार को तीन एसीपी के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। एसीपी कानून एवं व्यवस्था सुजीत दुबे को एसीपी मलिहाबाद की जिम्मेदारी दी गयी है। वहां के एसीपी विनीत सिंह को कानून एवं व्यवस्था बनाया गया है। साथ ही एसीपी अभिनव यादव को एसीपी ट्रैफिक के पद पर भेजा गया है।

युवकों ने किया स्टंट

अमृत विचार, गोसाईगंज : सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में स्थित इकाना स्टेडियम के बाहर सड़क पर चलती अर्टिगा कार के दरवाजे खोलकर युवकों के स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने जांच शुरु कर दी है।

किसान को डंडे से पीटा

अमृत विचार, निगोहां : थाना क्षेत्र के मंगटैया गांव में निवासी दुर्गपाल रविवार को जानवरों को चराकर खेत से वापस अपने घर लौट रहे थे। रास्ते में पहले से मौजूद रामचंद्र, रवि, सचिन व हर्ष सिंह ने रोका और गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से पीट दिया।

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

www.amritvichar.com

लखनऊ, बुधवार, 30 जुलाई 2025

सुविचार

नुकसान से निपटने में सबसे जरूरी चीज है उससे मिलने वाले सबक को न भूलना। वो सही मायने में आपको विजेता बनाता है।

-स्वामी दयानंद सरस्वती

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- मुख्यमंत्री का भतीजा बनकर ठगे 1.80 करोड़ -02
- नागपंचमी पर पिलाया सांपों को दूध, पीटी गुड़िया -03
- एकेटीयू में बीटेक के लिए सीट अलॉटमेंट आज से -04

शहर में आज

- उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी की ओर से नाटक बेगम का मंचन संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में सायं 6:30 बजे।
- गोमती नगर के विकल्प खंड-2 स्थित छोटे पार्क (चितवन पार्क 3) में मातृ शक्ति की ओर से सावन एवं हरियाली तीज उत्सव का आयोजन सायं 4:00 बजे।
- गोस्वामी तुलसीदास, परशुराम चतुर्वेदी, मुंशी प्रेमचन्द और चन्द्रधर शर्मा गुलेरी स्मृति समारोह उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के प्रेमचन्द सभागार में पूर्वाह्न 11:00 बजे।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर निकाली जागरुकता रैली

प्राणि उद्यान में हुए विभिन्न कार्यक्रम, बाघ एक्सप्रेस रेस्क्यू वाहन को भी किया गया रवाना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान के सारस प्रेक्षागृह में अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना और विशिष्ट अतिथि राज्यमंत्री केपी मलिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। लखनऊ पब्लिक स्कूल, आनंद नगर के 100 छात्र-छात्राओं द्वारा बाघ संरक्षण जागरुकता रैली निकाली गई जिसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके साथ ही बाघ एक्सप्रेस रेस्क्यू वाहन को भी रवाना किया गया। नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रदर्शनी, लघु फिल्म प्रदर्शन और पुस्तक विमोचन जैसे कई गतिविधियां हुईं।

बाघ संरक्षण जागरुकता रैली निकालते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

बाघों की रहस्यमयी दुनिया पुस्तक का विमोचन करते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (टाइगर प्रोजेक्ट) ललित कुमार वर्मा ने बताया कि भारत ने सेन्ट पीटर्सबर्ग में तय बाघों की संख्या दोगुनी करने का लक्ष्य सबसे पहले पूरा किया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) अनुराधा वेमुरी ने बाघ को पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। प्रमुख सचिव अनिल कुमार ने बताया कि प्रदेश में लगभग 3600 बाघ हैं और बाघों की संख्या में वृद्धि वन क्षेत्र की स्थिति को दर्शाती है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व की लघु फिल्म व बाघों की रहस्यमयी दुनिया पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने मानव-बाघ सह अस्तित्व थीम पर जोर देते हुए एआई के प्रयोग और बफर जोन की रक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। बाघ मित्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन निदेशक अदिति शर्मा द्वारा किया गया।

15 अगस्त से तेजी पकड़ेगी डेंगू के खिलाफ लड़ाई

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनियां जैसी घातक बीमारियों से खिलाफ लड़ाई 15 अगस्त से तेजी पकड़ेगी। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर निगम वेक्टरजनित बीमारियों से बचाव के लिए फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव कराएगा। साथ ही सभी 110 वार्डों में नगर निगम की घरों से कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों के माध्यम से लोगों को डेंगू से बचाव के प्रति जागरूक भी करेगा।

150 हैंड हैंडलिंग मशीनों से वार्डों की संकरी गलियों में फॉगिंग कराई जाएगी। इसके अलावा 220 एंटी लार्वा मशीनों से छिड़काव कराया जाएगा, जिससे डेंगू का लार्वा पनप न सके।

150 हैंड हैंडलिंग मशीनों से कराई जाएगी फॉगिंग

220 एंटी लार्वा मशीनों से किया जाएगा छिड़काव

जलनिकासी के साथ नालियों व खाली भूखंडों की कराई जाएगी सफाई

बारिश थमने के बाद जलजमाव वाले इलाकों में डेंगू और मलेरिया आदि बीमारियां फैलने का खतरा सबसे अधिक रहता है। इसे देखते हुए नगर निगम जलभराव वाले इलाकों में अभियान चलाकर जलनिकासी कराएगा। यही नहीं खाली भूखंडों और नालियों की सफाई भी कराई जाएगी। इसके लिए नगर निगम सफाईकर्मियों को लगाएगा। तालाबों में डेंगू के लार्वा न पनपें इसके लिए ड्रोन के माध्यम से दवाई का छिड़काव कराएगा।

सिटी ब्रीफ

आईआरसीटीसी थाईलैंड की कराएगा सैर

अमृत विचार, लखनऊ : आईआरसीटीसी ने 29 अगस्त से 3 सितंबर तक का थाईलैंड का टूर पैकेज लॉन्च किया है। इसमें पटाया और बैंकॉक की यात्रा कराई जाएगी। एयर एशिया की डायरेक्ट फ्लाइट से यात्रा, चार सितारा होटल में ठहराव, भारतीय भोजन, ट्रैवल इंश्योरेंस, गाइड सुविधा मिलेगी। एक व्यक्ति के लिए 73300, दो व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर पैकेज का मूल्य प्रति व्यक्ति 62800, माता-पिता के साथ ठहरने पर प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य 59300 रुपये है।

हरदोई रोड पर 10 दिनों में शुरू हो जाएगा यातायात

अमृत विचार, लखनऊ : जिलाधिकारी विशाख जी ने मंगलवार को एनएचएआई की निर्माणाधीन परियोजना लखनऊ हरदोई रोड को 4 लेन बनाने के कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। परियोजना अधिकारी ने बताया लगभग 98 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो गया है। जिलाधिकारी ने किसान पथ अंडरपास काकोरी रोड से निरीक्षण की शुरुआत की और सड़क के दोनों ओर यातायात 10 दिनों में प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

खुले ट्रांसफार्मर पर लगाई जाए जाली

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बिजली के करंट से लगातार बढ़ रही मौतों पर चिंता व्यक्त करते हुए अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल व्यापारियों के साथ प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मिले। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी बिजली के खुले ट्रांसफार्मर की घेराबंदी की जाए। ऑनलाइन व्यापार के लिए भी उत्तर प्रदेश में अलग से नीति बने ताकि प्रदेश का खुदरा व्यापार बचा रहे। इस दौरान लखनऊ महानगर के अध्यक्ष सुरेश छाबलानी युवा इकाई के प्रदेश महामंत्री आकाश गौतम, राजीव बंसल, अनिल उपाध्याय, संजय निधि अग्रवाल शामिल रहे।

बारिश का रेड अलर्ट

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ के कई इलाकों में मंगलवार को तेज बारिश हुई। वहीं, करीब 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवाएं भी चली। रात में भी तेज बरसात हुई थी। रात से ही मौसम ठंडा बना हुआ है। मौसम विभाग ने लखनऊ में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। लखनऊ व आसपास के क्षेत्रों में अगले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मानसून के कारण भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।

चार डिब्बे छोड़ कर रवाना हो गई ट्रेन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: चंडीगढ़ एक्सप्रेस का इंजन यात्रियों से भरी चार बोगियां छोड़ कर शेष डिब्बों को लेकर चला गया। यह देख कर यात्रियों में में हड़कंप मच गया। वह अधिकारियों को फोन करने लगे और एक्स पर पोस्ट करने लगे। जानकारी होने पर रेलवे प्रशासन हरकत में आया और सूचना पर ट्रेन ड्राइवर कुछ देर बाद जब इंजन और शेष डिब्बों को लेकर लौटा तो यात्रियों को राहत मिली।

लखनऊ से चंडीगढ़ के बीच चलने वाली चंडीगढ़ एक्सप्रेस प्लेटफार्म नंबर तीन पर रात 9:45 बजे पहुंची। कुछ यात्री अपने डिब्बों में सवार हो गए। कुछ ही देर बाद इंजन आगे की 16 बोगियों को लेकर चला गया। चार डिब्बे प्लेटफार्म पर ही खड़ी रह गईं। जबकि ट्रेन के छूटने का समय (10.35) नहीं हुआ था। इसी बीच चंडीगढ़ एक्सप्रेस के अन्य यात्री भी वहां पहुंचे। उन्हें पता चला कि ट्रेन अभी-अभी यहां से गई है तो उनमें हलचल मच गई। उन्होंने रेल अधिकारियों को फोन करना शुरू कर दिया। कई यात्रियों ने चार डिब्बों का वीडियो बना कर रेल मंत्रालय से लेकर डीआरएम को एक्स पर पोस्ट कर दिया। अधिकारियों को मामले की जानकारी मिली तो वे हरकत में आएं लगभग 10.50 बजे इंजन सभी बोगियों को लेकर लौटा तब यात्रियों ने राहत की सांस ली। उसके बाद ट्रेन 11.05 पर चंडीगढ़ के लिए रवाना हो गई। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच कराई जा रही है यह चूक कैसे हुई।

कल 62 ट्रेनों का संचालन रहेगा बाधित

अमृत विचार, लखनऊ : चारबाग रेलवे स्टेशन पर कॉन्कोर्स की नींव के लिए ट्रैफिक ब्लॉक लिया गया है। इसके चलते 31 जुलाई से अलग-अलग तारीखों में 62 ट्रेनों का संचालन बाधित रहेगा। सात ट्रेनें चारबाग की जगह ट्रांसपोर्टनगर, ऐशबाग के रास्ते चलाई जाएंगी। 42 ट्रेनें बदले हुए प्लेटफॉर्म पर आएंगी। कई उतरेटिया तक आएंगी और जाएंगी। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के सीनियर डीसीएम कुलदीप ने बताया कि चारबाग स्टेशन पर कॉन्कोर्स की नींव के लिए प्लेटफॉर्म नंबर दो, तीन व चार की ट्रेनों को बदले हुए प्लेटफॉर्मों से संचालित किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि 14208 दिल्ली मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़ एक्सप्रेस 31 जुलाई से 24 सितंबर तक एवं 15120 देहरादून बनारस एक्सप्रेस तथा 15128 नई दिल्ली बनारस एक्सप्रेस पहली अगस्त से 25 सितंबर तक आलमनगर-ट्रांसपोर्टनगर-उतरेटिया के रास्ते चलाई जाएंगी।

- सूचना पर ड्राइवर ट्रेन को लेकर वापस लौटा

नगर आयुक्त को जोन 7 में जगह-जगह मिली गंदगी

एलएसए कंपनी पर पांच लाख, कार्यदायी संस्था पर 10 हजार रुपये लगाया जुर्माना

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मंगलवार को जोन 7 के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण करके सफाई और डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था देखी। निरीक्षण के दौरान उन्हें जगह-जगह गंदगी मिली। जिस पर नगर आयुक्त ने कूड़ा उठान में लापरवाही बरतने पर लखनऊ स्वच्छता अभियान (एलएसए) पर 5 लाख रुपये और गंदगी पाये जाने पर कार्यदाई संस्था संतोष सिंह पर 10 हजार रुपये जुर्माना लगाया। जोनल सेनेटरी ऑफिसर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

नगर आयुक्त को लवकुश नगर में पड़ाव घर के पास निरीक्षण में कूड़ा जमा मिला। आम्रपाली मार्केट चौराहे के पास कुछ स्थानों पर सड़क पर गंदगी थी। इस्माइलगंज चौकी के पास कूड़ा जमा पाया। स्थानीय निवासियों ने नगर आयुक्त से डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन में एलएसए कंपनी द्वारा लापरवाही की शिकायत की। नगर आयुक्त ने कर्मचारियों की उपस्थिति के सत्यापन के लिए मस्टर रोल चेक किया। सुषमा हॉस्पिटल से हाईकोर्ट होकर कमता चौराहे के निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त को सर्विस लेन में सफाई संतोषजनक नहीं मिली। सुरेंद्र नगर के निवासियों ने एलएसए द्वारा समय पर कूड़ा न उठाने की शिकायत की। सिल्वर लाइन अपार्टमेंट के पास सड़क पर कुछ स्थानों पर कूड़ा मिला।

निरीक्षण की सूचना पर अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, जोनल सेनेटरी ऑफिसर देवेंद्र कुमार वर्मा तथा एलएसए के जोनल अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते नगर आयुक्त गौरव कुमार।

- जोनल सेनेटरी ऑफिसर को कारण बताओ नोटिस

तीन ग्राम पंचायतों का परिसीमन, मांगी आपत्ति

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : वर्ष 2021 में नगर निगम में सम्मलित हुईं मलिहाबाद की तीन ग्राम पंचायतों का परिसीमन कर दिया गया है। 2 अगस्त तक आपत्तियां दर्ज की जाएंगी। परिसीमन सूचना पट्ट पर चस्पा की गई है।

जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि मलिहाबाद की ग्राम पंचायत मुजासा, सरावां व फिरोजपुर का परिसीमन किया गया है। तीनों ग्राम पंचायत पूर्ण रूप से नगर निगम में जाने से जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत व ग्राम पंचायतों के वार्ड कम हो गए हैं। परिसीमन ग्राम पंचायत और ब्लॉक कार्यालय पर सूचना पट्ट में चस्पा किया है। 29 जलाई से आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लोग 2 अगस्त तक दर्ज करा सकते हैं। आपत्तियों का निस्तारण 3 से 5 अगस्त तक किया जाएगा। जबकि 6 से 10 अगस्त तक अंतिम सूची का प्रकाशन करेंगे। जिले में अब 491 ग्राम पंचायत रह गई हैं।

- 2 अगस्त तक दर्ज की जाएंगी आपत्तियां

कल तक करें लंबित प्रकरणों का निस्तारण

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : जिलाधिकारी विशाख जी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक हुई। जिसमें निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का 31 जुलाई तक निस्तारण करने के संबंधित विभागों को निर्देश दिए। अमौसी सरोजनीनगर क्षेत्र में साफ-सफाई तथा सड़क, नाली आदि कार्यों पर निर्देश के बाद भी कार्रवाई न किये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता यूपीसीडा के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही के लिए सीईओ यूपीसीडा को पत्र भेजने के निर्देश दिए। औद्योगिक क्षेत्रों में साफ-सफाई व कूड़ा प्रबंधन न किये जाने के लिए आरओ पीसीबी को उनके स्तर से अधिशासी अभियंता यूपीसीडा के नाम से नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, एडीएम सिटी, उपायुक्त उद्योग, अपर नगर आयुक्त, अधिशासी अभियंता विद्युत, एलडीए, नगर निगम तथा उद्योग से संबंधित अन्य विभागों के प्रतिनिधि एवं विभिन्न औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक में जिलाधिकारी विशाख जी। अमृत विचार

- डीएम ने जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की बैठक में दिए निर्देश
- यूपीसीडा के अधिशासी अभियंता के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही के लिए भेजा जाएगा पत्र

बसंतकुंज सेक्टर-ए का निर्माण शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने हरदोई रोड स्थित छंदोय्या गांव में अर्जित जमीन पर बसंतकुंज योजना का सेक्टर-ए विकसित करने को कदम बढ़ा दिए हैं। मंगलवार को दल-बल के साथ अधिकारियों ने सीमांकन करके आबादी क्षेत्र अलग किया और सड़क निर्माण की शुरुआत की।

लखनऊ विकास प्राधिकरण व राजस्व की टीम ने पुलिस फोर्स के साथ छंदोय्या गांव में बसंतकुंज योजना के सेक्टर-ए की अर्जित भूमि की नापजोख करके आबादी क्षेत्र अलग किया। ग्रामीण की मांग और शर्तों के मुताबिक सड़क से 9-12 मीटर जगह छोड़कर मार्किंग की। इससे ग्रामीणों के मकान ध्वस्तीकरण की जद में नहीं आएंगे। किसानों की सहमति पर चिह्नित की गई भूमि पर सबसे पहले मशीनें लगाकर सड़क निर्माण शुरू किया गया। हालांकि किसानों ने फिर से अफसरों से बढ़ा हुआ मुआवजा मांगा। उन्हें कोर्ट या सक्षम स्तर से निर्देश मिलने का हवाला दिया गया। एलडीए सेक्टर-ए विकसित करके सबसे पहले 272 भूखंडों पर आवंटियों को कब्जा देगा। इसकी बराबर मांग की जा रही है। इसके अलावा प्रस्तावित अन्य योजनाएं विकसित की जाएंगी।

- एलडीए ने फोर्स के साथ छंदोय्या में किया सीमांकन
- आबादी को अलग करते हुए लगाए गए निशान

नागरिक सुविधा दिवस | आवंटी ने भरणी अपार्टमेंट की गुणवत्ता बताई खराब, नहीं लिया कब्जा

70 लाख में खरीदा फ्लैट, हिल रहे टाइल्स वह भी एक रंग के नहीं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में मंगलवार को नागरिक सुविधा दिवस की अध्यक्षता मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने की। उनसे सनी अरोड़ा नाम के व्यक्ति मिले। उन्होंने बताया कि एलडीए पर विश्वास करके 70 लाख रुपये लोन लेकर पत्नी शिखा के नाम कानपुर रोड योजना के भरणी अपार्टमेंट में थ्री-बीएचके का फ्लैट खरीदा। 3 जुलाई 2025 को रजिस्ट्री कराने के बाद वह फ्लैट पर पहुंचे तो कमरों पर पैच करके अलग-अलग रंग के टाइल्स लगे मिले। जो चलने पर हिलते और आवाज करते हैं।

सनी अरोड़ा

फ्लैट के खिड़की-दरवाजे घटिया और उनकी चौखटें फटी हैं। दीवारों पर सीलन है तो पुताई में घटिया पेंट लगाया गया है। बिजली का सामान भी घटिया किस्म का लगा है। फ्लैट की फिनिशिंग करके देने का वादा किया था। इन कमियों के चलते ही उन्होंने फ्लैट पर कब्जा नहीं लिया है और कर्जदार होकर किराये पर रहे हैं। आज कुल 93 प्रार्थना पत्र प्राप्त में 17 का मौके निस्तारण किया गया। सुनवाई में उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार, नगर आयुक्त गौरव कुमार आदि अधिकारी रहे।

- फ्लैट में सीलन, टूटी चौखटें बिजली का सामान भी घटिया क्वालिटी का

272 भूखंडों का आश्वासन पाकर लौटे आवंटी

बसंतकुंज योजना के सेक्टर-ए में 272 भूखंडों पर अब तक कब्जा न मिलने की शिकायत मंडलायुक्त से फिर की गई। दिल्ली, बहराइच, सीतापुर, लखनऊ, उन्नाव, उरई आदि शहरों से आए आवंटी ने बताया कि एलडीए किसानों से जमीन नहीं ले पाया है। पंकज कुमार और सिधो हेम्बोरम ने बताया कि बैंक से लोन लेकर भूखंड खरीदे थे। बराबर ब्याज दे रहे हैं। बैंकों ने नोटिस तक दे दिए है। मंडलायुक्त ने कहा है कि टीम ने कब्जा लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

फ्लैट खरीदने से पहले मिट्टी से ढके टाइल्स।

खरीदने के बाद अलग रंग के टाइल्स।

चबूतरों का दोबारा किया आवेदन

केस 1 भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले सीतापुर रोड योजना से प्रभावित किसान एलडीए पहुंचे। बताया कि चबूतरे पा चुके किसानों ने दोबारा से आवेदन किया हैं। इनका सत्यापन एलडीए ने नहीं किया है। वहीं, सलीम ने बताया कि मड़ियांव में उन्हें समायोजन में जमीन मिली थी। जिस पर किसानों का कब्जा है।

सीएम से की शिकायत अवैध निर्माण नहीं टूटा

केस 2 डॉ. यश श्रीधर ने बताया कि पेपर मिल कॉलोनी में उनकी भांजी प्रिया शर्मा का सिंगल स्टोरी मकान है। उसके खिड़की-दरवाजों से सटाकर पड़ोसी ने सेटबैक डालते हुए चारों तरफ से अवैध निर्माण कर लिया। इससे हवा व धूप पूरी तरह से बंद हो गई। 1 जनवरी को 2024 को मुख्यमंत्री से शिकायत की थी।

शिकायतकर्ता का निर्माण सील

केस 4 रोली ने बताया एलडीए से जानकीपुरम में रीसेल चबूतरा खरीदकर दुकान निर्माण किया तो पड़ोसी अस्पताल प्रशासन ने अपनी दीवार पर ऊपर टीनशेड डाल लिए। एलडीए में शिकायत की तो मिलीभगत से 25 जुलाई को उनका निर्माण सील कर दिया। वहीं, सृष्टि अपार्टमेंट की सड़क व ग्रीन बेल्ट बेचने की आवंटी विवेक शर्मा ने दोबारा शिकायत की।

शंकरपुर पीड़ितों को नहीं मिले आवास

केस 3 नागरिक सुविधा दिवस में शंकरपुर बस्ती से पीड़ित परिवारों ने डूडा के आवास मांगे। जयकिशन, विनोद कुमार, शारदा गौतम, शुभम, मुरालीलाल आदि ने बताया कि 30 अगस्त 2024 को सीतापुर रोड योजना के चबूतरे आवंटन करने के लिए उनके मकान तोड़े गए थे। एलडीए ने 543 परिवारों की सूची डूडा आवास दिलाने के लिए बनाई थी, नहीं मिले।

कमिश्नर से मिले व्यापारी, कहा- रामनगर कॉलोनी के भूखंडों से कब्जे हटवाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नागरिक सुविधा दिवस पर व्यापारी हरीश चंद्र अग्रवाल के साथ कई कारोबारी मंडलायुक्त से मिले। बताया कि रामनगर में वर्ष 2003-2004 में 80 भूखंड आवंटित किए गए थे। इन भूखंडों पर भू-माफिया प्रकाश यादव व उसके साथियों ने कब्जा करके झुग्गी-झोपड़ियां बनवाकर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों को बसा दिया। इससे मूल आवंटी वंचित रह गए।

17 जून 2025 को एलडीए ने कब्जा हटाने के लिए मुनादी कराई थी। लेकिन, निर्धारित समय बीतने के बाद भी भूखंड कब्जामुक्त नहीं कराए गए। इस क्रम में मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कालोनी का सर्वे कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कहा कि अगर जांच में कब्जे की पुष्टि होती है तो तत्काल प्रभाव से अभियान चलाकर झुग्गी-झोपड़ी हटाकर भूखंड कब्जामुक्त करवाएं।

कई अन्य व्यापारी और आवंटी विवेक तिवारी, दीनानाथ गुप्ता, मिताली अग्रवाल, रुपेश गुप्ता आदि ने कब्जों की शिकायत दर्ज कराई है। बता दें कि रामनगर एलडीए कालोनी के कई बड़े हिस्सों में बाहरी लोग धीरे-धीरे कर बसते जा रहे हैं। भवनों और मार्गों पर लोग कब्जा कर भवन सामग्री बेच रहे हैं। कब्जे कालोनी से हटाए जाएं।

मंडलायुक्त से रामनगर कॉलोनी में कब्जे की शिकायत करते व्यापारी हरीश चंद्र अग्रवाल।

- मंडलायुक्त ने सर्वे कराकर कार्रवाई के दिए निर्देश

सिटी ब्रीफ

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

अमृत विचार, काकोरी : दुबग्गा स्थित पीरनगर छोटी कॉलोनी में मंगलवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दुबग्गा इंस्पेक्टर अभिनव कुमार वर्मा के मुताबिक मूल रूप से जनपद आगरा के एत्माद्दौला सादरा चुंगी मेवाती मोहल्ला निवासी सलीम पीरनगर छोटी कॉलोनी में रहते हैं। सलीम ने बताया कि पत्नी नसीम जहां (40) वर्ष लंबे समय से बीमार चल रही थी। मंगलवार को बीमारी के चलते उनकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह साफ हो सकेगी।

रिटायर्ड आईपीएस को दी गई श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : 1965 बैच के आईपीएस अधिकारी केएल गुप्ता का निधन 23 जुलाई को हो गया था। लखनऊ को पुलिस मुख्यालय में एक शोक सभा का आयोजन कर श्रद्धांजलि दी गई। डीजीपी राजीव कृष्ण समेत कई पुलिस अधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। अधिकारियों ने बताया कि केएल गुप्ता को पहली नियुक्ति मेरठ के सहायक पुलिस अधीक्षक पद पर मिली थी। इसके बाद वह बलिया, बस्ती, कानपुर देहात के एसपी, वाराणसी के एसएसपी रहे। फिर सीबीसीआईडी, सतर्कता मुख्यालय, अभिसूचना मुख्यालय में तैनात रहे।

महिला के घर पर दबंगों ने किया पथराव

अमृत विचार, आशियाना : थाना क्षेत्र के किला मोहम्मदी नगर में मुन्नी देवी के घर पर एक दर्जन से अधिक असलहों से लैस दबंगों ने हमला कर दिया। पथराव और बवाल करने के बाद हमलावर फरार हो गए। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। आशियाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मुन्नी देवी की शिकायत पर राजन लोधी, आरिफ खान, उज्ज्वल कन्नौजिया, बाबू, पुष्पेंद्र ठाकुर, रंजीत कन्नौजिया समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

शिक्षक के मकान से लाखों के जेवर चोरी

अमृत विचार, काकोरी : पारा स्थित पश्चिम विहार कॉलोनी में चोरों ने आजमगढ़ में तैनात शिक्षक रामआसरे दुबे के बंद मकान पर धावा बोला। चोर ताला तोड़कर लाखों के जेवर, नकदी और सीसी कैमरे का डीवीआर भी ले गए। वहीं, काकोरी के गदाई खेड़ा गांव में ग्रामीण विश्वनाथ, गीता और राजकुमार के घर से जेवर व नकदी चोरी कर ली। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

शुक्रवार से बिना रजिस्ट्रेशन नहीं चलेंगे ई-रिक्शा, ऑटो व टेंपो

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

वेबसाइट और योजना के बारे में जानकारी देते जेसीपी कानून-व्यवस्था बबलू कुमार, डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

● कमिश्नरेट के प्रोजेक्ट सेफ राइड की मंगलवार को हुई शुरूआत

अमृत विचार : राजधानी में अपराधिक प्रवृत्ति के ई-रिक्शा, ऑटो व टेंपो चालकों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस कमिश्नरेट ने प्रोजेक्ट सेफ राइड की शुरुआत मंगलवार को की। इसके लिए वेबसाइट http://lucknowpolice.up.gov.in/erickshaw को लॉन्च किया गया। इस पर ई-रिक्शा और आटो-टेंपो चालक, मालिक और गाड़ी का रजिस्ट्रेशन 31 अगस्त तक कराना होगा। 1 सितंबर शुक्रवार से बिना रजिस्ट्रेशन वाले सवारी वाहन को चलने नहीं दिया जाएगा।

जेसीपी कानून एवं व्यवस्था बबलू कुमार ने बताया कि रजिस्ट्रेशन के बाद चालकों को एक स्लिप और डीसी बेस क्यूआर कोड जारी किया जाएगा। स्लिप और क्यूआर कोड चालकों को वाहन की स्क्रीन पर चस्पा करना होगा। सवारी जब सफर के लिए वाहन पर बैठे तो क्यूआर कोड को स्कैन कर लें। स्कैन करते ही चालक और मालिक का नाम, पता, मोबाइल नंबर और गाड़ी नंबर समेत पूरी जानकारी सवारी के पास आ जाएगी। जिसे वह परिजन को भी भेज सकती है। यह व्यवस्था अपराधिक प्रवृत्ति के चालकों द्वारा बीते दिनों की गई लूटपाट, महिलाओं के साथ दुष्कर्म और तमाम तरह के अपराधों पर लगाम कसने के लिए की जा रही है। रजिस्ट्रेशन के बाद शहर में चलने वाले आटो-टेंपो और ई-रिक्शा चालकों का सारा डेटा बेस पुलिस के पास तैयार हो जाएगा।

डीसीपी अपराध कमलेश दीक्षित के मुताबिक चालकों को परिवहन विभाग द्वारा जारी की गई स्काई ब्लू ड्रेस कोड में रहना होगा। साथ ही अगर वाहनों के मालिक अपने चालक को बदल रहे हैं अथवा दो शिफ्ट में वाहन चलाने के लिए दो चालकों को रखा है तो उनका भी सत्यापन कराना होगा।

दिशा - निर्देश

- वाहन का रजिस्ट्रेशन के लिए http://lucknowpolice.up.gov.in/erickshaw/ वेबसाइट पर क्लिक करें।
- रजिस्ट्रेशन करते समय वाहन स्वामी को वैध रजिस्ट्रेशन नंबर, ड्राइविंग लाइसेंस एवं फिटनेस सर्टिफिकेट भी अपलोड करना होगा।
- वाहन स्वामी और चालक को डिटेल एवं फोटो अपलोड करना होगी।
- वाहन को दो व्यक्ति चला रहे है तो रजिस्ट्रेशन के दौरान दोनों व्यक्तियों अथवा बदलने पर उसकी भी जानकारी देनी होगी।
- वाहन स्वामी तथा वाहन चालक का चरित्र प्रमाण पत्र भी अपलोड करना होगा। बिना चरित्र प्रमाणपत्र के नॉट वेरीफाइड प्रदर्शित करेगा।
- रजिस्ट्रेशन के उपरान्त दी गयी जानकारी को पुलिस द्वारा सत्यापन किया जायेगा तथा सभी दस्तावेज सही पाये जाने पर वाहन स्वामी को एसएमएस के माध्यम से सूचना दी जायेगी।
- 1 सितंबर से जिन वाहनों पर क्यूआर कोड नहीं चिपका होगा उनके विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।
- जिन वाहनों का सत्यापन नहीं होगा, उन्हें शहर में चलाने की अनुमति नहीं होगी।

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शव रखकर घंटों प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● भाजपा विधायक व अफसरों के आश्वासन पर शांत हुए परिजन

अमृत विचार : बीबीडी इलाके में जमीन कब्जे का आरोप लगाकर वीडियो बनाकर आत्महत्या करने वाले अभय सिंह (25) के मामले में मंगलवार को परिजन ने पैतृक गांव बीकेटी में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर घंटों हंगामा किया। परिजन ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही गिरफ्तारी न होने तक शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया।

सूचना मिलते ही भाजपा विधायक योगेश कुमार शुक्ला, एसीपी अमोल मुर्कुट और तहसीलदार शरद सिंह पहुंचे। परिजन को हर संभव मदद और नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन देकर शांत कराया।

बीकेटी के मामपुर बाना गांव निवासी अभय ने रविवार को बीबीडी इलाके में पेड़ में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। खुदकुशी से पहले उसने मोबाइल पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया था। अभय ने पड़ोसी गांव बाजूपुर के रहने वाले जितेंद्र और बीकेटी के सत्येंद्र उर्फ गोली पर जमीन का बैनामा कराकर हड़पने का आरोप लगाया था। परिजन ने बताया कि जब अभय ने सत्येंद्र और जितेंद्र से रुपयों की मांग की तो वे उसे धमकाने लगे थे। इसी से त्रस्त होकर अभय ने आत्महत्या की है। बीबीडी इंस्पेक्टर राम सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री का भतीजा बनकर कारोबारी से ठगे 1.8 करोड़

एडीसीपी पूर्वी के आदेश पर चिनहट कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : कारोबार के लिए जमीन दिलाने का झांसा देकर सीआरपीएफ में तैनात रिश्तेदार व सहकर्मी के ससुर ने व्यवसायी से 1.80 करोड़ रुपये ऐंठ लिए। रुपये वापस मांगने पर आरोपियों ने धमकाया। एडीसीपी पूर्वी पंकज सिंह के आदेश पर चिनहट पुलिस ने दो नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रायबरेली के गदागंज स्थित धमधमा निवासी शिवसागर का ईंट व ऑटो पार्ट्स का कारोबार है। 15 नवंबर 2023 को जम्मू कश्मीर में तैनात सीआरपीएफ हवलदार बृजेश कुमार ने सहकर्मी के ससुर उपेंद्र सिंह का नंबर दिया। बताया कि उपेंद्र सीएम के भतीजे हैं। वे जमीन दिला देंगे। उपेंद्र ने उन्हें सफेदाबाद रेलवे स्टेशन बाराबंकी के पीछे भट्ठे के पास जमीन दिखायी। पसंद आने पर जमीन का सौदा 2 करोड़ में तय हुआ। 2024 में आरोपियों ने उनकी मुलाकात एक व्यक्ति से करायी और उसे जमीन मालिक बताया। जिसके बाद पीड़ित ने चेक व नकद से 1.80 करोड़ रुपये दिए। रुपये लेने के बाद भी आरोपी एग्रीमेंट के नाम पर टालमटोल करते रहे।

● सीआरपीएफ में तैनात रिश्तेदार व सहकर्मी के ससुर ने प्लॉट दिलाने का दिया था झांसा

● सफेदाबाद में विवादित जमीन का सौदा कर लिए रुपये, फिर धमकाया

शक होने पर पीड़ित ने छानबीन की तो पता चला कि उक्त जमीन पूर्व में कई लोगों को बेची गयी है। पीड़ित ने बृजेश से संपर्क किया तो उसने छुट्टी लेकर आने की बात कही। । चिनहट पुलिस ने उपेंद्र सिंह निवासी ग्राम सरियावा पूरा कलंदर अयोध्या, बृजेश कुमार निवासी ग्राम खोदायपुर गदागंज रायबरेली व तीन अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

रिटायर्ड सैन्यकर्मी समेत दो से 14 लाख की ठगी

अमृत विचार, लखनऊ : रियल एस्टेट कंपनी एसीएमई इंफ्रा वेंचर ने एनएच 24 पर आवासीय योजना में प्लॉट देने का झांसा देकर रिटायर्ड सैन्यकर्मी समेत दो से 14 .20 लाख रुपये ऐंठ लिए। बैनामा न होने पर पीड़ितों ने रुपये वापस मांगे तो आरोपी निदेशक ने धमकाया। एसओ अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। रायबरेली रोड स्थित न्यू डिफेंस कॉलोनी रिटायर्ड सैन्यकर्मी विनोद सिंह ने बताया कि वर्ष 2014 में एसीएमई इंफ्रा वेंचर के निदेशक राहुल श्रीवास्तव ने कंपनी की एक आवासीय योजना में प्लॉट दिलाने की बात कही। ठगी से अंजान विनोद ने 1800 स्क्वायर फीट का प्लॉट बुक कराया था। पीड़ित ने 2016 तक कई किस्तों में 7 .20 लाख रुपये राहुल को दिए। वर्ष 2018 तक बैनामा न हो सका। वहीं, वाराणसी निवासी पिंटू कुमार वर्मा ने भी वर्ष 2016 में मोहनलालगंज के ग्राम सिर्स में प्लॉट बुक कर करीब 7 लाख रुपये राहुल को दिए थे। इसके बाद भी न पीड़ित को प्लॉट मिला और न रुपये वापस हुए।

डंपर ने बाइक सवार स्टेशन मास्टर को मारी टक्कर, मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : हसनगंज के अजगैन-मोहान मार्ग स्थित फरहदपुर गांव में सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार स्टेशन मास्टर कुलदीप यादव (32) को टक्कर मार दी। कुलदीप की बाइक डंपर में फंसकर 20 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल कुलदीप को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं डंपर चालक की तलाश में पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

कुलदीप यादव (फाइल फोटो)

● छह माह पहले मिली थी स्टेशन मास्टर की नौकरी, डंपर चालक की तलाश में जुटी पुलिस

काकोरी के बुधड़िया निवासी बीडीसी रज्जन यादव ने बताया कि सोमवार रात अजगैन स्टेशन पर कर्मचारी कम होने के कारण बाइक से ड्यूटी पर जा रहे थे। अजगैन-मोहान मार्ग फरहदपुर गांव के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार मौरंग लदे डंपर ने टक्कर मार दी। टक्कर में हेलमेट टूट कर दूर गिर गया और वह बाइक से 20 मीटर तक घिसटते हुए चले गए। इस दौरान उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पिता रज्जन ने बताया कि कुलदीप डीआरएम आफिस में ग्रुप डी प्वाइट्स मैन पद पर तैनात था। अभी छह महीने पहले डिपार्टमेंटल की परीक्षा पास कर स्टेशन मास्टर बना था। मृतक का शव पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचा। जहां गांव में ही शव का अंतिम संस्कार किया गया।

दो ट्रकों की टक्कर में एक की मौत, दो घायल

अमृत विचार, लखनऊ : देवा रोड स्थित किसान पथ के पास मंगलवार सुबह दो ट्रक आपस में टकरा गये। हादसे में तीन लोग ट्रक के अंदर फंस गये। एफएसओ हजरतगंज राम कुमार रावत के मुताबिक मंगलवार सुबह करीब 4 .40 बजे सूचना मिली कि किसान पथ सोहरा देवा रोड ओवरब्रिज के पास दो ट्रक आपस में भिड़ गए हैं। ट्रक के अंदर से शाहजहांपुर निवाजपुर निवासी चालक महिपाल सिंह, रोजा मिल के शैलेंद्र सिंह को बाहर निकाला गया। दोनों को तत्काल अस्पताल भेजा। वहीं निवाजपुर निवासी चालक संदीप सिंह पहिये के नीचे आ गया था। उसे अस्पताल पहुंचाया गया तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तीनों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। वे शाहजहांपुर से लखनऊ आ रहे हैं। वहीं, ट्रक मालिक उस्मान ने बताया कि ट्रक मुरादाबाद से रांची परचून का सामान लेकर जा रहा था।

समीक्षा अधिकारी बनकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : सचिवालय में तैनात समीक्षा अधिकारी बनकर ठगी करने वाले जालसाज चंदौली के अलीनगर निवासी शुभम सोनकर उर्फ कल्लू को एसटीएफ ने गाजीपुर स्थित पॉलीटेक्निक चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सीएम पोर्टल पर आयी शिकायतों के निस्तारण व इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी के नाम पर ठगी करता था। आरोपी के पास से मोबाइल, सात एटीएम कार्ड, एक आधार कार्ड, सचिवालय का फर्जी परिचय पत्र, इंडिगो एयरलाइंस का परिचय पत्र, इंडिगो एयरलाइंस के फॉर्म और रुपये बरामद हुए हैं। आरोपित के पास से सचिवालय का फर्जी परिचय पत्र भी बरामद हुआ है।

1.12 करोड़ हड़पने वाले दो गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : अनुसूचित जाति के बेरोजगार युवकों के हक पर डाका डालने वाले दो आरोपियों को आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने वित्तीय वर्ष 2011-12 से 2015-16 तक जनपद गोरखपुर के अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के लिए जारी की गई 1,12,40,000 रुपये की धनराशि हड़प ली थी। इस मामले में 2018 में गोरखपुर के कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था। मामले की जांच ईओडब्ल्यू कर रही थी।

ईओडब्ल्यू के अधिकारी के मुताबिक पकड़े गये आरोपियों में बर्खास्त डाककर्मी शैलेंद्र कुमार और परशुराम शामिल है। टीम ने शैलेंद्र कुमार को बिहार के पटना और परशुराम को गोरखपुर से गिरफ्तार किया है। अधिकारी के मुताबिक आरोपियों के साथ सात लोगों ने मिलकर सहकारी ग्राम विकास बैंक लि. शाखा बांसगांव के माध्यम से फर्जी लाभार्थियों की सूची तैयार की। उनके आवेदन पत्र तैयार कर कुल 85 चेक के जरिये 1,12,40,000 का भुगतान करा लिया। जारी कराये गये 85 चेक में सिर्फ दो चेकों के माध्यम से 20 हजार रुपये सही लाभार्थियों को प्रदान किया गया।

बेतियाहाता और सिविल लाइन डाकघर से कराया कैश : विकास बैंक लि बांसगांव के नाम से जारी चेकों को बेतियाहाता और सिविल लाइन डाकघर से आरोपियों ने 1,12,20,000 रुपये का भुगतान कराया। जानकारी होने पर विभागीय जांच कराई गई। मामला सही पाये जाने पर 21 जून 2018 को कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। छह माह बाद मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सुपुर्द कर दी गई।

स्वरोजगार योजना

ईओडब्ल्यू की हिरासत में दोनों आरोपी।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं अपने पुत्र शाहनशाह तथा पुत्रवधू रेशमा को गलत चाल चलन और मारपीट की धमकी के कारण अपनी समस्त चल अचल संपत्तियों से बेदखल करता हूं। भविष्य में इन दोनो के द्वारा किए गए किसी भी कृत्य से मेरा तथा मेरे परिवार का कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा। **मो. जहीरुद्दीन पुत्र मो. सिद्दीक ग्राम विशुनपुर टनटनवा, परगना व तहसील तुलसीपुर जिला बलरामपुर**

सूचना

मैने अपना नाम KULDEEP KUMAR से बदलकर KULDEEP K SAXENA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MAHESH KUMAR ADD-FLAT NO-102 GHANSHYAM PALACE MUNSHIPULIYA SECTOR-16 INDIRA NAGAR DIST-LUCKNOW-226016 (U.P)

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD ISMAIL से बदलकर MOHD ISRAIL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MAKBOOL ADD-BAHARPUR RANIGANJ DIST-AMETHI-227405 (U.P)

सूचना

मैने अपना नाम ANAVAR ALAM से बदलकर ANVAR ALAM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-KALIM ADD-MOHALLA SHEKHNA KASBA ICHAULI DIST-BARABANKI-225415 (U.P)

सूचना

मेरी पुत्री का नाम सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों में अनवी तिवारी अंकित है। लेकिन आधार कार्ड में पुत्री का नाम तान्या गलत दर्ज हो गया है। भविष्य में तान्या को अनवी तिवारी के नाम से जाना व समझा जाए। **आरती देवी निवासी हरतौली पोस्ट नौगवां तहसील, बिधूना, औरैया**

सूचना

सूचित हो कि मैं **कमाल पुत्र खालिद खान निवासी ग्राम अहिरोरी तहसील व जिला हरदोई** का हूँ। मेरे पुत्र महफूज व पुत्रवधू नगमा पुत्री आफाक का चाल–चलन एवं व्यवहार घरवालों के प्रति खराब हो गया है। गलत लोगों की संगत में पड़ कर उनका आचरण खराब हो गया है एवं उनके आचरण मेरे व घर वालों के प्रति सही नही है। उनके इन आचरणों से दुखी व तंग आकर पुत्र महफूज व पुत्रवधू नगमा, पुत्री आफाक को अपनी चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है उनके द्वारा किये गये कार्यो से मेरा व मेरे घरवालों से कोई वास्ता सरोकार नहीं रहेगा। वो स्वयं जिम्मेदार होगें।

सूचना

मैं Arun Pandey पुत्र श्री राम करन पाण्डेय, स्थायी निवासी– W/20, मानस नगर, अलीनगर सुनहरा, संत सांई पब्लिक स्कूल के पास, लखनऊ, उ0प्र0–226023, का हूँ, मेरी पुत्री Sakshi Pandey के सभी शैक्षिक दस्तावेजों (हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट एवं स्नातक आदि) में मेरा नाम Arun Kumar Pandey अंकित है। जबकि मेरे आधार कार्ड एवं पैनकार्ड में नाम Arun Pandey दर्ज है। यहकि उक्त दोनों नाम Arun Kumar Pandey एवं Arun Pandey एक ही व्यक्ति है, जोकि मेरे ही नाम है। भविष्य में मुझे Arun Pandey नाम से जाना व पहचाना जाये तथा पुत्री Sakshi Pandey के सभी सरकारी एवं शैक्षणिक अभिलेखों में पिता का नाम Arun Pandey माना जाय। जोकि वास्तविक एवं सत्य है।

सूचना

मैं फखरुद्दीन सय्यद पुत्र मोहम्मद इसाक निवासी ग्राम मसौनी भारतपुर थाना कालिंजर जिला बांदा का मूल निवासी हूं। मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम फखरुद्दीन है जो कि अपूर्ण है। जबकि मेरा वास्तविक सही नाम फखरुद्दीन सय्यद है इसलिए मेरा नाम फखरुद्दीन सय्यद किया जाए। **फखरुद्दीन सय्यद पुत्र मोहम्मद इसाक निवासी मसौनी भारतपुर थाना कालिंजर जिला बांदा उत्तर प्रदेश**

NOTICE

please be Informed that my daughter Parnika Agarwal is a student of Fatima Senior Secondary School Gonda of class 11 D. Due to an error in the school record,the name of the student's mother is recorded as Shikha Agarwal, which is wrong . The correct name is Shikha Agrawal . Parnika agarwal daughter of Shikha Agrawal(mother) Abhay Agarwal (Father) address - House no. 1072 ,awas vikas colony ,near lic office ,Gonda U.P. 271002

संदिग्ध परिस्थितियों में दरोगा की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● शव को ले जाने को लेकर हुआ हंगामा, पुलिस ने कराया शांत

अमृत विचार : गुडंबा के आदिलनगर इलाके में उपनिरीक्षक (दरोगा) संजय कुमार पाठक (54) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मंगलवार को पोस्टमार्टम हाउस पर शव ले जाने को लेकर दोनों पत्नियों और परिवार के बीच मारपीट शुरू हो गयी। पुलिस ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को शांत कराया।

मूल रूप से जौनपुर के मछली शहर निवासी उपनिरीक्षक संजय कुमार पाठक उरई जिले की कोतवाली नगर में तैनात थे। वह आदिलनगर में दूसरी पत्नी आराधना के साथ रहते थे। संजय ने आराधना से वर्ष 2016 में शादी की थी। आराधना से उनके दो बेटे अभिनव व अरनव हैं। वहीं, पहली पत्नी चंद्रकुमारी पाठक तीन बेटी और बेटे आशीष के साथ मछली शहर जौनपुर में रहती है। इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सोमवार रात संजय की अचानक तबीयत बिगड़ी और उनकी मौत हो गई। संजय कुमार की मौत की खबर पाकर पहली पत्नी चंद्रकुमारी के परिवार के लोग भी मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए। पोस्टमार्टम के बाद संजय कुमार का शव ले जाने को लेकर दोनों पत्नियों व उनके परिवार के बीच विवाद हो गया। पुलिस ने किसी तरह मामले को शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने संजय कुमार के शव को उनके पिता दयाशंकर पाठक के सुपुर्द कर दिया। इंस्पेक्टर गुडंबा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

कर्नल की बेटी से छेड़छाड़, विरोध पर लूटी चेन

संवाददाता, पीजीआई

● पीजीआई थाने में पीड़िता ने दर्ज कराई नामजद रिपोर्ट

अमृत विचार : थाना क्षेत्र में रविवार देर रात कार सवार कर्नल की बेटी के साथ मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने अभद्रता की। विरोध करने पर गाली-गलौज कर तमंचा तानकर चेन लूट ली। युवती के शोर मचाने पर आरोपी बाइक छोड़कर भाग निकले। पीजीआई पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर तीनों नामजद आरोपियों को पकड़कर पूछताछ शुरू कर दी है

वृंदावन निवासी 33 वर्षीय युवती रविवार रात करीब 11:45 बजे सफारी कार से वृंदावन स्थित एपेक्स ट्रामा सेंटर के सामने से गुजर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार तीन युवक कार का पीछा करने लगे। यही नहीं बाइक बराबर में लाकर अश्लील इशारे करते हुए अभद्रता की। पीड़िता ने कार रोककर विरोध किया। इसपर एक आरोपी ने कार में हाथ डालकर उनकी टीशर्ट खींचने की कोशिश की। जबकि दूसरा आरोपी गाली-गलौज करता रहा। इसी बीच तीसरे आरोपी ने तमंचा तानकर उनकी चेन खींच ली।

पुलिस ने बाइक नंबर के आधार पर शुभम यादव, हिमांशु यादव और अमरेंद्र यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पीड़िता का बयान के लिए बुलाया गया है।

साधू के वेष में निजी फर्म मालिक की लूटी चेन व पर्स

अमृत विचार, लखनऊ : आलमबाग में साधुओं के वेष में उचक्कों ने कार सवार निजी फर्म मालिक को भभूत लगाने के लिए रोका। मौका मिलते ही बदमाश पर्स और चेन लूटकर फरार हो गए। इंस्पेक्टर आलमबाग सुभाष चंद्र सरोज ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। नई दिल्ली के शकरपुर निवासी रोहन कश्यप माइंड स्प्राउट केरियर नाम से ऑफिस चलाते हैं। उनकी एक शाखा सेक्टर– बी बरिगवां आलमबाग में है। रोहन मंगलवार दोपहर करीब 12 :30 बजे काम खत्म करके मुंशी पुलिया में रहने वाली मौसी के घर जा रहा था। जेल रोड चौराहा के पास पहुंचे थे तभी साधू के वेष में दो युवकों ने गाड़ी के आगे उन्हें रोक लिया। उचक्कों को दान देने के लिए रोहन ने जैसे ही खिड़की खोली, तभी एक व्यक्ति ने गले की चेन छीन ली और दूसरे ने पर्स में रखे 4500 रुपये छीने।

बेटे संग जा रही महिला की लूटी चेन

अमृत विचार, लखनऊ : शहर में बाइकर्स गैंग लगातार पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। पारा के देवपुर स्थित गायत्री नगर निवासी संतोष कुमार रविवार रात करीब 8 :30 बजे मां को मोटरसाइकिल से अवध चौराहे से पकरी पुल की तरफ ले जा रहा था। इसी बीच वीआईपी रोड स्थित निशान शोरूम के पास पीछे से आए मोटरसाइकिल सवार बदमाश ने झपट्टा मारकर संतोष की मां की चेन खींच ली। चीखने पर संतोष ने बाइक रोकी, लेकिन तब तक बदमाश फर्राटा भरते हुए भाग निकला। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

साइबर ठगों ने चार के खाते से उड़ाए 8 .5 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : साइबर जालसाजों ने महिला समेत चार के खातों से 8.50 लाख रुपये उड़ा लिए। साइबर ठगी के यह मामले गुडंबा, मड़ियांव, इंदिरानगर और चिनहट के हैं। पुलिस चारों मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है।

कल्याणपुर रिंग रोड निवासी नीतीश सिंह ने बताया कि जालसाज ने यूपीआई के माध्यम से उनके खाते से 5 लाख रुपये पार कर दिए। वहीं, सीतापुर रोड स्थित प्रियदर्शिनी कॉलोनी निवासी अनिल श्रीवास्तव की पत्नी विमलेश के खाते से 20 जुलाई को साइबर जालसाज ने क्लोन बनाकर 1.70 लाख रुपये गायब कर दिए। उधर, मूल रूप से सीतापुर स्थित महमूदाबाद निवासी पारुल श्रीवास्तव इंदिरानगर सेक्टर -10 में रहती हैं। उन्होंने बताया कि एक जालसाज ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर आठ बार में 1.10 लाख रुपये निकाल लिए। इसके अलावा चिनहट के गौरव विहार कॉलोनी निवासी विजय कुमार के खाते से जालसाज ने 70 हजार रुपये निकाल लिए।

फर्जी स्क्रीन शॉट दिखाकर 64 हजार के तार ले गए ठग

अमृत विचार, पीजीआई : थाना क्षेत्र के तेलीबाग स्थित इलेक्ट्रिकल्स दुकान पर पहुंचे महिला–पुरुष ने करीब 64 हजार रुपये का तार का बंडल खरीदा। उसके बाद फोन–पे पर भुगतान का फर्जी स्क्रीन शॉट दिखाकर फुर्र हो गए। आरोपियों की करतूत सीसी कैमरे में कैद हो गयी है। पीजीआई पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। तेलीबाग स्थित अनिल इलेक्ट्रिकल्स में शनिवार देर शाम पौने आठ बजे एक महिला और पुरुष ग्राहक बनकर पहुंचे। दुकान पर उस समय शॉप मालिक अनिल मौजूद नहीं थे। महिला–पुरुष ने दुकान पर मौजूद कर्मचारी से महंगे तार के बंडल मांगे और ऑनलाइन भुगतान करने को कहा। इसके बाद भुगतान होने का दावा करते हुए 64 हजार रुपये का फर्जी स्क्रीनशॉट भी दिखाया। जब तक कर्मचारी भुगतान की पुष्टि करता, उससे पहले दोनों तार का बंडल गाड़ी में रखकर फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस को फुटेज सौंपते हुए पीजीआई थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

संदिग्ध हालात में मुंबई जा रहा युवक लापता

अमृत विचार, लखनऊ : पुष्पक ट्रेन से मुंबई जाने के लिए पांच दिन पहले लखनऊ पहुंचे गोरखपुर के रायगंज निवासी नवीन यादव (50) संदिग्ध हालात में गायब हो गया। छानबीन में पता चला कि नवीन को चारबाग स्टेशन पर कुछ ऑटो चालकों से विवाद हुआ। ऑटो चालक ने नवीन को बंधक बनाकर पीटा था। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चला। भाई ने अनहोनी की आशंका जताते हुए नाका कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सर्विलांस व सीसी कैमरों की फुटेज की मदद से जांच शुरू कर दी है। रायगंज निवासी सचिन कुमार यादव ने बताया कि बड़ा भाई नवीन यादव को 24 जुलाई को पुष्पक एक्सप्रेस से मुंबई जाना था।

सिरफिरे से तंग आकर मेडिकल की छात्रा ने छोड़ा हॉस्टल

संवाददाता, पीजीआई

● आरोपी ने बनाया शादी का दबाव इंकार पर फेक तस्वीरें की वायरल

अमृत विचार : थाना क्षेत्र में मेडिकल छात्रा को इंस्टाग्राम पर युवक परेशान कर रहा है। शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर आरोपी ने पीड़िता की फोटो एडिट कर वायरल कर दी। बदनामी के चलते पीड़िता ने संस्थान का हॉस्टल भी छोड़ दिया। पीजीआई पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मूल रूप से रायबरेली मेडिकल छात्रा ने बताया कि वह इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो और स्टोरी पोस्ट करती थी। इसी दौरान दौलत कुमार उर्फ अनीश कुमार संपर्क कर फर्जी आईडी से उसे परेशान करने लगा। आरोप है कि आरोपी फोन पर शादी का दबाव बनाने लगा। इंकार करने पर पीड़िता की एडिट कर फोटो वायरल कर दी। साथ घरवालों को भी फोन कर परेशान करने लगा।

पीड़िता ने बताया कि शिकायत की बात कहने पर आरोपी ने परिवार की हत्या की धमकी दी। धमकी व बदनामी के चलते पीड़िता ने संस्थान का हॉस्टल भी छोड़ दिया। पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। साइबर सेल की मदद से जांच की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

कर्बला में महफूज हुआ इस्लाम : रजा

अमृत विचार, लखनऊ : निशातगंज स्थित रौजा-ए-हजरत कासिम में हुई मजलिस में मौलाना सैयद कशान रजा ने कहा कि इस्लाम गदीर में मुकम्मल हुआ और कर्बला में महफूज हुआ। आज जो इंसानी अधिकार सुरक्षित हैं वह कर्बला की कुर्बानी का नतीजा हैं। मजलिस से पहले पेशख़्वानी फैज रिजवी, साहिल रजा, सैयद लतीफ मेहदी ने की। मजलिस बाद अंजुमन दरबारे हुसैनी ने नौहाख्वानी व सीनाजनी की। हसनपुरिया स्थित इमामबाड़ा असगर हुसैन-कमर हुसैन में मर्सियाख्वानी की मजलिस को अली इमाम जैदी ने खिताब किया किया। सरफराजगंज स्थित रौजा-ए- मौला अली में मौलाना हैदर अब्बास ने मजलिस को खिताब किया। मौलाना ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन का मकसद दीने-ए-इस्लाम की हिफाजत, इंसानियत की बका और लोगों की हिदायत करना था।

चिकित्सकों के साक्षात्कार शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : चक गंजरिया स्थित कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में डॉक्टरों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करा दी गई है। करीब छह माह से भर्ती प्रक्रिया अटकी अटकी थी। मंगलवार से डॉक्टरों की नियमित पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार शुरू हो गए हैं। कैंसर संस्थान में करीब 25 डॉक्टर हैं। संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. आरके धीमन के समय 28 विभागों में डॉक्टरों के 96 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। देश भर से डॉक्टरों ने आवेदन किया। आवेदक के शैक्षिक दस्तावेजों की जांच भी हो गई थी। इसी दौरान नियमित निदेशक की भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई। इसकी वजह से डॉक्टरों की भर्ती प्रक्रिया ठप हो गई। नियमित निदेशक की तैनाती के करीब छह माह बाद डॉक्टरों की भर्ती के लिए साक्षात्कार शुरू किए गए हैं। प्रवक्ता डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि डॉक्टरों की भर्ती से मरीजों के इलाज का इंतजार कम होगा।

प्री पीएचडी कोसवर्क की कक्षाएं आज से

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग में शैक्षिक सत्र 2024-25 के नवप्रवेशित शोधार्थियों हेतु प्री पीएचडी कोसवर्क की कक्षाएं 30 जुलाई से ऑनलाइन मोड में प्रारंभ की जाएंगी। विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता शैक्षणिक कार्यालय द्वारा दिनांक 24 जुलाई को जारी पत्र के अनुसार इस कोर्स वर्क की टेंटेटिव समय-सारणी सभी संबंधित प्राध्यापकों को उपलब्ध करा दी गई है। विभागाध्यक्ष द्वारा समस्त प्राध्यापकगण से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित समय-सारणी के अनुसार कक्षाएं लेना सुनिश्चित करें, जिससे शोधार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक मार्गदर्शन प्राप्त हो सके।

ओआरएस इम्बैलेंस के लिए असरदार इलाज

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में वर्ल्ड ओआरएस डे के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमो और प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एनबी सिंह, चीफ मेडिकल ऑफिसर, डॉ. विनय कुमार सिंह, सुपरिटेंडेंट ऑफ़सीएचसी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. आरके सिंह, व प्रो. एके सिंह, संकायाध्यक्ष, अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय ने प्रतिभाग किया। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने बताया कि डायरिया जीवन को प्रभावित करता है इसलिए इसके कम्पोजीशन के बारे में जानकारी होना जीवन को बचाने के लिए बहुत आवश्यक है। डॉ. एनबी सिंह ने आभार व्यक्त करते हुए बताया की ओआरएस नाम इंडियन साइंटिस्ट दिलीप महालांबीस ने दिया।

नागपंचमी पर पिलाया सांपों को दूध, पीटी गई गुड़िया

शहर के प्रमुख मंदिरों में किए गए विशेष आयोजन, भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : श्रावण मास की नागपंचमी पर मंगलवार को धार्मिक उल्लास और परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। शहर भर के शिवालयों में श्रद्धालुओं ने सुबह से ही पूजा-अर्चना शुरू कर दी। नाग देवता को दूध चढ़ाकर उनका आशीर्वाद लिया गया। प्रमुख मंदिरों में विशेष आयोजन किए गए, जहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी।

मनकामेश्वर मंदिर में महंत देव्यागिरि ने पारंपरिक विधि से नाग देवता को दूध अर्पित किया और कन्याओं को भोज भी कराया। पूजन के बाद उन्हें दुपट्टा, छड़ी और मिठाई दी गई। इस अवसर पर किरन कपूर, ऊषा, पूजा ने सावन के गीत गाए और नृत्य किया। शाम को आरती के समय भगवान का नागों से श्रृंगार किया गया। श्री सिद्धनाथ मंदिर सहित कई अन्य शिवालयों में भी नाग पूजा की गई। भक्तों ने नाग देवता की प्रतिमाओं और चित्रों पर दूध, फूल, चावल और बेलपत्र चढ़ाए। धार्मिक कार्यक्रमों के साथ-साथ शहर के कई हिस्सों में पारंपरिक दंगल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। कुश्ती के मैदानों में पहलवानों ने अपने दांव-पेंच दिखाते हुए दर्शकों को रोमांचित किया। पुरानी परंपरा के अनुसार बच्चों ने 'गुड़िया पीटने' की रस्म भी निभाई, जिसमें लकड़ी की डंडियों से कपड़े की बनी गुड़िया को पीटकर बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीकात्मक संदेश दिया गया।

डालीगंज मे गुड़िया पीटते बच्चे। अमृत विचार

सांप को दूध पिलाती महिला। अमृत विचार

चिकित्सकों ने की उम्र सीमा बढ़ाने की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : सरकारी अस्पतालों में सेवानिवृत के बाद संविदा पर तैनात चिकित्सकों ने उम्र सीमा बढ़ाने की मांग की है। इस संबंध में चिकित्सकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को पत्र लिखा है। सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए सरकार ने अहम कदम उठाते हुए चिकित्सकों को संविदा पर रखने का फैसला किया था। करीब 1000 पदों का सृजन किया था। इसमें 500 एमबीबीएस व 500 विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हैं। मौजूदा समय में करीब 300 पदों पर ही चिकित्सकों की तैनाती है। बाकी पद खाली पड़े हैं। चिकित्सकों का कहना है कि सरकारी अस्पतालों में सेवानिवृत की उम्र 62 थी। जिसे बढ़ाकर 65 कर दी गई है। ऐसे में उनकी मांग है कि सेवानिवृत के बाद सरकारी अस्पतालों में सेवा देने को तैयार चिकित्सकों को 70 साल की उम्र तक रखा जाए। यह व्यवस्था 62 की उम्र में सेवानिवृत चिकित्सकों पर भी लागू किया जाए।

डॉक्टरों की लापरवाही से गई थी बच्चे की जान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गोमतीनगर के निजी अस्पताल में पैर के ऑपरेशन के बाद बच्चे की मौत होने का मामला
- जांच में मिले दोषी, लग सकती है प्रैक्टिस पर रोक

अमृत विचार : गोमतीनगर विस्तार स्थित एराईज हॉस्पिटल में बच्चे की मौत प्रकरण में दो डॉक्टर दोषी मिले है। अपर निदेशक मंडल की जांच में दोनों डॉक्टरों की लापरवाही मिलने पर कार्रवाई के लिए सीएमओ को पत्र लिखा गया है। इससे पहले सीएमओ की ओर से की गई जांच में अस्पताल को क्लीनचिट दी गई थी।

गोमतीनगर विस्तार सेक्टर छह निवासी मो. तौफीक का बेटा मो. रजा (5) सड़क हादसे में बीते साल दिसंबर में दाहिने पैर की हड्डी टूट गई थी। इलाज के लिए विनोद हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। अस्पताल में आर्थोपैडिक सर्जन न होने पर उसे डॉ. विनोद उसे एराईज अस्पताल ले गए थे। जहां ऑपरेशन बाद बच्चे की हालत बिगड़ गई थी। 26 दिसंबर को इलाज दौरान बच्चे की मौत हो गई थी।

पिता ने सीएमओ कार्यालय में शिकायत करने पर सीएमओ द्वारा गठित कमेटी ने अस्पताल संचालक को क्लीन चिट दे दी थी। पिता ने मामले की शिकायत एडी मंडल से की। एडी मंडल ने एराईज हॉस्पिटल से इलाज संबंधित रिकार्ड तलब किया था। एडी ने जांच दौरान पाया कि मरीज की हेड इंजरी को गंभीरता से नहीं लिया गया।

आर्थोपैडिक सर्जन डॉ. संतोष गुप्ता व एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. रितुज सोमवंशी के जरिये ऑपरेशन में हुई लापरवाही से बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। एडी ने सीएमओ को भेजी रिपोर्ट में दोनों डॉक्टरों को दोषी करार देते हुए कार्रवाई की संस्तुति की है।

वहीं अस्पताल संचालक अदनान के खिलाफ भी कार्रवाई को कहा है। सीएमओ डॉ. एनबी कहना है कि दोनों डॉक्टरों की प्रैक्टिस पर छह माह का प्रतिबंध लगवाने के लिए एनएमसी को पत्र भेजा जाएगा।

ललित अवस्थी और कपिल साहू बने कुश्ती चैंपियन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: नाग पंचमी पर मंगलवार को चौक के बाग महानारायण स्थित गोमती पहलवान अखाड़ा में पारम्परिक मिट्टी में कुश्ती करने वाले पहलवानों का जमावड़ा लगा। 56 वें गोमती अखाड़ा महोत्सव में तीन श्रेणियों में पहलवानों ने देशी दांव लगा कर एक दूसरे को चित्त किया।

पहलवानों ने कमर ढाक, चकरी, धोबी पाट और चपरास जैसे दांव का प्रयोग कर प्रतिद्वंद्वी को धूल चटाई। इस प्रतियोगिता में अखाड़े के उस्ताद पं. नागेश्वर अवस्थी, बलदेव राज चोपड़ा, गुरु ओमकार सिंह मास्टर साहब, बनारसी पहलवान, राम हेत मिश्रा नाम के 5 गुरुओं के नाम से पुरस्कार वितरित किये गये।

ओलिंपिक संघ के कोषाध्यक्ष और राष्ट्रीय खिलाड़ी सैयद रफत रिजवी ने पहलवानों को हाथ मिलवाकर दंगल की शुरुआत की। खिलाड़ी कन्हैया लाल का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम आयोजक और पार्षद अनुराग मिश्रा ने बताया कि सीनियर वर्ग में पहलवान ललित अवस्थी और हिमांशु कश्यप, सर्वेश कश्यप अपनी-अपनी फाइट जीत कर दंगल चैंपियन बने। जूनियर वर्ग में संस्कार मिश्रा, अमन कश्यप, आर्यन दांव मार कर चैंपियन बने। वहीं जूनियर वर्ग फ्री स्टाइल में कृष्ण मिश्रा, संस्कार मिश्रा विजेता बने और इन्हें 5-5 हजार रुपए का ओलंपिक संघ के महासचिव आनंदेश्वर पाण्डेय की तरफ से नगद पुरस्कार मिला।

फ्री स्टाइल वर्ग में कपिल साहू, डीपी सिंह पप्पू जीत हासिल कर चैंपियन बने। इन्हें 11-11 हजार रुपए का ओलंपिक संघ के महासचिव आनंदेश्वर पाण्डेय की तरफ से नगद पुरस्कार मिला। इस प्रतियोगिता में चैंपियन को 11-11 सौ रुपए और उप विजेताओं को 5-5 सौ रुपए का नगद पुरस्कार दिया गया।

इस दंगल में चौक, बालागंज, काकोरी, मड़ियांव समेत अन्य क्षेत्र के 62 पहलवानों ने हिस्सा लिया। दंगल में गोपाल साहू, एनके शर्मा, कमला शंकर अवस्थी, सुनीत कपूर, हिमांशु गर्ग, रितेश श्रीवास्तव, आलोक सिंघल, विकास शुक्ला, अंकुर दीक्षित, नीरज अवस्थी, अरुण वर्मा, ओम प्रकाश कश्यप, पवन निषाद, राजेश शुक्ला, श्याम नारायण तिवारी आदि मौजूद रहे। इस मौके पर सामाजिक समितियों, उस्तादों व वरिष्ठ खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

चौक के बाग महानारायण स्थित गोमती पहलवान अखाड़ा में कुश्ती करते पहलवान। अमृत विचार

गोमती पहलवान अखाड़े का 56वां महोत्सव

100 वर्षों से हो रहा दंगल

गूंगे नवाब पार्क अमीनाबाद अखाड़े के खलीफा पिंटू पहलवान ने बताया कि करीब 100 वर्ष से यहां पर नाग पंचमी के मौके पर दंगल होता है। सरसवां गांव में नागपंचमी के अवसर पर दंगल में पहलवानों ने ताल ठोक कर अपने प्रतिद्वन्दी को पटकनी दी। इस अखाड़े में गोरखपुर, बनारस कानपुर उन्नाव लखनऊ रायबरेली सहित कई अन्य जिलों से आये पहलवानों ने अखाड़े में दांव आजमाया। गोरखपुर जिले से आये पहलवान सौरभ ने उन्नाव से आये दिलीप, कानपुर से आये पंकज आदि जगहों से पहलवानों ने अपने प्रतिद्वन्दी पहलवान को पटकनी देकर कुश्ती में जीत दर्ज की। अखाड़े में विजेता पहलवानों को ठाकुर उदय सिंह चौहान ने नकद पुरस्कार दिया।

गणेशगंज में पहलवानों को दिया गया 21 हजार का ईनाम

गणेश गंज स्थित गिरधारी उस्ताद अखाड़े में कार्यक्रम की शुरुआत अखाड़े के संस्थापक गिरधारी उस्ताद और महंत गुरु राम प्रकाश पहलवान को पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। भारी वजन (85-95 किलोग्राम) वर्ग में सोम सुंदरम, अनुराग जैसवाल, संदीप जैन, आशुतोष सिंह, कमल किशोर और कुलदीप ने जीत हासिल की। 75-85 किलोग्राम वर्ग में कुलदीप ने बाजी मारी। किशोर वर्ग में अमर सिंह, अमित कुमार, सुमित और आशुतोष विजेता रहे। बच्चों की फ्रेंडली कुश्ती में परी सिंह, जाह्नवी गुप्ता, मुकेश सिंह, सुधीर शुक्ला, गौरव राज, अकरम अली, शुभम मिश्रा और आदित्य सोनकर ने हिस्सा लिया। संचालक देवाशीष पहलवान ने पहलवानों के विकास के लिए 21 हजार रुपए की इनामी राशि प्रदान की। आयोजन में सचिव अनिरुध कुमार, उपसचिव राम सेवक और गोगा पहलवान उपस्थित रहे। अमीनाबाद के छुटका पहलवान अखाड़ा की ओर से आयोजित दंगल में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पहुंचे।

खिसक गई थी रीढ़ की हड्डी, सफल ऑपरेशन कर दिया नया जीवन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

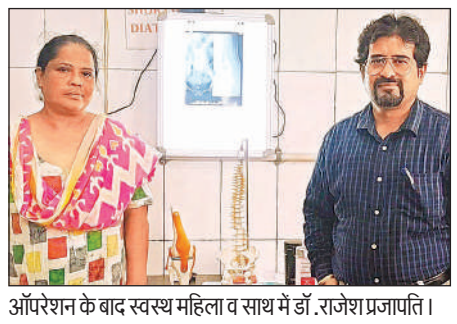

- ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय में महिला का निशुल्क ऑपरेशन हुआ
- करीब छह महीने से भीषण दर्द की चपेट में थी महिला

अमृत विचार : बलरामपुर अस्पताल की सफाई कर्मचारी रीना (45) की रीढ़ की हड्डी खिसक गई थी। नस का रास्ता भी बंद हो गया था। महिला करीब छह महीने से भीषण दर्द की चपेट में थी। ठाकुरगंज संयुक्त अस्पताल के सर्जन ने टीम के साथ ऑपरेशन कर हड्डी को जाम कर दिया गया है। ऑपरेशन के बाद महिला स्वस्थ है।

बलरामपुर अस्पताल की महिला कर्मचारी रीना को करीब छह माह से कमर से लेकर दोनों पैरों में असहनीय दर्द था। मरीज ने ठाकुरगंज संयुक्त चिकित्सालय की ओपीडी में सर्जन डॉ. राजेश प्रजापति को दिखाया। डॉ. राजेश ने एक्सरे और अन्य जांच करवाई। जांच में पता चला कि रीढ़ की हड्डी खिसक गई है। नस का रास्ता भी बंद हो चुका है, जिससे दूसरे अंग में खून की आपूर्ति की समस्या हो रही थी।

अस्पताल के सीएमएस डॉ. एसपी सिंह ने बताया सर्जन डॉ. राजेश ने पूरी टीम के साथ निशुल्क रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन किया। रीढ़ में स्क्रू और रॉड डाला गया। इससे खिसक रही हड्डी को जाम कर दिया गया। ऑपरेशन के बाद मरीज अब पूरी तरह से स्वस्थ हैं। अब उन्हें झुकने बैठने पर शरीर में दर्द की समस्या नहीं है। ऑपरेशन करने वाली टीम में डॉ. राजेश प्रजापति, डॉ. बिंदु, डॉ. शाहिद अंसारी आदि शामिल रहे। सीएमएस ने डॉ. राजेश प्रजापति के साथ ऑपरेशन में शामिल पूरी टीम को बधाई दी।

ऑपरेशन के बाद स्वस्थ महिला व साथ में डॉ.राजेश प्रजापति।

सिविल में कर्मचारियों ने निदेशक कार्यालय का किया घेराव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- निदेशक पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

अमृत विचार : हजरतगंज स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल (सिविल) में मंगलवार को कर्मचारी निदेशक के खिलाफ लामबंद हो गए। अधिक संख्या में पहुंचकर निदेशक कार्यालय का घेराव किया। कर्मचारियों का आरोप है कि निदेशक निरीक्षण की आड़ में बेवजह कमियां निकालकर उनका शोषण कर रही हैं। सीएमएस, एमएस समेत दूसरे अफसरों ने कर्मचारियों को समझाकर शांत कराया।

सिविल अस्पताल में हाल में निदेशक डॉ. कजली गुप्ता शासन स्तर से तैनात की गई हैं। अस्पताल की नर्सों, आउटसोर्स व स्थायी कर्मचारियों का आरोप है कि नवनियुक्त निदेशक आए दिन ओपीडी, वार्ड से लेकर ओटी आदि में निरीक्षण कर रही हैं। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करती हैं। उन्हें दंडित किए जाने का भय दिखाती हैं। कई दिन से परेशान सभी संवर्ग के कर्मचारी मंगलवार दोपहर ओपीडी बंद होने के बाद एकजुट होकर निदेशक कार्यालय के बाहर पहुंच गए। निदेशक के खिलाफ नारेबाजी हंगामा शुरू कर दिया। निदेशक का कहना है कि कर्मचारियों के आरोप बेबुनियाद हैं। कई कर्मचारी अपने तय घंटों के मुताबिक काम नहीं कर रहे हैं। सीएमएस डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि कर्मचारियों को समझाकर शांत कराया गया है। लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

क्लब के पदाधिकारी व अस्पताल की निदेशक सहित अन्य।

रोटरी क्लब ने लोकबंधु को दी मेमोग्राफी मशीन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ ट्रांसगोमती की ओर से अध्यक्ष रोटेरियन पूर्वी मित्तल के नेतृत्व में लोकबंधु संयुक्त चिकित्सालय को एक अत्याधुनिक आई-ब्रेस्ट स्क्रीनिंग मशीन (मेमोग्राफी मशीन) दान की गई है।

इस मशीन की कीमत करीब 8.5 लाख है। जिसे क्लब के सदस्यों के सहयोग से खरीदा गया। यह मशीन के जरिए महिलाओं में स्तन कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान करने में सहायक है। इस मौके पर आईएएस रश्मि सिंह, अस्पताल की निदेशक संगीता गुप्ता, क्लब के सचिव विनोद सिंह, कोषाध्यक्ष इला गम्भीर, कार्यकारी निदेशक सुधीर एस. हलवासिया, पूर्व अध्यक्ष पंकज मित्तल मौजूद रहे।

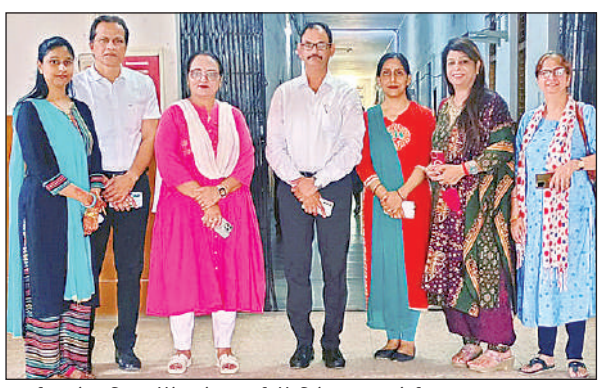

कार्यक्रम में शामिल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार मौर्य व अन्य।

राजकीय आयुर्वेद कॉलेज में मनाई गई महर्षि चरक जयंती

अमृत विचार, लखनऊ : नाग पंचमी के अवसर पर टूड़ियागंज स्थित राजकीय आयुर्वेद कॉलेज एवं अस्पताल में महर्षि चरक जयंती मनाई गई। इस मौके पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार मौर्य ने परिसर में बने सभागार का नामकरण महर्षि चरक सभागार रखा। उद्घाटन पर महर्षि चरक के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया गया। अस्पताल प्रभारी डॉ. धर्मेंद्र ने बताया कि चरक संहिता का पाठ पारायण छात्रों ने किया। प्राचार्य डॉ. दिनेश ने कहा कि महर्षि चरक द्वारा बताए हुए चिकित्सा सूत्र जो कि चरक संहिता में संकलित हैं। वह आज के युग में भी प्रासंगिक हैं, जिनका उपयोग कर स्वस्थ व्यक्ति अपने स्वास्थ्य को संरक्षित कर सकता है।

कार्यवाही

एडी मंडल ने स्वास्थ्य केंद्रों का किया वर्चुअल निरीक्षण, सीएमओ ने नोटिस जारी कर मांगा स्पष्टीकरण

नौ चिकित्सकों ने नहीं उठाई वीडियो कॉल, वेतन कटौती के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण लखनऊ मंडल के अपर निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने शहर की 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) व आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) का वर्चुअल निरीक्षण किया। निरीक्षण में 10 में से नौ पीएचसी के डॉक्टरों ने उनका वीडियो कॉल नहीं उठाया। इस पर वीडियो कॉल न उठाने वाले और सही जानकारी न देने वाले डॉक्टरों का एक दिन का वेतन काटने का निर्देश सीएमओ को दिया है।

सीएमओ की ओर से इन सभी डॉक्टरों को नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

अपर निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने 22 जुलाई को सुबह 11:15 बजे से वर्चुअल माध्यम से पारा, आजाद नगर, जुगौली, मवैया, जियामऊ, महानगर, नाका, वृंदावन, खदरा और दौलतगंज पीएचसी के अधीक्षकों को सामान्य कॉल और वीडियो कॉल किया। डॉ. गुप्ता ने इस वर्चुअल निरीक्षण का ब्योरा दर्ज किया। उसके बाद सीएमओ लखनऊ को 10 पीएचसी के निरीक्षण की रिपोर्ट भेजी। रिपोर्ट में कहा गया कि 10 में से महज दौलतगंज के अधीक्षक डॉ. प्रकाश राजपूत ने दोपहर 12:09 बजे कॉल रिसीव की। उसके बाद वीडियो कॉल के माध्यम से अस्पताल का निरीक्षण कराया। निरीक्षण के समय अस्पताल में स्टाफ नर्स, वार्ड आया मौजूद मिले, जबकि फार्मासिस्ट व वार्ड ब्वॉय दूसरे कार्यक्रम में ड्यूटी पर थे। अस्पताल में ईएलडी का प्रदर्शन नहीं किया गया।

अपर निदेशक ने सीएमओ डॉ. एनबी सिंह को पत्र भेजकर कहा गया कि वर्चुअल भ्रमण में जिन डॉक्टरों ने फोन पर रेस्पांस नहीं दिया, उन सभी को भ्रमण दिवस पर अनुपस्थित मानते हुए चेतावनी पत्र जारी कर स्पष्टीकरण प्राप्त करें और एक दिन का वेतन बाधित करने की कार्रवाई करके अवगत कराएं।

ठाकुरगंज के ऑक्सीजन अस्पताल की जांच सुस्त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- इलाज के दौरान बच्चे की हुई थी मौत, परिजनों ने लगाया था लापरवाही का आरोप

अमृत विचार : ठाकुरगंज के ऑक्सीजन हॉस्पिटल में इलाज दौरान बच्चे की मौत प्रकरण की जांच सुस्त हो गई है। एडी कार्यालय से मांगे गए इलाज से संबंधित दस्तावेज अस्पताल संचालक मुहैया नहीं करा सका। दो बार नोटिस देने के बावजूद दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराये जा रहे।

ठाकुरगंज के दूध मंडी स्थित जंगली पीर बाबा की मजार के पास रहने वाली सोमैया का बेटा जियान (3) को परिजनों ने बुखार व शरीर में दर्द होने की शिकायत पर बीते दिनों ऑक्सीजन हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। मृतक के मामा मोहम्मद रफी ने बताया कि उनका भांजा बेड से गिरने से उसके शरीर में दर्द था। अस्पताल में भर्ती के बाद राहत मिल गई थी। डॉक्टर ने 50 हजार रुपये का इंजेक्शन लगने की बात कही थी। बच्चे की मां सोमैया ने जेवर गिरवी रखकर रुपये का इंतजाम किया था। मामा मोहम्मद रफी का कहना है इंजेक्शन लगते ही बच्चे की हालत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई थी। एडी मंडल डॉ. जीपी गुप्ता भी मामले की जांच कर रहे हैं। एडी ने अस्पताल संचालक को फाइल समेत डॉक्टरों को बयान दर्ज कराने के लिए मंगलवार को कार्यालय बुलाया था।

अस्पताल संचालक जरिये दस्तावेज नहीं मुहैया कराए गए। एडी मंडल का कहना है नोटिस देने बाद भी दस्तावेज व बयान दर्ज कराने संचालक नहीं आया तो रिपोर्ट शासन को भेजकर अस्पताल बंद करने की संस्तुति होगी।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 30 जुलाई 2025

सिटी ब्रीफ

डॉ. अमरजीत को मिला आयुष महानिदेशक का प्रशस्ति पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव को महानिदेशक आयुष विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को सफलतापूर्वक आयोजित किये जाने हेतु आयुष विभाग द्वारा राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया था। इस समिति में डॉक्टर यादव को सदस्य नामित किया गया था। डॉक्टर यादव द्वारा उपरोक्त कार्यक्रमों के सफलता पूर्वक आयोजन में उल्लेखनीय भूमिका का निर्वहन किया गया था।

बीबीएयू में जल पुरुष डॉ. राजेन्द्र सिंह देंगे विशेष व्याख्यान

अमृत विचार, लखनऊ : बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया है। यह व्याख्यान प्रसिद्ध जल संरक्षण विशेषज्ञ और 'जल पुरुष' के नाम से विख्यात डॉ. राजेन्द्र सिंह द्वारा आज बुधवार को को अपराह्न 3 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में दिया जाएगा। इस व्याख्यान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन तथा सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरुकता फैलाना है।

नगर निगम के श्रमिकों की मजदूरी 422.85 रुपये करने की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ नगर महापालिका कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष ओम प्रकाश उप्रेती ने महापौर के कुशल नेतृत्व व कर्मचारी व अधिकारियों की अथक मेहनत व प्रयास से लखनऊ नगर निगम को स्वच्छता रैंकिंग में देश में तीसरा व प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई दी है। इस उपलब्धि के लिए सफाई संवर्ग के अथक मेहनत व प्रयास को सर्वोपरि माना है। संगठन ने महापौर को पत्र देकर नगर निगम के श्रमिकों की दैनिक मजदूरी 388 रुपये से बढ़ाकर 422 .85 रुपये करने का अनुरोध किया है। संगठन ने महापौर से 15 अगस्त के पावन पर्व पर यह घोषणा करने की मांग की है।

केजीएमयू में नैक की जानी तैयारियां

अमृत विचार, लखनऊ : केजीएमयू में नैक का तीन दिवसीय निरीक्षण 31 जुलाई से शुरू हो रहा है। जो दो अगस्त तक चलेगा। नैक की तैयारियों की समीक्षा के लिए मंगलवार शाम राज्यपाल के ओएसडी पंकज एल जानी ने केजीएमयू अधिकारियों के साथ बैठक की। तैयारियों के बारे में कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद से जानकारी हासिल की। कुलपति ने बताया कि डॉक्टर, कर्मचारियों से लेकर पार्किंग तक के इंतजामों को पुख्ता कर लिया गया है। सभी डॉक्टरों को उनकी जिम्मेदारी बता दी गई हैं। लगातार दिशा निर्देश भी जारी किए गए हैं। मालूम हो वर्ष 2023 में केजीएमयू को नैक ए प्लस ग्रेड मिला था। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने ग्रेड में सुधार के लिए दोबारा आवेदन किया है।

शौर्य रत्न सम्मान समारोह आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक विशेष 'शौर्य रत्न सम्मान' समारोह का आयोजन सहकारिता भवन में किया गया। कार्यक्रम में 1999 के कारगिल युद्ध में देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। समारोह में एमएलसी पवन सिंह चौहान ने कारगिल युद्ध के नायकों और उनके परिवारों को सम्मानित किया।

एकेटीयू में बीटेक के लिए सीट अलॉटमेंट आज से

कुलपति प्रो. जेपी पांडेय की अध्यक्षता में केंद्रीय प्रवेश समिति की बैठक में लिया गया निर्णय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में मंगलवार को कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय की अध्यक्षता में केंद्रीय प्रवेश समिति की बैठक हुई। बैठक में बीटेक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए सीट अलॉटमेंट का अनुमोदन दिया गया।

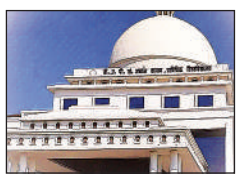

सीट अलॉटमेंट 30 जुलाई से किया जाएगा। करीब 42 हजार अभ्यर्थियों ने सीट लॉक किया है। इसके अलावा एमबीए एमसीए लैटरल एंट्री में प्रवेश के लिए पंजीकरण 5 अगस्त तक किया जा सकेगा। बैठक में प्रति कुलपति प्रो. राजीव कुमार, कार्यवाहक कुलसचिव केशव सिंह, प्रवेश समन्वयक प्रो. ओपी सिंह, प्रो. एसपी शुक्ला, डॉ. पुष्कर त्रिपाठी, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. आयुष श्रीवास्तव, अभिषेक नागर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बीबीएयू ने जारी किया काउंसलिंग शेड्यूल

अमृत विचार, लखनऊ : बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय द्वारा बीटेक पाठ्यक्रम (सत्र 2025-26) में जेईई के माध्यम से प्रवेश हेतु काउंसलिंग कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। विश्वविद्यालय के सीयूईटी के अंतर्गत संचालित पांचों विभागों में प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई है।

काउंसलिंग राउंड-I (ऑनलाइन मोड) जिसमें मेरिट सूची का प्रकाशन व फीस चालान जनरेशन 4 अगस्त, फीस जमा करने की अंतिम तिथि 6 अगस्त, पहले चरण के बाद रिक्त सीटों की जानकारी 6 अगस्त तक होगी। दूसरे राउंड में मेरिट सूची का प्रकाशन एवं दस्तावेज सत्यापन, चालान जनरेशन 7 अगस्त, फीस जमा करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त, दूसरे चरण के बाद रिक्त सीटों की जानकारी 11 अगस्त तक होगी। मूल दस्तावेजों का सत्यापन की तिथि जल्द घोषित की जाएगी। प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए कक्षाएं प्रारंभ होने की तिथि 10 सितंबर तय की गई है।

विषय सेमेस्टर के पंजीकरण की तिथि बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर, वार्षिक पंजीकरण की तिथि बढ़ाकर 8 अगस्त कर दी है। कुलचसिव डॉ. रोहित सिंह के अनुसार छात्र समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण अब 8 अगस्त तक कर सकते हैं। कुलचसिव डॉ. रोहित सिंह का कहना है कि समर्थ पोर्टल के जरिए आठ अगस्त तक ऑनलाइन पंजीकरण और अध्ययन शुल्क जमा कर सकेंगे। इसके पूर्व 27 जुलाई अंतिम तिथि तय की गई थी।

कला के माध्यम से व्यक्त किए शिक्षा के नवविचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार: बाबासाहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति की 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एनईपी सारथी टीम, बीबीएयू की ओर से पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने शिक्षा के नवविचार को कला के माध्यम से व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान एनईपी इंप्लीमेंटेशन कमेटी, बीबीएयू की चेयरपर्सन प्रो. संगीता सक्सेना व निर्णायक प्रो. डी.आर. मोदी और डॉ. मोनिका शर्मा उपस्थित रहीं।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति से संबंधित विभिन्न पहलुओं को अपनी कला के माध्यम से रचनात्मक रूप से प्रदर्शित किया।

छात्रों की पेंटिंग्स में शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशी शिक्षा, कौशल विकास, मातृभाषा में शिक्षा, डिजिटल शिक्षा और बहु-विषयक शिक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों की झलक देखने को मिली। एनईपी इम्प्लीमेंटेशन कमेटी, बीबीएयू की चेयरपर्सन प्रो. संगीता सक्सेना ने प्रतियोगिता की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली को नवाचार और समावेशिता की दिशा में अग्रसर करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

एस्कॉर्ट एलाउंस योजना दिव्यांग विद्यार्थियों को देगी मजबूती

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 13,991 बच्चों की पात्रता प्रेरणा और समर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप से होगी तय

अमृत विचार : शासन ने 2025-26 में परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों के कक्षा 8 तक के 13,991 गंभीर और बहु-दिव्यांग छात्र-छात्राओं को एस्कॉर्ट एलाउंस योजना के अंतर्गत रुपये 839.46 लाख की सहायता देने का फैसला लिया है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार एस्कॉर्ट एलाउंस की इस योजना के तहत दृष्टिहीन, बौद्धिक रूप से दिव्यांग, सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित और जेई/एईएस प्रभावित बच्चों को 600 रुपये प्रतिमाह की दर से 10 माह तक डीबीटी के माध्यम से सहायता दी जाएगी, ताकि वे नियमित रूप से स्कूल आ सकें। इस योजना की क्रियान्वयन में प्रेरणा पोर्टल और समर्थ पोर्टल की महत्वपूर्ण होगी, जहां पहले बच्चों की पात्रता की पुष्टि की जाएगी। 40 प्रतिशत या उससे अधिक की दिव्यांगता प्रमाणित करने वाले दस्तावेज अनिवार्य होंगे और विद्यालयों की नियमित उपस्थिति भी इस योजना की पात्रता की शर्त है।

संपूर्ण प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए विद्यालय से लेकर जिला स्तर तक हर स्तर पर जिम्मेदारी तय की गई हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक पात्र छात्र-छात्राओं को चिह्नित करेंगे, खंड शिक्षा अधिकारी उसे सत्यापित करेंगे और अंततः जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से अंतिम अनुमोदन होगा। इसके बाद पीएफएमएस पोर्टल के माध्यम से आधार सत्यापन और बैंक वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। वहीं पूरी योजना 30 सितंबर तक क्रियान्वित हो जाएगी।

दिव्यांग शिक्षकों की पसंद वाले विद्यालय में होगी तैनाती

अमृत विचार, लखनऊ : दिव्यांग, कैंसर से पीड़ित शिक्षक या उनके आश्रितों को उनके द्वारा मांगे गए विद्यालय में पदस्थ किया जाएगा।इसके लिए विशेष सचिव उमेश चंद्र ने शिक्षा निदेशक, माध्यमिक को निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही कहा है जिन शिक्षकों ने पारिवारिक या स्वास्थ्य कारणों से अपने पदस्थापन में बदलाव के लिए आवेदन किया है, उनकी मांगों पर विचार करते हुए प्रस्ताव शासन को भेजें। दिव्यांग, कैंसर से पीड़ित शिक्षक या उनके आश्रितों को उनके द्वारा मांगे गए विद्यालय में पदस्थ किया जाए।

साथी हाथ बढ़ाना रे...

हजरतगंज के अटल चौराहे पर स्कूली रिक्शे को धक्का लगाकर मंजिल की ओर बढ़ाते बच्चे। ● अमृत विचार

भातखंडे विवि : रामानंदाचार्य स्वामी का व्याख्यान आज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दीक्षारंभ की पूर्व संध्या पर होगा आयोजन

अमृत विचार : भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की ओर से दीक्षारम्भ की पूर्व संध्या पर आयोजित कार्यक्रम में जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी राम दिनेशाचार्य अपना आध्यात्मिक व्याख्यान देंगे।

विश्वविद्यालय दीक्षारम्भ कार्यक्रम दिवस की पूर्व संध्या पर राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में 30 जुलाई को दोपहर 3 बजे से अध्यात्मिक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन करेगा। जिसमें अयोध्या से आये जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी राम दिनेशाचार्य विश्वविद्यालय में नये और पूर्व शिक्षार्थियों के समक्ष अपना आध्यात्मिक व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। विश्वविद्यालय के शैक्षिक वार्षिक कैलेंडर के अनुसार दीक्षारम्भ का कार्यक्रम हर साल 31 जुलाई को किया जाता है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में नव प्रवेशित छात्र एवं छात्राओं को दीक्षित करने और यहां की संस्कृति और सभ्यताओं के बारे में परिचित कराना होता है।

लविवि : बुनियादी ढांचे की मजबूती पर कार्य करेंगी कुलपति

बनाए गए अतिरिक्त और सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- छात्र हित के साथ शैक्षिक उत्कृष्टता बनाए रखी जाएगी

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना शैक्षिक उत्कृष्टता को बनाए रखते हुए बुनियादी ढांचे के विकास पर कार्य करेंगी। इसके लिए उन्होंने कार्यसूची भी बनानी शुरू कर दी है। राजनीति शास्त्र की शिक्षक प्रो. खन्ना की दृष्टि निरंतरता और नवीनता के बीच संतुलन बनाए रखना है।

कुलपति की पहली प्राथमिकता में छात्रहित सर्वोपरि है। इसके लिए छात्र कल्याण संबंधित सभी गतिविधियों को जारी रखा जाएगा। छात्रों को तकनीक आधारित शिक्षा का पूरा लाभ मिले और वैश्विक शैक्षिक परिदृश्य के साथ छात्र-छात्राएं तालमेल बिठा सके, इसका प्रयास किया जाएगा। तात्कालिक रूप से कक्षाओं के वातावरण में सुधार, सुविधाओं का उन्नयन, साफ़-सुथरे और सुरक्षित छात्रावास सुनिश्चित करना और पुस्तकालयों का आधुनिकीकरण शामिल है।

छात्रों की मांग विश्वविद्यालय ने मानी

छात्रावास में मेस फीस में 2,000 रुपये की वृद्धि के खिलाफ छात्र कई दिनों से विरोध कर रहे थे। छात्रों ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण को ज्ञापन देकर पुरानी शुल्क व्यवस्था को बनाए रखने का अनुरोध किया था, जिसे विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्वीकार कर लिया है। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के इस निर्णय का स्वागत किया है।

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में नए अतिरिक्त और सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाताओं की नियुक्ति की गई है। ये सभी शिक्षक यह नई जिम्मेदारी अपने नियमित कार्यों के साथ-साथ निभाएंगे। अतिरिक्त छात्र कल्याण अधिष्ठाता के रूप में जिन शिक्षकों की नियुक्ति हुई है उनमें प्रो. ओएन उपाध्याय (अंग्रेज़ी विभाग), प्रो. अशोक कुमार कैथल (अर्थशास्त्र), प्रो. शशि भूषण (सांख्यिकी), प्रो. विजय कुमार राय (रसायन विज्ञान), प्रो. कुसुम यादव (जैव रसायन), डॉ. मनीनी श्रीवास्तव (मनोविज्ञान) और डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी (विधि विभाग, न्यू कैंपस) शामिल हैं। सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता की जिम्मेदारी डॉ. संगीता श्रीवास्तव, डॉ. प्रतिभा बंसल, डॉ. सुब्हान आलम खान, डॉ. अजय सिंह, डॉ. प्रशांत सिंह, डॉ. नीरज कुमार मिश्रा, डॉ. अन्विता वर्मा, डॉ. प्रिया, डॉ. देवेंद्र कुमार यादव, डॉ. आनंद पांडे, डॉ. आदित्य आभा सिंह, डॉ. शांभवी मिश्रा, डॉ. विनीट मैक्सवेल डेविड, डॉ. अभिषेक कुमार जायसवाल, डॉ. अंशु चौधरी, डॉ. विपिन पांडे और डॉ. सुषमा मिश्रा शामिल हैं। न्यू कैंपस में इंजीनियर ज़ीशान अली सिद्दीक़ी, इंजीनियर संदीप कुमार गुप्ता और इंजीनियर प्रशांत कुमार सिंह (इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय), डॉ. पल्लवी ठक्कर और मोहम्मद तल्हा सिद्दीक़ी (प्रबंधन विज्ञान संस्थान) व डॉ. रोहित सिंह (औषधि विज्ञान संस्थान) शामिल हैं।

9 गोल्ड मेडल समेत 19 पदक जीते

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस के प्रतिभाशाली छात्रों ने सीआईएससीई जोनल ताइक्वाण्डो चैम्पियनशिप में 9 गोल्ड मेडल, 3 सिल्वर मेडल एवं 7 ब्रांज मेडल समेत कुल 19 पदक अर्जित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। चैम्पियनशिप का आयोजन काउन्सिल फॉर इण्डियन स्कूल सार्टिफिकेट एक्जामिनेशन के तत्वावधान में किया गया।

यह जानकारी सीएमएस के हेड, कम्युनिकेशन ऋषि खन्ना ने दी है। श्री खन्ना ने बताया कि इस चैम्पियनशिप के अन्तर्गत अण्डर-14 कैटेगरी में यशवर्धन सिंह एवं प्रियांशु कुमार ने गोल्ड मेडल जीता है जबकि अनिरुद्ध त्रिपाठी, आराध्या गुप्ता एवं निष्ठा शुक्ला ने ब्रांज मेडल अपने नाम किया है। इसी प्रकार, अण्डर-17 कैटेगरी में मानस श्रीवास्तव, कार्तिक जायसवाल, सक्षम द्विवेदी एवं अक्षरा पाण्डेय ने गोल्ड मेडल जीता। जबकि प्रणति मिश्रा, अक्षय सिंह एवं आध्या आर्या ने सिल्वर मेडल जबकि मान्यता कश्यप, कार्तिक गुप्ता, आराध्या मिश्रा एवं भविष्य ने ब्रांज मेडल जीता है। अण्डर-19 कैटेगरी में आरव वत्स, युग अग्रवाल एवं साइना श्रीवास्तव ने गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया है।

सीआईएससीई जोनल ताइक्वांडो चैम्पियनशिप के विजेता।

नासिन में प्रशिक्षु निरीक्षकों के लिए शुरू हुआ कोर्स

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राष्ट्रीय अकादमी, सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नारकोटिक्स (नासिन) के आंचलिक परिसर में प्रशिक्षु निरीक्षकों के लिए 26वां 'इंडक्शन कोर्स' सोमवार को शुरू हुआ। मुख्य आयुक्त सीजीएसटी प्रक्षेत्र लखनऊ पीके कटियार ने कार्यक्रम की शुरुआत की।

नवनियुक्त प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए मुख्य आयुक्त ने प्रशिक्षण के महत्व को बताते हुए कहा कि सीखना एक सतत प्रक्रिया है। यह हमारे व्यावसायिक जीवन में गुणवत्ता का निर्माण करता है। प्रशिक्षण हमेशा व्यक्तित्व को सकारात्मक ऊर्जा उपलब्ध करता है। इस अवसर पर नासिन लखनऊ के प्रधान अपर महानिदेशक वेद प्रकाश शुक्ल ने लखनऊ जोन व मुंबई जोन से आये सभी प्रशिक्षुओं का स्वागत किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नासिन सभी में इस कोर्स के माध्यम से कार्यालय कार्य के साथ-साथ व्यक्तित्व के विभिन्न रचनात्मक व बहुआयामी दृष्टिकोण में अभिवृद्धि करने में सफल होगा। समारोह में प्रधान आयुक्त सीजीएसटी लखनऊ केपी सिंह, आयुक्त सीमा शुल्क रंजीत कुमार आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

भाकपा माले ने की न्यायिक जांच की मांग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : भाकपा माले ने प्रयागराज के करछना सहित प्रदेश भर में बढ़ते दलित उत्पीड़न के खिलाफ मंगलवार को हजरतगंज स्थित काफी हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राज्य सचिव सुधाकर यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर राज चल रहा है, जहां कानून की बात करना अपराध बन गया है। करछना कांड में उन्होंने दोषियों की गिरफ्तारी और दलित युवकों की रिहाई की मांग की।

आइसा अध्यक्ष मनीष कुमार ने पुलिस पर जाति देख कर गिरफ्तारी करने और नाबालिगों को भी जेल भेजने का आरोप लगाया। आरवाईए सचिव सुनील मौर्य ने कहा कि सरकार दलितों को जेल में डाल रही है और आवाज उठाने वालों को दबा रही है। भाकपा माले ने मांग की कि करछना घटना की उच्च स्तरीय न्यायिक जांच हो, परिवार को मुआवजा दिया जाए।

भाकपा माले के राज्य सचिव सुधाकर यादव व अन्य। अमृत विचार

स्मृति — इस अंदाज में बोले गए संवाद कि लोग भावुक हो गए

कथारंग ने जयंती पर प्रेमचंद को किया जीवंत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : मुंशी प्रेमचन्द की जयंती पर साहित्यिक संस्था कथारंग की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय के डीपीए सभागार में जिस अंदाज में उनकी स्मृतियों को संजोया गया। उसने प्रेमचन्द की सोच को जीवंत कर दिया। तेज बारिश के बावजूद सभागार खचाखच भरा था और लोग प्रेमचन्द के साहित्य को बड़े मन से सुन रहे थे। नूतन वशिष्ट, पुनीता अवस्थी और अनिल त्रिपाठी ने प्रेमचन्द की कहानी प्रतिशोध का पाठ इस अंदाज में किया कि यह महसूस हुआ जैसे कि कहानी को हम देख रहे हों। संवाद इस अंदाज में बोले गये कि लोग भावुक हो गये।

लविवि के सभागार में प्रेमचन्द पर वार्ता करती वार्ताकार डॉ .अमिता दुबे व डॉ . अपूर्वा अवस्थी।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान प्रेमचन्द ने समाज को बांधने और एकजुट करने की कोशिश की। प्रेमचन्द ने उस दौर में विधवा स्त्री से शादी की जिस दौर में लोग विधवा की छाया से भी दूर रहते थे। उस दौर में विधवा औरत को स्वादिष्ट भोजन करने का भी अधिकार नहीं था। उस दौर में प्रेमचंद ने यह हिम्मत दिखाई।

इस वार्तालाप के बाद यहां अपराध बोध नाम से हुए नाटक में प्रेमचन्द के चिरपरिचित पात्रों को दिखाया गया। कफ़न कहानी का यह संवाद लोगों के दिल को छू गया कि रात में कफन कौन देखेगा। जल ही तो जाएगा। बड़े लोगों के पास पैसा है वह कफन फूंक सकते हैं। बाप बेटे कफन के पैसे खा पी लेते हैं। जिन लोगों ने कफन के पैसे दिए वो पहले दे देते तो दवा कर लेते। बगैर कफन जलाने की शर्म पर भूख हावी हो गई।

हजारों शिक्षकों के पद रिक्त

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक समायोजन को लेकर ताजा आंकड़े सामने आए हैं। सोमवार को जारी की गई समायोजन सूची के अनुसार, पूरे प्रदेश में प्राइमरी और अपर प्राइमरी स्तर पर हजारों शिक्षक पद रिक्त हैं। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में सहायक अध्यापक प्राइमरी स्कूल के 3,951 पद सरप्लस हैं, जबकि 24,061 पद डेफिसिट में हैं। इस हिसाब से प्रदेश भर में प्राइमरी स्कूलों में कुल 20,110 शिक्षक पद रिक्त हैं। अपर प्राइमरी स्कूलों और हेडमास्टर प्राइमरी स्कूल की स्थिति भी चिंताजनक है। यहां 3,144 पद सरप्लस हैं, जबकि 19,776 पद डेफिसिट में हैं।

परिवहन विभाग के रोजगार मेले में 75 अभ्यर्थियों ने कराया पंजीकरण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मेले में 204 संविदा चालकों की भर्ती की जाएगी
- दो साल पुराना कॉमर्शियल वाहन ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य

अमृत विचार : परिवहन निगम का दो दिवसीय रोजगार मेला मंगलवार सुबह अवध बस स्टेशन कामता में शुरू हुआ। पहले दिन दोपहर तक लगभग 75 अभ्यर्थियों ने अपना पंजीकरण कराकर हाइट, वजन और ड्राइविंग टेस्ट की प्रक्रिया में हिस्सा लिया, जिसमें से 68 अभ्यर्थियों का पंजीकरण ठीक पाया गया। मेले में 204 संविदा चालकों की भर्ती की जाएगी। यह रोजगार मेला मंगलवार और बुधवार तक चलेगा। निगम द्वारा योग्य ड्राइवरों की भर्ती अनुबंध के आधार पर की जा रही है। बस ड्राइवर बनने के इच्छुक उम्मीदवारों को मौके पर ही पंजीकरण, शारीरिक माप, दस्तावेज सत्यापन और ड्राइविंग टेस्ट के बाद चुना जाएगा।

क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने बताया कि रोजगार मेले में उम्मीदवारों की ऊंचाई कम से कम 5 फुट 3 इंच, आयु 23 वर्ष 6 माह से अधिक और 59 साल से कम और कम से कम दो साल पुराना कॉमर्शियल वाहन ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है। शैक्षिक योग्यता में कक्षा 8 पास न्यूनतम मापदंड तय किया गया है। सेवा प्रबंधक विनोद कुमार और क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी की निगरानी में पूरी प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से संचालित की जा रही है। चयनित चालकों को प्रति किमी 2.06 पैसे की दर से भुगतान, न्यूनतम सेवा पर प्रेरणा व प्रोत्साहन राशि, बीमा सुरक्षा, दुर्घटना क्षतिपूर्ति, चिकित्सीय सुविधा और पारिवारिक लाभ मिलेंगे।

न्यूज ब्रीफ

कुशाग्र हत्याकांड में सुनवाई 6 अगस्त को

कानपुर, अमृत विचार। कुशाग्र हत्याकांड में सुनवाई जारी है। मंगलवार को एडीजे 11 सुभाष सिंह की कोर्ट में हुई सुनवाई में शिवा के वकील मनीष शर्मा की जिरह खत्म हो गई पीडब्ल्यू में। वहीं प्रभात के वकील ओम नारायण द्विवेदी ने अपनी जिरह शुरू की, समय कम होने के चलते पूछताछ के बाद अब मामले की अगली सुनवाई 6 अगस्त को होगी। इससे पहले शुक्रवार को हुई सुनवाई में चाचा सुमित कनोडिया ने कोर्ट को बताया कि तीनों अभियुक्तों ने जुर्म को स्वीकार करके प्रभात के घर से कुशाग्र का शव बरामद कराया था। जिसे मैने पहचाना था। बता दें कि कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया के बेटे कुशाग्र की 30 अक्तूबर 2023 को बेरहमी से अपहरण करके हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रभात शुक्ला और शिवा गुप्ता को दोषी मानकर उनको जेल भेजा था।

प्रतिक्रिया: सीतापुर में 17 डॉक्टरों ने दिया इस्तीफा

सीएमओ से नाराजगी के चलते उठाया कदम

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार: सीतापुर में 17 चिकित्सकों के इस्तीफे की बात सामने आई है। इसमें जिला अस्पताल के इमर्जेंसी मेडिकल ऑफीसर का नाम भी शामिल है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी का कहना है कि शासन से आई जांच के चलते पहला सीएचसी प्रभारी को हटाकर साण्डा में अटैच किया था। ऐसे में कुछ चिकित्सक अनावश्यक दबाव बना रहे हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि शासन की ओर से मिले निर्देश के बाद हुई उच्च स्तरीय जांच में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहला प्रभारी डॉ. आनंद मित्रा पिछले दिनों हुए निरीक्षण अनुपस्थित मिले, स्वास्थ्य केंद्र पर कई अनियमितताएं पाई गईं। इसी के बाद इन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साण्डा भेजा गया। उधर, स्थानांतरण के क्रम में साण्डा से डॉ. सुनील यादव को को महोली भेजा गया। महोली से डॉ. अवनीश कुमार पहला अधीक्षक के रूप में भेजे गए। लहरपुर के डॉ. गोविंद कुमार गुप्ता को महोली भेजा गया। डॉ. पूजा सिंह नैमिषारण्य से लहरपुर स्थानांतरित की गई। लगातार हो रहे स्थानांतरण के क्रम को लेकर चिकित्सकों और कई सीएचसी अधीक्षकों ने विरोध किया। सूत्रों की मानें तो इनकी संख्या 17 के करीब है। इनमें जिला अस्पताल के ईएमओ डॉ. अनुराग वर्मा का त्याग पत्र शामिल है। जिसको लेकर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. इन्द्र सिंह ने पत्र के माध्यम से मुख्य चिकित्सा अधिकारी को विभागीय पत्र भी प्रेषित कर दिया है। इस्तीफे का कारण कार्य करने में असमर्थता बताया जा रहा है।

दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन का किया गया उन्नयन

नई दिल्ली, अमृत विचार। उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल अपने रेल बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए निरंतर प्रयासरत है और उसने दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर एक महत्वपूर्ण आधुनिकीकरण परियोजना पूरी की है। दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है जहाँ से प्रतिदिन लगभग 104 ट्रेनें चलती/गुजरती हैं ।महत्वपूर्ण ट्रेनें जयपुर के लिए डबल डेकर, जम्मू तवी के लिए दुरंतो एक्सप्रेस, यशवंतपुर के लिए दुरंतो एक्सप्रेस, उदयपुर के लिए चेतक एक्सप्रेस, अजमेर जनशताब्दी आदि हैं। दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन लगभग 30,200 यात्री आते-जाते हैं। दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन अब रेल संचालन के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित है। उन्नयन कार्य 21.7.2025 से 28.7.2025 तक चला। इस प्रमुख उन्नयन परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 25 करोड़ रुपये है। यार्ड रीमॉडलिंग कार्य नॉन इंटरलॉकिंग कार्य एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। दिल्ली सराय रोहिल्ला यार्ड रीमॉडलिंग परियोजना का मुख्य उद्देश्य सुचारू संचालन, परिचालन क्षमता में वृद्धि, सुरक्षा, बेहतर कनेक्टिविटी और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करना था।

नोएडा में सपाइयों ने मौलाना रशीदी को जड़े थप्पड़

नोएडा, एजेंसी

नोएडा में मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले मौलाना साजिद रशीदी पर सपाइयों ने थप्पड़ जड़ दिए। उन्होंने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर स्वयं वायरल किया है।

समाजवादी पार्टी के छात्र सभा के गौतम बुद्ध नगर के जिला अध्यक्ष मोहित नागर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित करते हुए कहा कि मंगलवार को नोएडा में एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में वह भाग लेने के लिए अपने साथियों के साथ गए थे। मोहित नागर ने कहा कि वहां पर मौलाना उनसे मिले। डिंपल यादव पर टिप्पणी को लेकर मौलाना से बहस हो गयी और सपा के लोगों ने मौलाना की पिटाई कर दी। मोहित ने आरोप लगाया कि मौलाना एक खास पार्टी के एजेंट बने हुए हैं। मौलाना अगर माफी नहीं मांगते हैं तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा।

भाजपा ने अखिलेश यादव पर साधा निशाना

लखनऊ, एजेंसी : सांसद डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी द्वारा की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर भाजपा ने अखिलेश पर निशाना साधा है। भाजपा प्रदेश महासचिव व एमएलसी सुभाष यदुवंश द्वारा लगाए गए पोस्टर में सवाल किया गया कि पत्नी के अपमान पर चुप रहने वाले प्रदेश की बहन बेटियों की सुरक्षा क्या करेंगे? सुभाष यदुवंश ने कहा कि हमारा रुख वही है। पोस्टर हटाये जाने के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। हो सकता है कि स्थानीय प्रशासन ने ही यह फैसला लिया हो।

डीएम-एसपी ने किया कारागार का निरीक्षण

बाराबंकी, अमृत विचार: जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने मंगलवार को जिला कारागार का संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जेल की बैरकों, महिला बैरक, किशोर सदन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम, सीसीटीवी व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं की गहनता से जांच की। उन्होंने जिला कारागार परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान डीएम व एसपी ने बंदियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जेल प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप संचालित हों और बंदियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

कार्यालय उपजिलाधिकारी बिसवां, जनपद सीतापुर

पत्रांक /र0का0/मत्स्य पालन पट्टा नीलामी सूचना/2025–26 दिनांक जुलाई 2025

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व संहिता की नियमावली 2016 में दिये गये प्रावधानों के क्रम में निम्नलिखित तालाबों का 10 वर्षीय मत्स्य पालन पट्टा किये जाने हेतु तहसील स्तरीय कैंप का आयोजन सम्मुख अंकित तिथि के अनुसार तहसील बिसवां कैंपस स्थित तहसील सभागार में किया जा रहा है। जिसका नेतृत्व नायब तहसीलदार बिसवां करेगें व नीलाम अधिकारी तहसीलदार बिसवां होंगे। तथा भूमि प्रबन्धक समिति के अध्यक्ष/सचिव कैंप में उपस्थित रहेंगे। नीलामी प्रकिया से सम्बन्धित सूचना का प्रारूप निम्नवत् है।

नीलामी का स्थान — तहसील सभागार बिसवां
आवेदन प्राप्त करने का समय — 12.00 बजे तक
नीलामी का समय — 1.00 बजे से 05:00 बजे तक
नीलाम अधिकारी — तहसीलदार बिसवां
नीलामी की तिथि — क्रम संख्या 1 से 100 तक दिनांक 25.08.2025 को व
क्रम संख्या 101 से 201 तक दिनांक 26.08.2025

क्रम सं0	ग्राम का नाम	गाटा सं0	क्षेत्रफल	लगान	विवरण
1	2	3	4	5	6
1	दरियाना	112	0.263	1315	
2	रत्नापुर माफी	14	0.364	1820	
3	रामपुर खुर्द	152	0.283	1415	
4	बिसेण्डा	46	0.81	4050	
5	हरिहरपुर जमरखा	11च	0.93	4650	
6	हसनापुर	334	0.837	4185	
7	धौकलगंज	599	0.538	2690	
8	भगवन्तापुर	242	0.623	3115	
9	रामपुर घेरवा	138	1.10	5500	
10	रामपुर घेरवा	382	1.424	7120	
11	रामपुर घेरवा	837घ	1.007	5035	
12	पेण्डरा	271	4.404	22020	
13	छीं	875	0.777	3885	
14	छीं	968	0.85	4250	
15	छीं	47न	0.413	2065	
16	कोण्डरा	226ज	8.211	41055	
17	कोण्डरा	514	2.401	12005	
18	कोण्डरा	606क्ष	1.668	8340	
19	रायपुर	244	1.234	6170	
20	सहेरूवा	13क	1.137	5685	
21	करौदी	700	2.003	10015	
22	रामपुरखुर्द	216ख	0.49	2450	
23	मरसण्डा	565	0.235	1175	
24	बन्नीराय	1053	0.227	1135	
25	बन्नी घुरैन	509	0.725	3625	
26	कन्दुनी	902	0.380	1900	
27	कन्दुनी	1000	0.223	1115	
28	कौरासा	648ख	4.241	21205	
29	भुइलाकलां	420	2.059	10295	
30	भुइलाकलां	1020क	8.519	42595	
31	भुइलाकलां	1638क	0.984	4920	
32	मझिगवां कला	282	1.902	9510	
33	पकरिया	190	1.7	8500	
34	भीरा	282	0.932	4660	
35	रेवा	216	0.413	2065	
36	बजेहरा नसीरपुर	536	0.214	1070	
37	बजेहरा नसीरपुर	552	0.882	4410	
38	सन्तरहा	183	13.448	67240	
39	मजिगवां खुर्द	359	0.218	1090	
40	बालपुर	6	0.279	1395	
41	बालपुर	232	0.567	2835	
42	कमुवा	665	0.506	2530	
43	तेन्दुवा	422	15.318	153180	
44	शाहजलालपुर	200	0.745	3725	
45	शाहजलालपुर	1335	0.789	3945	
46	शिवथाना	1164	0.995	4975	
47	शिवथाना	1537	0.603	3015	
48	भदेशिया	214	0.328	1640	
49	कामापुर	434	0.906	4530	
50	भुडकुडी	494	0.696	3480	
51	कल्हापुर	130	0.736	3680	
52	राजापुर	252ख	0.405	2025	
53	बुढनापुर	40	0.813	4065	
54	भिठमनी	204	0.425	2125	
55	नकारा	274	1.817	9085	
56	बन्नी खरैला	957	0.837	4185	
57	लश्करपुर	123	0.829	4145	
58	दौदापुर	122	1.376	6880	
59	गुरूवाडीह	122	0.336	1680	
60	कंकरकुई	1385	0.652	3260	
61	महराजनगर	799	1.149	5745	
62	कोटरा	205क	0.287	1435	
63	हैबतपुर	736	1.939	9695	
64	बिसेण्डी	1ड0	0.405	2025	
65	ईशापुर	248	0.587	2935	
66	गुरेरा	782	0.709	3545	
67	महमूदपुर	257 /2	0.458	2290	
68	मौजुददीनपुर	169	0.821	4105	
69	मौजुददीनपुर	720ख	0.397	1985	
70	कोन्सर	576ख	0.551	2755	
71	बेलवा बसहिया	96	0.275	1375	
72	राव्वापुर	699	0.89	4450	
73	गठिया खुर्द	304	1.06	5300	
74	सरैया कला	314	4.395	21975	
75	सरैया कला	590	0.837	4185	
76	रसूलपुर बिसवां	89	0.486	2430	
77	रसूलपुर	304	0.474	2370	
78	महमूदपुर बाजार	385	0.458	2290	
79	ओडाझार	737	0.526	2630	
80	सेमरा खुर्द	610	1.461	7305	
81	सेमरा खुर्द	667	1.141	5705	
82	मदनापुर	419ग	2.611	13055	
83	मदनापुर	563	1.943	9715	
84	मदनापुर	636	1.044	5220	
85	गठियाकला	115	0.348	1740	
86	अरूवा	533	1.165	5825	
87	रत्नापुर	617	0.364	1820	
88	पखनियापुर	409	0.267	1335	
89	मजलिसपुर	456	0.902	4510	
90	कम्हरिया महरिया	653	0.45	2250	
91	देवरिया कला	489	0.239	1195	
92	मुर्थना	1183	0.721	3605	
93	मुर्थना	1208	0.526	2630	
94	नकैला	1429ख	0.575	2875	
95	रामकुण्ड	246	0.632	3160	
96	रामकुण्ड	800ख	0.482	2410	
97	भिन्हैनी	778ख	0.405	2025	
98	लोधौरा	334	0.287	1435	
99	जंगल बिलास	585	0.271	1355	
100	मनिकापुर	787	0.336	1680	
101	चहारपुर	320	0.845	4225	
102	भागीपुर	101	0.413	2065	
103	कुतुबपुर	402	0.32	1600	
104	कुतुबपुर	557	0.283	1415	
105	जनुवा	682	0.498	2490	
106	जनुवा	745	0.514	2570	
107	मोचकला	310	0.401	2005	
108	करीम पनाह	313	0.308	1540	
109	पैगरवा	115	0.214	1070	
110	महिमापुर	177	0.539	2695	
111	बहेरवा	67	0.579	2895	
112	जलालपुर	1326	0.332	1660	
113	सरैया माफी	117	0.595	2975	
114	भगवानपुर माफी	46	0.247	1235	
115	बेनीपुर	541 /672	0.35	1750	
116	बिसवां नगर	627क	0.64	3200	
117	शंकरपुर	9	0.526	2630	
118	भिठौरा कला	146	0.312	1560	
119	पूजीखेरा	208क	0.781	3905	
120	देवरिया खुर्द	238	0.626	3130	
121	धामीसरांय	143ख	0.202	1010	
122	पटना	440	0.7	3500	
123	उल्लहा	222	0.388	1940	
124	पटनी	253	0.291	1455	
125	बजेहरा	149	0.32	1600	
126	जहांगीराबाद	1542	0.38	1900	
127	टेडवा कला	1185	0.765	3825	
128	साण्डा	966ख	0.809	4045	
129	सकरन	394	0.259	1295	
130	पिपरा कला	925	0.664	3320	
131	सुखावां कला	531	0.692	3460	
132	लालपुर (बिसवां)	379	0.384	1920	
133	अहमदाबाद	154क	4.014	20070	
134	अहमदाबाद	162	3.962	19810	
135	गोदलामऊ	365	0.761	3805	
136	बिछुवापुर	132	0.287	1435	
137	पचदेवरा	410	3.505	17525	
138	बगहाढाक	450	0.271	1355	
139	कौव्वाखेरा	775	0.486	2430	
140	रामाभारी	457	0.38	1900	
141	न्यामतपुर	483	0.709	3545	
142	सिरसी सरैयां	256	0.636	3180	
143	मढिया सेमरी	194	1.635	8175	
144	माढरमऊ	253	0.388	1940	
145	कम्हरिया	403क	1.908	9540	
146	जल्लाबाद	94	0.38	1900	
147	महमदापुर	84ख	0.648	3240	
148	महमदापुर	486	0.769	3845	
149	त्योला	481	1.145	5725	
150	गोवर्धनपुर	127	1.821	9105	
151	भगवानपुर	965	0.275	1375	
152	मानपुर (बिसवां)	32क	0.45	2250	
153	मानपुर (बिसवां)	142	0.425	2125	
154	बडैला	618	4.731	23655	
155	कटिया	12	1.129	5645	
156	कटिया	459	1.157	5785	
157	सरबाहनपुर	566	0.486	2430	
158	सलेमपुर	605	0.664	3320	
159	उलरा	1096	0.433	2165	
160	पिपरी बेनीसिंह	122ग	0.567	2835	
161	कैमहरा खुर्द	524ख	1.546	7730	
162	अम्बरपुर	374ख	0.458	2290	
163	परसेहरा	760	0.971	4855	
164	परसेहरा	1234	0.595	2975	
165	पुरवादासापुर	755	0.551	2755	
166	बेलवा बहादुरपुर	885	0.413	2065	
167	शमसापुर	590	0.486	2430	
168	हथियागाजीपुर	563क	0.356	1780	
169	जमौरा	946	1.672	8360	
170	तरसेउरा	729	0.429	2145	
171	थानगांव	995क	0.352	1760	
172	बम्भिया	800	0.223	1115	
173	भदेवा	252	0.255	1275	
174	भदेवा	275	0.49	2450	
175	नसीरपुर देवरिया	611	0.251	1255	
176	घेवड़ा	846	0.243	1215	
177	ईटगांव	383क	0.526	2630	
178	हरिहरपुर	417	0.672	3360	
179	दूलामऊ	144	0.547	2735	
180	बसन्तापुर	76	0.376	1880	
181	डलिया	104	1.019	5095	
182	राजापुर कला	1176मि	0.445	2225	
183	राजापुर कला	1176मि	2.084	10420	
184	लालपुर को0	344	0.344	1720	
185	गुमई	279क	4.48	22400	
186	रामीपुर गोडवा	1	0.688	3440	
187	भरथा	513	0.32	1600	
188	करसेवरा	136	0.409	2045	
189	राजपुर क्योटाना	1730	0.384	1920	
190	वैन सोहलिया	349	0.66	3300	
191	बेलहा दरियाना	228	0.214	1070	
192	सिसैया दरियाना	226	0.259	1295	
193	हथिना	118	0.263	1315	
194	सेउता	1631	0.652	3260	
195	अज्जयपुर	317	0.798	3990	
196	पुरैनी को0	526	0.405	2025	
197	नकहा कनेवडा	247	0.607	3035	
198	कोडवा घमघमपुर	449	0.902	4510	
199	सरैंया भटपुरवा	383	0.279	1395	
200	सरैंया भटपुरवा	658क	0.21	1050	
201	सुपौली	533	0.417	2085	
योग		201 किता	208.351	1118345	

नीलामी प्रक्रिया में भाग लेने की पात्रता व शर्ते निम्नवत होगी।

1. नीलामी प्रक्रिया में बोली बोलने की पात्रता एवं षर्ते उ0प्र0राजस्व संहिता नियमावली 2016 के नियम 57 (धारा 61) व 58 (धारा 61) के प्रावधानो के अनुसार लागू होगी।
2. मत्स्य आवंटन पट्टे की नीलामी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को नवीनतम आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र (विज्ञापन की तिथि से 6 माह से पुराना न हो।) अपने प्रार्थना पत्र के साथ प्रस्तुत किया जायेगा।
3. नीलामी की शर्तों एवं नीलामी से सम्बन्धित किसी अन्य जानकारी हेतु रजिस्टार कानूनगो कार्यालय तहसील बिसवां में किसी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।
4. नीलामी में बोली बोलने के इच्छुक व्यक्ति को जमानत की धनराषि बोलने से पूर्व जमा करनी होगी तथा नीलामी सम्पन्न होने के पश्चात नीलाम गृहीता को सर्वोच्च बोली की धनराषि जो तय होगी वह तत्काल जमा करनी होगी।
5. नीलामी स्वीकृति/अस्वीकृति करने का अधिकारी व अन्तिम निर्णय अधोहस्ताक्षरी में निहित है।
6. नीलामी बोलने की न्यूनतम दर 2 हे0 से कम तालाबों की 5000/– प्रति हे0 व 2 हे0 से अधिक की दर 10000/– प्रति हे0 होगी।
7. जिन तालाबों की नियत तिथि को नीलामी नहीं हो पाती है। ऐसे ग्रामों के अवषेष तालाबों की नीलामी 20.08.2025 को की जायेगी।

UP-236383 दिनांक 28.07.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उपजिलाधिकारी
बिसवां

"अपने आप पर विश्वास रखें, महान विश्वास महान कार्यों की जननी है।"

सिंदूर पर राजनीति

ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवादियों को भेजने वालों को मार गिराया और ऑपरेशन महादेव ने पहलगाम की बैसरन घाटी में धर्म पूछकर हमला करने वालों को ढेर कर दिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में दूसरे दिन पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए देश को जब यह जानकारी दी तो निश्चित रूप से पहलगाम हमले में अपना सिंदूर गंवाने वाली महिलाओं और पीड़ित परिजनों के कलेजे में जल रही प्रतिशोध की आग को ठंडक पहुंची होगी। गृहमंत्री अमित शाह ने बताया कि हमारी सेना ने लश्कर ए तैयबा के कमांडर हाशिम मूसा, हमजा अफगानी और जिब्रान को देश से भागने नहीं दिया। सेंसर के जरिए तीनों आतंकियों का पता लगाया गया। मुठभेड़ में मार गिराने के बाद बैसरन घाटी हमले में संलिप्तता की पुष्टि के लिए इनके हथियारों और कारतूसों का मिलान भी कराया जा चुका है। शाह के इस बयान के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में बोलते हुए एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमने दुनिया को संदेश दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार है, तो इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिए। इसी के साथ रक्षा मंत्री ने यह कहकर विपक्ष के सवालों पर विराम लगाने का प्रयास किया कि 'भारत माता की मांग में शौर्य का सिंदूर है, उस पर राजनीति की धूल मत डालिए।' राजनाथ यहीं नहीं रुके पीओके लेने की मांग करने वाले विपक्षी नेताओं को उन्होंने यह कहकर एक तरह से निरुत्तर कर दिया कि 'विपक्ष में जो लोग आज बैठे हैं, जब इनकी सरकार थी, तो इन्होंने जो काम किया, वह आज की मांग के ठीक विपरीत है।' इसे लेकर उन्होंने पूर्वांचल की 'बाप मरा अंधियारे मा, बेटवा क नाम पावर हाउस' कहावत सुनाकर अपनी सरकार का मतन्व्य भी साफ किया कि देश की जनता के आशीर्वाद और ईश्वर की इच्छा से वह दिन दूर नहीं, जब पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों की भी घर वापसी होगी।

अब संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को लेकर राजनीतिक हित और दावे तथा दलीलें कुछ भी होती रहें, लेकिन आतंकी अड्डे ध्वस्त किए जाने, पहलगाम हमले के गुनहगार आतंकी मारे जाने, सरकार की पीओके लेने की नीति से पीछे नहीं हटने और अमेरिकी राष्ट्रपति के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीज फायर कराने के दावों की सच्चाई उजागर करके सरकार ने पाकिस्तान को धूल चटाने के बाद देश में विपक्ष के भ्रम फैलाने के प्रयासों को निशाने पर लेते हुए जिस तरह तस्वीर साफ की है, उसके बाद इसमें दो राय नहीं कि भारतीय सेना ने जिस तरह पाकिस्तान स्थित ठिकानों पर हमला करके उन्हें तबाह किया और पहलगाम के आतंकियों को मौत के घाट उतारा, वह सब अब देश के इतिहास में एक शानदार अध्याय के रूप में जुड़ चुका है।

प्रसंगवश

बंद होते स्कूल और सिसकता भविष्य

डॉ. मनोज कुमार मिश्रा
शाहजहांपुर

अगर हम शिक्षा जैसे सामाजिक मुद्दे पर बात नहीं करेंगे तो आने वाली सरकारें भी इसे अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल नहीं करेंगी। और वह दिन दूर नहीं जब सरकारी स्कूल केवल इतिहास बन जाएंगे।

शिक्षा मानव विकास की धूरी है, सभ्य समाज की रीढ़ है और नौनिहालों का भविष्य है। जहां इन बालकों के भविष्य को एक नई दिशा मिलती है। इसीलिए आजादी से आज तक हमारी सरकारों के द्वारा देश के हर कोने तक सरकारी विद्यालयों का जाल बिछाया गया और इसी के साथ साथ निजी विद्यालय भी स्थापित किए गए। सरकारों के तमाम प्रयासों के बावजूद भी सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की वांछित गुणवत्ता प्राप्त नहीं की जा सकी, स्थिति यहां तक पहुंच गई कि अब गरीब से गरीब परिवार भी अपने बच्चों को सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाना पसंद नहीं करता। परिणाम स्वरूप इन विद्यालयों में छात्र संख्या कम होती चली गई। आज हालात यहां तक पहुंच गए कि प्रदेश सरकार द्वारा कम छात्र संख्या के चलते पांच हजार सरकारी प्राथमिक स्कूलों को बंद करने का निर्णय लेना पड़ा। अब कमी चाहें जहां पर भी हो, किसी की भी हो, किंतु जहां हम इन विद्यालयों की संख्या बढ़ाने की बात करते थे, शिक्षा के विस्तार की बात करते थे। अब इसके विपरीत हमें अपने विद्यालय बंद करने पड़ रहे हैं। जब कोई सरकार सरकारी विद्यालयों को बंद करने का निर्णय लेती है, तो इससे भविष्य की संभावनाओं पर विराम लग जाता है। और बच्चों के शैक्षिक रूप से आगे बढ़ने के अधिकांश रास्ते बंद हो जाते हैं।

आजादी के आठ दशक के करीब पहुंच कर भी स्कूलों की खस्ताहाल स्थिति, शिक्षा का गिरता स्तर व शिक्षकों की कमी और निजी स्कूलों की ओर समाज का झुकाव हमारी राजनीतिक व सामाजिक विफलता है। हम आज भी कहीं न कहीं मैकाले की शिक्षा से प्रभावित हैं। जिन्होंने विद्यालयों में अंग्रेजी पद्धति की शिक्षा पर जोर दिया था। आज का अभिभावक अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम स्कूल में अथवा निजी विद्यालयों में पढ़ाने पर गर्व की अनुभूति महसूस करता है। हम अभिभावकों की इस मानसिकता को समझ नहीं सके, और प्राथमिक शिक्षा को उसकी बराबरी तक नहीं ला सके। अगर हम शिक्षा जैसे सामाजिक मुद्दे पर बात नहीं करेंगे तो आने वाली सरकारें भी इसे अपनी प्राथमिकता सूची में शामिल नहीं करेंगी। और वह दिन दूर नहीं जब सरकारी स्कूल केवल इतिहास बन जाएंगे। शिक्षा के संपूर्ण निजीकरण से शिक्षा केवल एक स्कूल रूपी दुकान पर बिकने वाला उत्पाद बनकर रह जाएगी, जिसे केवल अमीर ही खरीद पाएगा। आज आवश्यकता है कि हम शिक्षा जैसे राष्ट्रीय मुद्दे पर धर्म जाति से ऊपर उठकर बात करें जो सचमुच हमारे जीवन को सीधे तौर पर प्रभावित करता हैं। प्रश्न यह है कि सरकार को स्कूल क्यों बंद करने पड़ रहे हैं? क्या इसका कोई दूसरा इलाज नहीं है? स्कूलों का बंद होना हमारी राजनीतिक और सामाजिक असफलता का प्रतीक है। विकास केवल सड़क, बिजली और शहरीकरण तक सीमित नहीं होना चाहिए। शिक्षा के बिना विकास की बात करना बेमानी होगा। जब तक शिक्षा जन जन तक नहीं पहुंचेगी, तब तक कोई भी राष्ट्र उन्नत राष्ट्र नहीं बन सकता। आज तक शिक्षा को लेकर जितनी भी नीतियां बनी हैं वह हमारी सामूहिक उदासीनता के चलते सफल नहीं हो सकी। हमें यह स्वीकार करना होगा कि इन सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की वर्तमान स्थिति के लिए हम सब सामूहिक रूप से जिम्मेदार हैं, चाहें वो शैक्षिक नीतियां हों, सामाजिक उदासीनता हो, कार्यरत अध्यापक के उत्तरदायित्व में कमी हो,अभिभावकों की उदासीनता हो, संसाधनों का अभाव हो,या अन्य कोई कारण हो। हमें इन कारणों का समाधान खोजना होगा। अगर हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां हमे माफ नहीं करेंगी।

सभी भाषाओं को पढ़कर आगे बढ़ेगा भारत

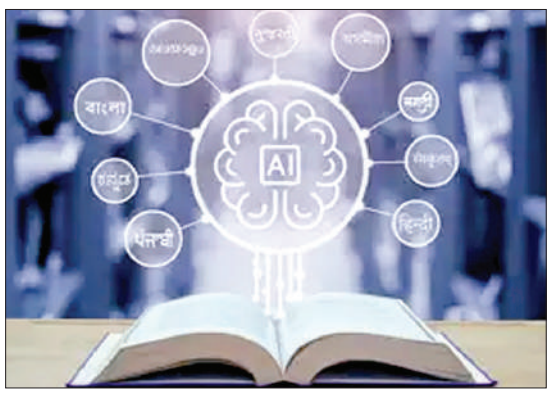

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़े और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिल, बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो।

भारत में अपने देश की भाषाओं को लेकर होने वाले विवाद को लेकर हम सब खबरें पढ़ते रहते हैं। इस मसले पर सियासत भी खूब होती है। तो इस समस्या का हल क्या है? सच पूछा तो भाषा के मसले पर होने वाले विवादों का एक मात्र हल है कि हम अपनी मातृभाषा के अलावा भी किसी प्रांत की जुबान पढ़ें और सीखें। अब एक उदाहरण लीजिए। सुष्मिता बोस और अमना जकी राजधानी के अपने स्कूल की लाइब्रेरी के बाहर धाराप्रवाह पंजाबी में बातचीत कर रही थीं। इनके बीच में हो रहे संवाद को सुनकर कोई कह नहीं सकता था कि इन दोनों की मातृभाषा पंजाबी नहीं है। बांग्ला भाषी सुष्मिता और अमना के घर में उर्दू या कहें हिन्दुस्तानी बोली जाती हैं। इन दोनों ने पंजाबी लिखना और बोलना अपने राजधानी के दशमेश पब्लिक स्कूल, विवेक विहार में सीखा। इधर पंजाबी भाषा सभी बच्चों को आठवीं कक्षा तक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाई जाती है।

अगर सारे देश के स्कूलों के बच्चे अपनी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य राज्य की भाषा भी पढ़े और सीखें तो कितना अच्छा हो। मुंबई के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को तमिल, बांग्ला, असमिया आदि जुबानें सीखने का अवसर मिले और तमिलनाडु के बच्चों को पंजाबी, हिन्दी, मलयाली आदि भाषाएं सीखने का विकल्प हो। दशमेश पब्लिक स्कूल की मैनेजिंग कमेटी के चेयरमैन सरदार बलबीर सिंह कहते हैं कि भारत में 22 आधिकारिक भाषाएं और सैकड़ों बोलियां बोली जाती हैं, जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती हैं, लेकिन यह विविधता कभी-कभी क्षेत्रीय और भाषाई दीवारें भी खड़ी कर देती है, जो लोगों के बीच आपसी समझ और एकता को कमजोर कर सकती है। इस संदर्भ में, भारत के स्कूलों में विभिन्न प्रांतों की भाषाओं को पढ़ाने की अवधारणा न केवल एक शैक्षिक सुधार है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने का एक प्रभावी माध्यम भी हो सकता है। भारत में भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह संस्कृति, इतिहास, और पहचान का प्रतीक भी है। प्रत्येक भाषा अपने साथ साहित्य, परंपराएं, और जीवनशैली की एक अनूठी झलक लेकर आती है। उदाहरण के लिए, बांग्ला भाषा रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसे साहित्यकारों की विरासत को समेटे हुए है, तो पंजाबी भाषा गुरबानी और लोक संगीत की जीवंतता को दर्शाती है। इसी तरह, असमिया और मलयालम जैसी भाषाएं अपनी साहित्यिक और सांस्कृतिक गहराई के लिए जानी जाती हैं। सरदार बलवीर सिंह विवेक विहार कहते हैं कि आजकल महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध हो रहा है। ये दुखद है। वे इस बाबत महाराष्ट्र के संत नामदेव का उदाहरण देते हैं। वे मूल रूप से महाराष्ट्र से थे। उन्होंने अपने जीवन के करीब दो दशक पंजाब में व्यतीत किए। उनके अनेक दोहे श्रीगुरुग्रंथ साहिब में हैं। संत नामदेव के नाम पर एक मंदिर भीष्म पितामह मार्ग है। इसे संत नामदेव ट्रस्ट चलाता है। नामदेव ने मराठी के साथ ही साथ हिन्दी में भी रचनाएं लिखीं। आज भी इनके रचित गीत पूरे महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियणा और पंजाब समेत सारे देश में भक्ति और प्रेम के साथ गाए जाते हैं। संत नामदेव जी का जन्म सन 1270 में महाराष्ट्र के जिला सतारा में हुआ। उनके जीवन के साथ अनेक अलौकिक घटनाएं जुड़ी हुई हैं परंतु उन्होंने कभी भी करामाती होने का दावा नहीं किया।

प्रख्यात शिक्षा विद सरिता सक्सेना कहती हैं कि यदि स्कूलों में बच्चों को विभिन्न प्रांतों की भाषाएं पढ़ाई जाएं, तो यह न केवल उनकी भाषाई क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें अन्य क्षेत्रों की संस्कृति, परंपराओं, और जीवनशैली को समझने का अवसर भी देगा। उदाहरण के तौर पर, एक बांग्ला भाषी बच्चा जो पंजाबी सीखता है, वह न केवल भाषा सीखेगा, बल्कि पंजाब के इतिहास, सिख संस्कृति, और वहां के लोकनृत्यों जैसे भांगड़ा को भी समझेगा। इसी तरह, एक हिंदी भाषी बच्चा जो असमिया सीखता है, वह असम की चाय बागानों, बिहू नृत्य, और वहां की प्राकृतिक सुंदरता से परिचित होगा। यह प्रक्रिया बच्चों में एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति और सम्मान विकसित करेगी, जो राष्ट्रीय एकता की नींव बन सकती है।

सरिता सक्सेना का कहना हैं कि जो बच्चे एक से अधिक भाषाएं सीखते हैं, उनकी संज्ञानात्मक लचीलापन, समस्या-समाधान क्षमता और रचनात्मक सोच में वृद्धि होती है। भारत जैसे बहुभाषी देश में, जहां हर कुछ सौ किलोमीटर पर भाषा और बोली बदल जाती है, बच्चों को विभिन्न भाषाएं सिखाने से उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी। उदाहरण के लिए, मलयाली बच्चों को हिंदी पढ़ाने से न केवल उन्हें एक नई भाषा सीखने का अवसर मिलेगा, बल्कि यह उन्हें उत्तर भारत की संस्कृति और साहित्य से जोड़ेगा। हिंदी जो भारत की राजभाषा है, देश के कई हिस्सों में संवाद का प्रमुख माध्यम है। मलयाली बच्चे जब हिंदी सीखेंगे, तो वे हिंदी साहित्य के महान कवियों जैसे सूरदास, तुलसीदास, और प्रेमचंद की रचनाओं से परिचित होंगे। यह उनके लिए एक नई सांस्कृतिक खिड़की खोलेगा। बहुभाषी शिक्षा के व्यावहारिक लाभ भी कम नहीं हैं। भारत एक तेजी से वैश्विक होने वाला देश है, जहां नौकरी और व्यापार के अवसर अब क्षेत्रीय सीमाओं से परे हैं। विभिन्न भाषाओं का ज्ञान बच्चों को भविष्य में बेहतर अवसर प्रदान कर सकता है। इसके अलावा, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्र में भी बहुभाषी शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां भाषा और संस्कृति लोगों को जोड़ने के साथ-साथ अलग भी करती है, बहुभाषी शिक्षा एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकती है।

आमने सामने

ऑपरेशन महादेव पर भाजपा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कहा, "यह हमारे देश के लिए गर्व की बात है। हमारा ऑपरेशन सिंदूर जारी है। पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड मारा गया है। हम ऐसे आतंकियों को मारते रहेंगे। हम पहले ही कह चुके हैं कि इसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस है। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में जो भी कहा, वह बिल्कुल सही है।"

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, "आज इस सदन में बैठे ज्यादातर लोगों के पास सुरक्षा कवच है, लेकिन उस दिन पहलगाम में 26 लोगों को उनके परिवारों के सामने मार दिया गया। उस दिन बैसरन घाटी में जितने भी लोग मौजूद थे, उनके पास कोई सुरक्षा नहीं थी। आप चाहे कितने भी ऑपरेशन चला लें, सच्चाई के पीछे नहीं छिप सकते।"

बाघों के संरक्षण में विश्व को दिखाया रास्ता

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारत ने 1973 में बाघ संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट टाइगर' की शुरुआत की। यह एक ऐतिहासिक कदम था जिसने बाघ संरक्षण की दिशा में क्रांति ला दी।

बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि प्रकृति की अद्भुत रचना और भारत की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्राचीन काल से ही इसे शक्ति, साहस और गरिमा का प्रतीक माना गया है। भारतीय संस्कृति में बाघ को 'वनराज' यानी जंगल का राजा कहा जाता है। इसका विशिष्ट स्वरूप और रहस्यमयी स्वभाव इसे धरती के सबसे आकर्षक और प्रभावशाली प्राणियों में शामिल करता है। बाघ की यात्रा उतनी ही पुरानी है जितनी मानव सभ्यता की। इसकी उत्पत्ति से लेकर वर्तमान तक का इतिहास केवल इस प्राणी की कहानी नहीं, बल्कि प्रकृति, मानव और वन्यजीवों के परस्पर संबंध की गाथा भी है। आज जब दुनिया भर में बाघों की संख्या में कमी आई है, भारत ने इस क्षेत्र में अपने प्रयासों से न केवल खुद को विश्व में अग्रणी बनाया है, बल्कि अन्य देशों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि बाघों का जन्म लगभग 20 से 25 लाख वर्ष पूर्व एशिया में हुआ। यह वह समय था जब पृथ्वी पर जलवायु बेहद कठोर थी और बड़े-बड़े शाकाहारी जीव जैसे मैमथ और जंगली भैंसें प्रमुख रूप से मौजूद थे। बाघों ने अपने शरीर की संरचना, ताकत और शिकार कौशल को इस प्रकार विकसित किया कि वे इन विशाल जीवों का भी आसानी से शिकार कर सकते थे। बाघों का शरीर लचीला, मजबूत और तेज गति से दौड़ने के लिए उपयुक्त होता है। उनकी धारियां उन्हें जंगल की घनी झाड़ियों और छाया में छिपने में मदद करती हैं, जिससे वे शिकार पर आसानी से हमला कर पाते हैं।

पैंथेरा वंश के अन्य सदस्यों में शेर, जगुआर और तेंदुआ भी शामिल हैं, लेकिन बाघ इन सबमें सबसे अधिक शक्तिशाली और रहस्यमयी माने जाते हैं। चीन, साइबेरिया, इंडोनेशिया, वियतनाम और भारत के कई हिस्सों में मिले बाघों के जीवाश्म यह बताते हैं कि यह प्राणी लाखों वर्षों से धरती पर मौजूद है।

भारतीय संस्कृति में बाघ को विशेष स्थान दिया गया है। मां दुर्गा का वाहन बाघ है, जो शक्ति और पराक्रम का प्रतीक है। प्राचीन भारतीय शिल्प, मंदिरों की नक्काशी और ग्रंथों में बाघ का वर्णन शक्ति के प्रतीक के रूप में किया गया है। मुगलों के समय में बाघों का शिकार राजाओं और अमीरों के लिए साहस और शान का प्रतीक था। अंग्रेजों के दौर में बाघों का शिकार बड़े पैमाने पर ट्रॉफी के रूप में किया गया। उस दौर में बाघों की संख्या तेजी से घटी।

19वीं और 20वीं सदी के बीच भारत में बाघों की संख्या लाखों से घटकर कुछ हजार तक रह गई। 1947 में स्वतंत्रता के समय भारत में लगभग 40,000 बाघ थे, लेकिन 1970 तक यह संख्या घटकर 1,800 रह गई। यह स्थिति बेहद चिंताजनक थी। बाघों की घटती संख्या ने सरकार और पर्यावरणविदों को गहरी चिंता में डाल दिया।

भारत ने 1973 में बाघ संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट टाइगर' की शुरुआत की। यह एक ऐतिहासिक कदम था जिसने बाघ संरक्षण की दिशा में क्रांति ला दी। इस परियोजना का उद्देश्य बाघों के लिए सुरक्षित आवास तैयार करना, उनके प्राकृतिक निवास को पुनर्जीवित करना और अवैध शिकार पर सख्ती से रोक लगाना था। प्रोजेक्ट टाइगर के तहत प्रारंभ में 9 टाइगर रिजर्व बनाए गए, जिनमें कान्हा, बांधवगढ़, जिम कॉर्बेट, सुंदरबन और रणथंभौर प्रमुख थे। आज भारत में 53 टाइगर रिजर्व हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल लाखों हेक्टेयर में फैला हुआ है।

भारत की सबसे बड़ी सफलता यह है कि 2025 तक बाघों की संख्या 3,000 से अधिक हो चुकी है। यह विश्व की कुल बाघ जनसंख्या का लगभग 75 प्रतिशत है। इस सफलता का श्रेय न केवल सरकारी प्रयासों को जाता है, बल्कि उन स्थानीय समुदायों को भी जाता है जो बाघ संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। भारत में बाघों की गिनती अब आधुनिक तकनीकों जैसे कैमरा ट्रैप, ड्रोन निगरानी, सैटेलाइट ट्रैकिंग और डेटा एनालिटिक्स के जरिए की जाती है।

भारत का बाघ संरक्षण मॉडल अब पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बन चुका है। 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग टाइगर समिट में तय किया गया था कि 2022 तक बाघों की संख्या को दोगुना किया जाएगा। भारत ने यह लक्ष्य समय से पहले हासिल कर लिया। नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और रूस जैसे देशों ने भारत की नीतियों से सीख ली और अपने देश में बाघ संरक्षण अभियान तेज किया।

भारत के टाइगर रिजर्व आज ईको-टूरिज्म के बड़े केंद्र बन चुके हैं। रणथंभौर, बांधवगढ़, कान्हा, काजीरंगा और जिम कॉर्बेट जैसे रिजर्व हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह पर्यटन स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आय का स्रोत है। होटल, गाइड सेवा, सफारी और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के जरिए हजारों परिवारों का जीवन-यापन होता है।

हालांकि बाघ संरक्षण की इस सफलता के बावजूद चुनौतियां अभी भी कायम हैं। वनों की कटाई, खनन, सड़क निर्माण और औद्योगिक परियोजनाएं बाघों के आवास को लगातार नुकसान पहुंचा रही हैं। मानव-बाघ संघर्ष बढ़ रहा है क्योंकि बाघ अब अपने प्राकृतिक आवास से बाहर निकलकर गांवों में प्रवेश करने लगे हैं। अवैध शिकार और तस्करी भी एक बड़ी समस्या है। जलवायु परिवर्तन के कारण सुंदरबन जैसे क्षेत्रों में बाघों का अस्तित्व खतरे में है।

भारत सरकार अब बाघों के लिए सुरक्षित 'ग्रीन कॉरिडोर' बनाने पर काम कर रही है, जिससे बाघ एक रिजर्व से दूसरे रिजर्व तक सुरक्षित आवाजाही कर सकें। हाईवे पर वाइल्डलाइफ क्रॉसिंग, बफर जोन और स्मार्ट निगरानी प्रणालियों का निर्माण किया जा रहा है। लक्ष्य यह है कि 2026 तक बाघों की संख्या 3,500 तक पहुंचाई जाए। बाघों का संरक्षण केवल पर्यावरण ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों की जिम्मेदारी भी है।

सामयिकी

सशक्त समाज की नींव है नारी शक्ति

विदिशा श्रीवास्तव
नोएडा

कहा जाता है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का निवास होता है। प्राचीन भारत में भी स्त्रियों को सम्मान पूर्वक देखा जाता था उसे युग में माता सीता माता अनुसूया उर्मिला शकुंतला गार्गी जैसी स्त्रियों ने हमारे देश का सम्मान बढ़ाया था, महारानी कैकई तो राजा दशरथ के साथ युद्ध मैदान तक जाती थी उर्मिला के त्याग से कौन परिचित नहीं है, माता शबरी ने श्रीराम के इंतजार में पूरा जीवन व्यतीत किया था। इधर मध्यकाल आते-आते पुरुष प्रधान समाज हो गया और स्त्रियों की दुर्दशा होने लगी, सती प्रथा दहेज प्रथा पर्दा प्रथा बाल विवाह जैसी कुरीतियों समाज में फैलती चली गई, स्त्री को घर की चार दीवारी में रहने को मजबूर कर दिया। नारी की स्वतंत्रता को जैसे छीन लिया गया था। किंतु वर्तमान कल आते-आते राजा राममोहन राय ने सती प्रथा का अंत कराया, महर्षि दयानंद ने पुरुषों की भांति महिलाओं को भी समान अधिकार दिलाए, दहेज प्रथा जैसी भयावह प्रथा हालांकि पूर्ण रूप से विलुप्त नहीं हुई, किंतु लोगों के जागरूक होने के कारण इसमें कमी अवश्य आई। भारतीय महिलाओं में, माता जीजाबाई ने शिवाजी जैसा महान देशभक्त भारत को दिया, रजिया सुल्तान और लक्ष्मीबारी बाई के शौर्य को कौन भूल सकता है।

आज की स्त्रियों में मैरी कॉम, कल्पना चावला, किरण बेदी, पीटी उषा, सानिया मिर्जा, साइना नेहवाल, विनेश फोगाट के प्रदर्शन को कौन भूल सकता है। आज की स्त्री पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में कार्य कर रही है, एक ओर जहां वह घर गृहस्ती संभालती है, तो दूसरी ओर वह अनेकों कार्य क्षेत्र में भी अपना दबदबा बनाए हुए हैं। आज की स्त्री चाहे वह शिक्षा विभाग हो, पुलिस विभाग हो, रक्षा विभाग हो, सभी महकमों में पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहीं हैं। आज की महिला एक ओर डॉक्टर है, इंजीनियर है, शिक्षिका है, तो दूसरी ओर वह एक मां है, बहन है, पत्नी है, बेटी है और इन सभी रिश्तों को वह बखूबी संभाल लेती है। महिलाओं को लेकर सुभाष चंद्र ने एक बहुत अच्छी बात कही थी कि ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे हमारे देश की महिलाएं नहीं कर सके, ऐसा कोई त्याग और पीड़ा नहीं जिसे वह सहन नहीं कर सके।

यह बात बहुत सत्य है की महिलाओं में पुरुषों की अपेक्षा सहनशक्ति अधिक होती है, एक महिला ही होती है जो दो परिवारों को एक साथ लेकर चलती है, कहते हैं कि अगर एक महिला पढ़ी लिखी है तो समझो उसे घर की एक पीढ़ी पढ़ी लिखी हो जाती है। आज की महिलाएं पुरुषों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है और वर्तमान समाज भी जागरूक हो चला है। वह अच्छी तरह समझ चुका है की एक स्त्री को शिक्षित करना कितना जरूरी हो गया है। हमारे देश में प्रधानमंत्री से लेकर आज राष्ट्रपति तक का कार्यभार महिला संभाल चुकी है। महिलाओं की सुंदर इच्छा शक्ति की मिसाल इससे सुंदर और क्या हो सकती है। अब वह बातें पुरानी हो गई जब कहा जाता था, महिला जीवन है तुम्हारी यही कहानी/आंचल में है दूध और आंखों में पानी।

सोशल फोरम

आने वाले दस वर्षों में बदल जाएंगी दुनिया में नौकरियां

मनोज अभिज्ञान
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

21वीं सदी की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि ज्ञान अब स्थायी नहीं रहा। जिस तकनीक या विचार को आप दस साल पहले पढ़ चुके हैं, हो सकता है वह आज पूरी तरह अप्रासंगिक हो।

हाल ही में आई यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले दस वर्षों में दुनिया की 40 प्रतिशत नौकरियां पूरी तरह बदल जाएंगी, और जिन कौशलों की आज मांग है, वे कल अप्रासंगिक हो सकते हैं। फिर भी हमारी शिक्षा व्यवस्था आज भी उसी पुरानी लीक पर चल रही है। एक बार डिग्री ले लो, फिर ज़िंदगी भर वही ज्ञान घसीटते रहो। भारत में औसतन 85 प्रतिशत लोग कॉलेज जाने से वंचित रह जाते हैं, और जो जाते हैं, उनमें से आधे से ज्यादा कभी अपने सीखे हुए विषय में काम नहीं करते। फिर ये डिग्री का दंभ किस बात का?

नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत में 25 से 45 साल की उम्र के बीच करीब 75 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो अपना पेशा बदलना चाहते हैं या नई चीज़ें सीखना चाहते हैं, पर उन्हें उम्र, फीस, या डिग्री की अड़चनों के कारण रोक दिया जाता है। क्या यह शिक्षा का लोकतंत्र है? अगर कोई मजदूर या किसान गणित पढ़ना चाहे, या कोई गृहिणी 50 की उम्र में दर्शनशास्त्र में रिसर्च करना चाहे, तो उन्हें रास्ता क्यों नहीं मिलता?

शिक्षा को संस्थानों की जागीर नहीं, हर नागरिक का हक़ बनाना चाहिए। कोरिया, फिनलैंड, जर्मनी जैसे देश लाइफ लॉन्ग लर्निंग को कानूनी अधिकार बना चुके हैं। नई शिक्षा नीति 2020 भले ही 'फ्लेक्सिबल लर्निंग' की बात करती हो, लेकिन ज़मीनी सच्चाई ये है कि भारत में अभी भी 90 प्रतिशत विश्वविद्यालय एज बैरियर और एंट्री क्वालिफिकेशन के आधार पर सीखने की इच्छा रखने वाले लाखों लोगों को बाहर का रास्ता दिखा देते हैं। क्या हम शिक्षा में यही व्यवस्था बने रहने देना चाहते हैं, जहां पढ़ने की ललक पर तमाम प्रतिबंध हैं?

21वीं सदी की सबसे बड़ी सच्चाई यही है कि ज्ञान अब स्थायी नहीं रहा। जिस तकनीक या विचार को आप दस साल पहले पढ़ चुके हैं, हो सकता है वह आज पूरी तरह अप्रासंगिक हो। इंटरनेट के ज़माने में हर तीन साल में ज्ञान का अद्यतन होना आवश्यक हो गया है। हमारे समाज में आज भी यह मान्यता गहराई से बैठी है कि जिसके पास डिग्री है, वही जानता है। जबकि सच्चाई इसके ठीक उलट है। लाखों लोग ऐसे हैं जो डिग्री तो नहीं ले सके, लेकिन अपने क्षेत्र में वर्षों की साधना और अनुभव से गहरे जानकार बन चुके हैं। वहीं दूसरी ओर, डिग्रीधारी लोग भी ऐसे मिलेंगे जिनकी शिक्षा कभी उपयोग में नहीं आई, न उनके लिए, न समाज के लिए। **–फेसबुक वॉल से**

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharlucknow@gmail.com आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।)

गौरवशाली अतीत की झांकी है
बरेली का रंगमंच

रंगमंच केवल अभिनय भर नहीं, समाज की संवेदनाओं, विडंबनाओं और सांस्कृतिक चेतना को मंच पर जीवंत रूप देने का सशक्त माध्यम है। बरेली, जो उत्तर भारत के सांस्कृतिक नक्शे पर खास पहचान रखता है, रंगमंच के क्षेत्र में भी गौरवशाली अतीत समेटे हुए है। यहां का रंगमंच तीन ऐतिहासिक दौरों से गुजरा है, पारसी थियेटर, समाजसेवी रंगयात्रा और आधुनिक युग। 19वीं सदी में जब पारसी थियेटर का प्रभाव पूरे उत्तर भारत में फैला हुआ था, बरेली का रंगमंच भी उसके प्रभाव से अछूता नहीं रहा। इस दौर में पारसी थियेटर ने भी बरेली में अपनी जड़ें जमाईं। तत्कालीन स्थानीय थियेटर कंपनियों ने शेक्सपियर के साथ संस्कृत के नाटकों को हिंदी में मंचित कर लोगों को रंगमंच से जोड़ा। बरेली के मौलवी करीमुद्दीन ने पारसी मंचीय शैली को भारतीय रूप देकर स्थानीय दर्शकों में लोकप्रिय बनाया। रंगमंच का दूसरा दौर पं. राधेश्याम कथावाचक का माना जाता है। वह कथावाचक होने के साथ उत्कृष्ट नाटककार भी थे। उनके द्वारा वर्ष 1927 में लिखे गए उर्दू नाटक 'मशरिकी हूर' ने रंगमंच जगत में नई पहचान बनाई। उनके अन्य नाटक 'वीर अभिमन्यु', 'श्रवणकुमार', 'परमभक्त प्रहलाद', 'श्रीकृष्ण अवतार', 'रुक्मिणी मंगल' जैसे नाटकों ने पेशावर, लाहौर, अमृतसर, दिल्ली, ढाका तक विख्यात हुए। बरेली रंगमंच का तीसरा दौर वर्तमान है, जिसमें बरेली के कलाकार अपनी सांस्कृतिक विरासत को न सिर्फ संजोए हुए हैं, बल्कि नई पीढ़ी तक सक्रिय रूप से पहुंचा रहे हैं।

पं. राधेश्याम ने दिखाई नई राह तो मुंशी प्रेमचंद मिलने आए

- समय बदला तो बरेली के रंगमंच को पं. राधेश्याम कथावाचक ने नई दिशा दी। उनके नाटक पेशावर, रावलपिंडी, लाहौर, मद्रास, कलकत्ता तक खेले जाते थे। लेखन के साथ ही उन्होंने दृश्य संयोजन, रूप सज्जा, वेशभूषा, अभिनय, संवाद अदायगी, नृत्य और संगीत के क्षेत्र में भी गजब का काम किया। पारसी थियेटर के मशहूर अभिनेता मास्टर फिदा हुसैन नरसी और सोहराब मोदी जैसे कलाकार पं. राधेश्याम कथावाचक को अपना गुरु मानते थे। 1930 के दशक में उनके लेखन से प्रभावित होकर नाटकों की भाषा-शैली पर विचार-विमर्श के लिए मुंशी प्रेमचंद तीन बार बरेली में पंडित राधेश्याम से मिलने आए।

... जब पृथ्वीराज कपूर के नाटक ने जमकर बटोरी थीं तालियां

- बरेली के रंगमंच की लगातार प्रगित करने की ख्याति धीरे-धीरे दूर-दूर तक फैली तो वर्ष 1955 में मुंबई से उस समय के दिग्गज अभिनेता पृथ्वीराज कपूर भी यहां नाटक खेलने के लिए आए। इस यात्रा में अभिनेता राज कपूर और शम्मी कपूर भी उनके साथ थे। हिंद टॉकीज में 'पठान' नाटक का जोरदार मंचन हुआ। दर्शक पूरे समय मंत्रमुग्ध होकर बैठे रहे। इस नाटक में पृथ्वीराज कपूर की प्रस्तुति का बरेली वासियों ने ढेरों तालियों से खड़े होकर स्वागत किया। तीनों सुपरस्टारों ने बरेली की जनता का प्यार लुटाने के लिए कई बार सिर झुकाकर आभार जताया।

रंगमंच की यात्रा को आगे बढ़ा रहीं एक दर्जन संस्थाएं

- बरेली में ऑल इंडिया कल्चरल एसोसिएशन, रंग विनायक रंगमंडल, रंग प्रशिक्षु समेत एक दर्जन से अधिक संस्थाए रंगमंच के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। वहीं, स्वर्गीय जेसी पालीवाल डॉ. ब्रजेश्वर सिंह, अंबुज कुकरेती, राकेश श्रीवास्तव, अमित रंगकर्मी, राजेंद्र सिंह, गरिमा सक्सेना, मोहनीश हिदायत, बृजेश तिवारी, लव तोमर, संजय मद, मीना सोंधी समेत 200 से अधिक रंगकर्मी हैं। बरेली में मानव कौल सरीखे कलाकार आकर रंगमंच पर अपनी अदाकारी दिखा चुके हैं। सुधीर पांडेय, रघुवीर यादव, कुलभूषण खरबंदा, कुमुद मिश्रा जैसे बॉलीवुड कलाकार भी बरेली में रंग जमा चुके हैं।

विंडरमेयर से निकले रंगकर्मी बॉलीवुड की दुनिया के सितारे

- रंगमंच को नई पहचान देने के लिए डॉ. बृजेश्वर सिंह ने विंडरमेयर थियेटर शुरू किया। डॉ. बृजेश्वर बताते हैं कि वर्ष 2009 में ललित कपूर के साथ मिलकर उन्होंने 200 से अधिक कलाकारों के ऑडिशन लिए। इनमें से 30 रंग कर्मियों का चयन किया गया। इनके साथ मिलकर रंग विनायक रंगमंडल बनाया गया, जो बीते 15 साल से थियेटर फेस्ट का आयोजन कर रहा है। विंडरमेयर के 'रंग अंभग', 'जब शहर हमारा सोता है', 'खामोश अदालत जारी है', 'मत विलास' जैसे नाटकों ने सामाजिक रूढ़िवादिता को रंगमंच के रूप में आमजन के सामने रखा। विंडरमेयर से निकले कई कलाकार आज बॉलीवुड से लेकर छोटे पर्दे पर भी अपनी छाप छोड़ रहे हैं। सृष्टि माहेश्वरी, नेहा चौहान और शिवा समेत कई रंगकर्मी बॉलीवुड में काम कर रहे हैं।

1895
में विक्टोरिया ड्रामा कंपनी के बाद जुबली थियेटर की धूम

बरेली में 130 साल पहले वर्ष 1895 में विक्टोरिया ड्रामैटिक थिएट्रीकल कंपनी के नाम से रंगमंच की पहली कंपनी शुरू हुई थी। जमींदार अमीनउद्दीन खां ने इसकी स्थापना की थी। इस कम्पनी के एमडी मिर्जा नजीर बेग थे। इसके प्रसिद्ध नाटकों में राम लीला उर्फ मार्का ए लंका, माहीगीर, इन्द्रसभा आदि थे। वर्ष 1900 के आसपास बरेली के रईस औलाद अली ने जुबली थियेटर कंपनी शुरू की। इस कंपनी का गुलरू जरीना नाटक खूब खेला गया। कहा जाता है कि तब इस नाटक के गानों को जनता की फरमाइश पर चार-चार बार सुना जाता था।

"तबला वादन और कथक नृत्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का मधुर संगीत सुनाता है लखनऊ घराना...

'खुला बाज' की थाप पर नजाकत भरे हाव-भाव

तबला वादन और कथक नृत्य की प्रमुख शैली लखनऊ घराना जिसे 'पूरब घराना' भी कहा जाता है, अपनी तमाम विशिष्टताओं जैसे कि तबला वादन में 'खुला बाज' या 'हथेली का बाज' और कथक में 'नजाकत' तथा अदा की नफासत पर जोर देने के लिए जाना जाता है। यह घराना भारतीय शास्त्रीय कलाओं में समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सैर भी कराता है। लखनऊ घराने के प्रमुख तबला कलाकारों में उस्ताद आफाक हुसैन खान, पंडित स्वपन चौधरी, उस्ताद जुल्फिकार हुसैन, खलीफा वाजिद हुसैन खान, खलीफा आबिद हुसैन खान, मुन्ने खान और बेगम अख्तर के नाम गिने जाते हैं, तो कथक के क्षेत्र में पंडित बिरजू महाराज, बिंदादीन महाराज, शंभू महाराज, और लच्छू महाराज प्रमुख कलाकार हैं।

लखनऊ घराना का इतिहास दिल्ली घराने से निकलने का है, लेकिन कथक नृत्य का विकास लखनऊ के नवाबों के साथ हुआ। दरअसल, मुगलों ने कथक को मंदिरों से दरबारों में और कलाकारों में पुरुषों से महिलाओं की ओर मोड़ दिया था। कथक की परंपराएं आमतौर पर एक से दूसरी पीढ़ी में पहुंचती रहीं। इसके चलते ही लखनऊ के अलावा कथक के दो और घराने जयपुर व बनारस विकसित हुए। लखनऊ घराने का कथक नर्तक अपनी कलाइयों और अंगुलियों को एक हाथ की मुद्रा से दूसरी कोमल मुद्रा में बदलने की अनूठी कला के बीच अपने हाव-भाव से देखने वालों का दिल जीत लेता है।

इतिहास दिल्ली घराना से निकलने का, लेकिन मुगलों ने कथक नृत्य को मंदिरों से दरबारों और कलाकारों में पुरुषों से महिलाओं की ओर मोड़ने का काम किया

लखनऊ घराना

कलाइयों व अंगुलियों की एक हाथ की मुद्रा से दूसरी कोमल मुद्रा में बदलने की अनूठी कला ने दिल जीता

बिरजू महाराज ने कथक को नई ऊंचाई पर पहुंचाया

- पंडित बिरजू महाराज लखनऊ घराने के प्रसिद्ध कथक नर्तक थे। उनका पूरा नाम बृज मोहन नाथ मिश्र था। लखनवी कथक के पर्याय बिरजू महाराज लखनऊ घराने की प्रमुख शाखा कालका-बिंदादीन घराने से ताल्लुक रखते थे। है। उनके पिता अच्छन महाराज और चाचा शंभू महाराज भी प्रसिद्ध कथक नर्तक थे।
- लखनऊ घराने का तबला वादन पूरी हथेली के इस्तेमाल, अंगुलियों के साथ हथेली का उपयोग और तेज, नाजुक भराव के लिए जाना जाता है। इस घराने की स्थापना उस्ताद बक्शू खान और मोदू खान ने की थी, जो दिल्ली के उस्ताद सिद्धार खान के भतीजे थे और लखनऊ के शासक नवाब आसफउद्दौला के बुलावे पर दिल्ली से लखनऊ आकर बस गए थे। उन दिनों लखनऊ संगीत और नृत्य के लिए प्रसिद्ध था। यह देखकर उन्होंने नृत्य करते समय नर्तकियों द्वारा पहने जाने वाले घुंघरू या घंटियों की ध्वनि से मेल खाने के लिए तबले और पखावज के मिश्रण का उपयोग शुरू कर दिया। इसी शैली में एक ऊंची ध्वनि जोड़ी को 'खुल्ला बाज' नाम से जाना जाने लगा। इस घराने को थपिया बाज (थपिया मतलब हथेली) भी कहा जाता है। इसमें अंगुलियों के साथ हथेली का भी उपयोग होता है।

रेम्ब्रांट और मुगल लघु चित्र
दो परंपराओं का अनूठा संवाद

डच चित्रकार रेम्ब्रांट।

रेम्ब्रांट का बनाया मुगल दरबार का चित्र।

- रेम्ब्रांट वान रिजन (1606–1669) यूरोप के डच स्वर्णयुग के एक महानतम चित्रकार माने जाते हैं। उनकी कला में प्रकाश-छाया का अद्वितीय संतुलन, मानवीय भावनाओं की गहराई और धार्मिक तथा ऐतिहासिक विषयों की गूढ़ प्रस्तुति दिखाई देती है। रेम्ब्रांट अपनी आत्मकथात्मक शैली, यथार्थवाद और संवेदनशील चित्रण के लिए विख्यात हैं। लेकिन एक रोचक और कम चर्चित पहलू यह भी है कि रेम्ब्रांट का एक विशेष काल में भारतीय मुगल लघुचित्रों से गहरा आकर्षण रहा। सन 1650 के दशक में, जब रेम्ब्रांट आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे थे, तब उन्होंने कुछ नए रूपों और शैलियों का अध्ययन करना आरंभ किया। इसी दौरान उनके संपर्क में भारतीय मुगल दरबार की लघुचित्र परंपरा आई, जो कि डच व्यापारियों के माध्यम से यूरोप में पहुंची थी। अविभाजित भारत के मुगल दरबारों में बनी रंगीन, बारीक और बेजोड़ कलाकृतियां रेम्ब्रांट को इतनी प्रेरक लगीं कि उन्होंने इन चित्रों की नकल नहीं की, बल्कि अपने रेखा चित्रण के जरिये उसकी पुनर्व्याख्या की।

लेखक- सुमन सिंह
चित्रकार के साथ कला संबंधी विषयों के जानकार। एक राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र में कला संपादक पद से अवकाश प्राप्त।

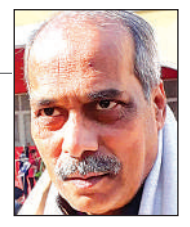

डच स्वर्ण युग के महान चित्रकार रेम्ब्रांट वान रिजन ने सन 1650 की शुरुआत में मुगल लघु चित्रों पर आधारित चित्रों का एक ऐसा अनूठा सेट तैयार किया था, जिसमें शाहजहां, जहांगीर, दारा शिकोह समेत तमाम मुगल दरबारियों और सूफियों के चित्र शामिल थे। वर्तमान में इनमें से 23 चित्र ही बचे हैं, जो दुनिया भर के विभिन्न संग्रहालयों में संरक्षित हैं, इनमें ब्रिटिश संग्रहालय, क्लीवलैंड म्यूजियम ऑफ आर्ट, जे पॉल गेट्टी म्यूजियम और रिज्क्समयूजियम के साथ-साथ निजी संग्रह भी शामिल हैं। ये चित्र एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ कला के क्षेत्र में नया संवाद स्थापित करने के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही उस दौर में व्यापारिक जहाजों द्वारा स्थापित वैश्विक नेटवर्क को समझने की नई समझ प्रदान करते हैं।

बैक स्टेज मेहनत से बाहर आता भीतर का कलाकार

युवा अगर अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो संयम रखना बेहद जरूरी है। सफलता पाने या एक्टर बनने का कोई शार्टकट नहीं है। इसके लिए बैक स्टेज काफी मेहनत करनी पड़ती है। यह कहना है, टीवी इंडस्ट्री में स्थान बनाने के बाद अपनी मेहनत से बड़े पर्दे पर मुकाम बनाने वाले शहर के अभिनेता विजयभान सिंह का। अमृत विचार के कानपुर कार्यालय पहुंचे विजयभान ने कहा कि युवा एक्टिंग सीखने और अभिनय को पेशा बनाने की दौड़ में शिक्षा के महत्व को न नकारें। पढ़ाई को भी पूरा समय दें, क्योंकि जब विषम परिस्थिति आती है तो शिक्षा ही साथ देती है और हमारा तथा परिवार का पेट भरती है।

बड़े पर्दे पर जल्द रिलीज होने वाली फिल्म 'श्रगाल' में बतौर पुलिस अधिकारी का रोल निभाने वाले विजय भान ने बताया कि उनकी यह फिल्म शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार पर आधारित है। भ्रष्टाचार के चलते बच्चे कैसे बिगड़ते हैं, इस विषय का समाज को झकझोरने वाले अंदाज में फिल्मांकन किया गया है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब रिलीज की तैयारी चल रही है। फिल्म की शूटिंग कानपुर और मुंबई समेत देशके कई शहरों में हुई है। कानपुर के पीएसआईटी कॉलेज में भी फिल्म का काफी हिस्सा फिल्माया गया है। विजयभान की बालीवुड की नई वेब सीरीज 'कबूल है' की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है।

- रंगमंच व टीवी के बाद बड़े पर्दे पर भी कानपुर के विजयभान सिंह ने बनाई पहचान

रंगमंच से शुरू की अभिनय यात्रा पर पढ़ाई नहीं छोड़ी

- विजयभान ने कानपुर के क्राइस्टचर्च इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट किया था। इसके बाद अभिनय यात्रा की शुरुआत रंगमंच से की। लेकिन पढ़ाई नहीं छोड़ी। यूपीएसआईडीसी में कनिष्ठ सहायक की नौकरी मिली तो ज्वाइन कर ली। अपने चार दशक के अभिनय के सफर में विजयभान ने 100 से ज्यादा स्टेज शो किए हैं। उन्हें ख्याति टीवी धारावाहिक सावधान इंडिया तथा मौका-ए-वारदात से मिली।
- विजयभान ने सावधान इंडिया धारावाहिक में पुलिस अधिकारी, अपराधी या किडनैपर जैसे कई लीड रोल किए हैं। एंड टीवी पर के धारावाहिक मौका ए वारदात में उनके 'गायब दूल्हा' एपिसोड को खूब सराहना मिली थी। उनके द्वारा अभिनीत अनेक शॉर्ट फिल्में भी काफी पसंद की गई हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,337.95	24,821.10
बढ़त	446.93	140.20
प्रतिशत में	0.55	0.57

सोना : 97,820 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,13,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 30 जुलाई 2025

www.amritvichar.com

बिजीनेस ब्रीफ

नए आयकर विधेयक में कर दरों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने मंगलवार को कहा कि नए आयकर विधेयक में कर की किसी भी दर में बदलाव का प्रस्ताव नहीं है। नए आयकर विधेयक, 2025 में दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर कर दरों में बदलाव का प्रस्ताव होने की खबरों पर स्पष्टीकरण देते हुए विभाग ने कहा, यह (विधेयक) करों की किसी भी दर में बदलाव का प्रस्ताव नहीं करता है। आयकर विभाग ने कहा कि इस संबंध में किसी भी अस्पष्टता का विधेयक पारित होने के दौरान उचित रूप से समाधान किया जाएगा। विभाग ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि आयकर विधेयक, 2025 का मकसद भाषा को सरल बनाना और अनावश्यक या अप्रचलित प्रावधानों को हटाना है।

सिंधिया ने संचार साथी हितधारकों संग की बैठक

नई दिल्ली। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को 'संचार साथी' पहल के तहत हितधारकों के साथ बैठक की। इस पहल का मकसद दूरसंचार संबंधी साइबर धोखाधड़ी से निपटने के उपायों को मजबूत करना है। नागरिक केंद्रित डिजिटल सुरक्षा पहल संचार साथी में चोरी या खोए हुए फोन को ब्लॉक करने के लिए सीईआईआर, (केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर), डीआईपी (डिजिटल इंटेलिजेंस मंच), एएसटीआर (नकली दस्तावेजों पर लिए गए कनेक्शन का पता लगाना) जैसी एआई आधारित प्रणालियां शामिल हैं। इसके अलावा संचार साथी में संभावित धोखाधड़ी का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए एफआरआई (वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक) जैसे उन्नत उपकरण शामिल हैं।

ग्राहक टीवी का पीसी की तरह कर सकेंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो ने सदस्यता आधारित पर्सनल कंप्यूटर सेवा शुरू की है, जिससे ग्राहक सेट-टॉप बॉक्स की मदद से अपने टेलीविजन का इस्तेमाल पर्सनल कंप्यूटर की तरह कर सकेंगे। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 'जियोपीसी' सदस्यता 599 रुपये (जीएसटी को छोड़कर) से शुरू होने वाले मासिक प्लान के साथ उपलब्ध है। वार्षिक प्लान 4,599 रुपये (जीएसटी को छोड़कर) का है, जो प्रति माह लगभग 383 रुपये शुल्क है।

एल्गो ट्रेडिंग: ढांचे को लेकर समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को 'एल्गोरिथम ट्रेडिंग' में खुदरा निवेशकों की भागीदारी को सुगम बनाने के ढांचे को लागू करने की समयसीमा दो महीने बढ़ाकर एक अक्टूबर कर दी है। एल्गोरिथम ट्रेडिंग के तहत तेजी से ऑर्डर दिए जा सकते हैं और बेहतर नकदी लाभ मिलते हैं। इस समय केवल संस्थागत निवेशकों को ही एल्गोरिथम (एल्गो) ट्रेडिंग में निवेश करने की अनुमति है। सेबी ने फरवरी में एल्गोरिथम ट्रेडिंग में खुदरा निवेशकों की सुरक्षित भागीदारी पर एक परिपत्र जारी किया था। परिपत्र के प्रावधान एक अगस्त, 2025 से प्रभावी होने थे।

सेबी ने भेदिया कारोबार के लिए जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने मंगलवार को एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भेदिया कारोबार के लिए रूपेश सतीश दलाल एचयूएफ पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। ये सौदे दोनों कंपनियों के विलय के दौरान किए गए। सेबी ने कहा कि रूपेश सतीश दलाल एचयूएफ के पास विलय से संबंधित अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी (यूपीएसआई) थी।

शेयर ट्रेडिंग में युवाओं की बढ़ी भागीदारी, मोबाइल एप बने पहली पसंद

यूजर फ्रेंडली इंटरफेस, रियल टाइम चार्ट और डेटा व कहीं से भी ट्रेडिंग की सुविधा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शेयर बाजारों की पहुंच और भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। उसमें सबसे बड़ा योगदान मोबाइल एप आधारित ट्रेडिंग का है। खासतौर पर डिस्काउंट ब्रोकिंग कंपनियों के 80 प्रतिशत निवेशक मोबाइल एप पर सक्रिय हैं। शेयर विशेषज्ञों की माने तो फिलहाल सिर्फ 20 फीसदी ट्रेडर्स ही डेस्कटॉप या अन्य माध्यम को चुनते हैं।

शेयर बाजार में आए नए रुझान पर आर्थिक सलाहकार राजीव सिंह ने बताया कि शेयर ट्रेडिंग के लिए मोबाइल एप युवाओं की खास पसंद बना हुआ है। इसकी कई वजह भी हैं। इनमें यूजर फ्रेंडली इंटरफेस, रियल टाइम चार्ट और डेटा, कम ब्रोकरेज व कहीं से भी ट्रेडिंग की सुविधा सहित ट्रेडिंग व निवेश दोनों का विकल्प होना शामिल हैं। मोबाइल एप से ट्रेडिंग को बढ़ावा देने में डिस्काउंटेड ब्रोकर्स की बड़ी भूमिका मानी जा रही है।

युवाओं की बढ़ी सक्रियता और टेक्नोलॉजी के मिश्रण ने इसको और रफ्तार दी है। डिस्काउंट ब्रोकिंग कंपनियों से जुड़े करीब 80 प्रतिशत निवेशक मोबाइल एप से ट्रेडिंग करना पसंद करते हैं। 20 प्रतिशत डेस्कटॉप या अन्य माध्यम को चुनते हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के वेबसाइट के आंकड़ों के अनुसार, यूपी में रजिस्टर्ड

निवेशकों की संख्या करीब 2.54 करोड़ तो कानपुर में 11 लाख से ज्यादा का अनुमान है। ब्रोकर्स के ऑफिस में फोन करके खरीद-बेच करने वाले ट्रेडर्स की संख्या अब बहुत कम हो चुकी है। जब मोबाइल एप का प्रचलन नहीं था तब ब्रोकर्स के ऑफिस में आकर या फोन करके ट्रेड करते थे। जब ट्रेडर्स ऑनलाइन ट्रेडिंग करते हैं तो ब्रोकिंग कंपनियों के सामने कम्प्लाइंस के अनुपालन की समस्या कम रहती है। इसलिए कंपनियां भी इसे बढ़ावा दे रही हैं।

ऑप्शन ट्रेडिंग की ओर युवाओं का रुझान

- ऑप्शन खरीद कर ट्रेडिंग करने में सीमित नुकसान जबकि असीमित मुनाफे का मौका रहता है, साथ ही इसमें बहुत ही तेज मूवमेंट होता है जिससे ट्रेडर्स खासकर युवाओं के बीच बहुत ही लोकप्रिय है। एल्गो ट्रेडिंग और मोबाइल एप का चलन बढ़ने से ऑप्शन ट्रैडिंग में सक्रियता तेजी से बढ़ी है। यह तकनीक बाजार के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण बहुत तेजी से करता है और उस आधार पर निवेश के फैसले लेता है। एल्गो ट्रेडिंग के इस्तेमाल से खरीदने और बेचने की रफ्तार काफी तेज हो जाती है। ऐसा नहीं है कि एल्गो ट्रेडिंग में केवल मुनाफा ही होता है, यहां नुकसान होने की भी उनती ही संभावनाएं हैं।

बाजार का आकलन जरूरी

- निवेश करने से पहले यह समझना जरूरी है कि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होते रहते हैं। किसी भी कंपनी के शेयर खरीदने से पहले उसकी वित्तीय स्थिति, प्रबंधन, बाजार में स्थिति और विकास की संभावनाओं का विश्लेषण करना आवश्यक है। इसी तरह म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय यह देखना चाहिए कि उस फंड का पिछला प्रदर्शन कैसा रहा है और उसका पोर्टफोलियो किन कंपनियों में निवेशित है।

छोटे वीडियो, संक्षिप्त जानकारी

- सोशल मीडिया पर देखे गए छोटे वीडियो निवेश की दुनिया के बारे में एक सीमित और संक्षिप्त जानकारी देते हैं। ये रील्स अक्सर एकतरफा होती हैं, जहां लाभ के बारे में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, मगर संभावित जोखिमों का उल्लेख नहीं होता। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो की भरमार है। बिना पूरी जानकारी के निवेश करना उतना ही खतरनाक है जितना बिना तैयारी के तूफान में नाव चलाना।

निवेशक गहन रिसर्च करें

- शेयर ट्रेडिंग में मोबाइल एप तेजी से बढ़ रहा है। बावजूद इसके यह जरूरी है कि निवेशक गहन रिसर्च और पुख्ता तौर पर बाजार के हाल पर नजर बनाकर ट्रेड करें। इसके अलावा तमाम तरह की रील देखकर शेयर में निवेश करना भी जोखिम भरा हो सकता है।

– राजीव सिंह, आर्थिक सलाहकार

अल्पकालिक सफलता की चाहत में अनैतिक तरीके अपना रहे कुछ बैंक

आरबीआई के डीजी ने दी चेतावनी, कहा- बैंकिंग प्रणाली की अखंडता में जनता का भरोसा कम होने का खतरा

मुंबई, एजेंसी

तेज प्रतिस्पर्धा का दबाव और अल्पकालिक सफलता की चाहत कुछ बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अनैतिक तरीके अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर (डीजी) स्वामीनाथन जे ने यह बात कही। उन्होंने पिछले शुक्रवार को तमिलनाडु के करूर में निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक के स्थापना दिवस समारोह में कहा कि ऐसे ऋणदाताओं के प्रबंधन को लगता है कि साध्य साधन को सही ठहराता है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की प्रथाओं से बैंकिंग प्रणाली की अखंडता में जनता का भरोसा कम होने का खतरा है। डिप्टी गवर्नर ने अपने संबोधन में कहा, तेज प्रतिस्पर्धा का दबाव और

अल्पकालिक सफलता की चाहत से प्रेरित होकर, कुछ बैंकों और एनबीएफसी के प्रबंधन का मानना है कि साध्य साधन को सही ठहराता है। केंद्रीय बैंक ने यह भाषण मंगलवार को अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किया।

उन्होंने कहा कि कुछ ऋणदाता रचनात्मक लेखांकन और नियमों की उदार व्याख्या जैसी प्रथाओं का सहारा ले रहे हैं, और कुछ बोर्डरूम में अपर्याप्त आंतरिक नियंत्रणों को सामान्य बनाया जा रहा है। वाणिज्यिक बैंकर से नियामक बने स्वामीनाथन ने कहा, बोर्डरूम से लेकर शाखा तक, नैतिक प्रथाओं से जुड़ी और उनमें निहित प्रणालियों, लोगों और प्रक्रियाओं के साथ वृद्धि महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बैंक बोर्ड और प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वे उत्तरदायी सेवा, विश्वसनीय प्रणालियों और जिम्मेदार नेतृत्व के जरिये कड़ी मेहनत से हासिल भरोसे को और मजबूत करें।

आरबीआई ने एआईएफ योजना में बैंक के निवेश की सीमा 10 प्रतिशत तय की

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को बैंकों और एनबीएफसी सहित किसी एकल विनियमित संस्था (आरई) द्वारा वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) योजना में निवेश की सीमा कोष के 10 प्रतिशत तक तय की। भारतीय रिजर्व बैंक (एआईएफ में निवेश) निर्देश, 2025 के मुताबिक किसी भी एआईएफ योजना में सभी विनियमित संस्थाओं का कुल योगदान उस योजना के कोष के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। आरई से तात्पर्य बैंकों, एनबीएफसी और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों से है। आरबीआई ने दिसंबर, 2023 और बाद में मार्च, 2024 में एआईएफ में रिजर्व बैंक की विनियमित इकाइयों द्वारा निवेश के संबंध में नियामक दिशानिर्देश जारी किए थे। आरबीआई ने मंगलवार को एक परिपत्र में कहा कि दिशानिर्देशों की समीक्षा उद्योग जगत की प्रतिक्रिया के साथ ही सेबी के नियमों को ध्यान में रखते हुए की गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के उक्त नियम निवेशकों और एआईएफ के निवेश की विशिष्ट जांच से संबंधित हैं। परिपत्र में कहा गया, कोई भी विनियमित इकाई व्यक्तिगत रूप से किसी एआईएफ योजना के कोष में 10 प्रतिशत से अधिक का योगदान नहीं करेगी।

स्मार्टफोन निर्यात में चीन से आगे भारत

भारत अब आधिकारिक तौर पर अमेरिका को स्मार्टफोन का सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। इस मामले में पहली बार चीन को पीछे छोड़ दिया है। इस बदलाव का मुख्य कारण एप्पल का भारत में विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार है। 2025 की अप्रैल-जून तिमाही में अमेरिका के स्मार्टफोन आयात का 44% हिस्सा भारत से आया, जो पिछले वर्ष केवल 13% था। दूसरी ओर, चीन का हिस्सा 61% से घटकर 25% हो गया।

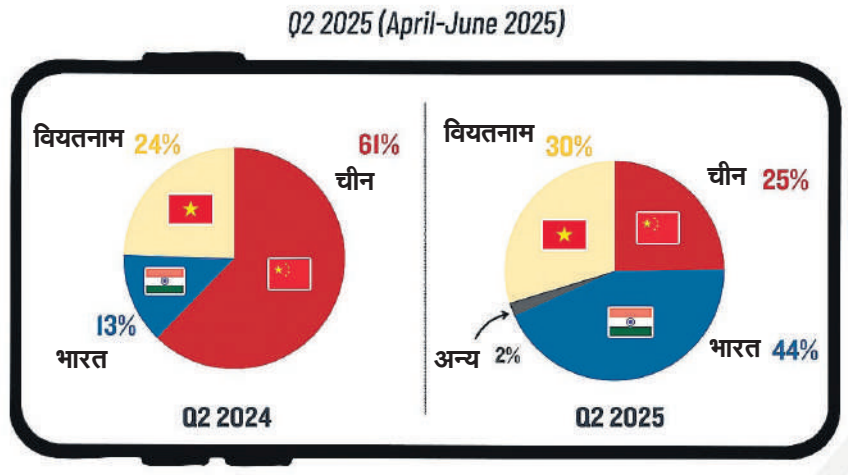

वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि का आईएमएफ ने जताया अनुमान

वाशिंगटन, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी व्यापार नीतियों का असर अनुमान से कम रहने के आधार पर वैश्विक अर्थव्यवस्था और अमेरिका की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ा दिया है। आईएमएफ ने साल 2025 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तीन प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जो 2024 के 3.3 प्रतिशत के आंकड़े से कम होने के बावजूद इस साल अप्रैल के 2.8 % पूर्वानुमान से अधिक है।

वर्ष 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 3.1 प्रतिशत रहने की संभावना है। आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 और उसके अगले साल 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। इस तरह भारत एक बार फिर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री

- इस साल अप्रैल के 2.8 प्रतिशत पूर्वानुमान से अधिक

पियरे-ओलिवर गोरिन्शास ने कहा, व्यापार से जुड़े तनाव में मामूली कमी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति को अब तक संभाल रखा है। हालांकि, यह स्थायित्व स्थिर नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो अप्रैल को अधिकांश देशों से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत या उससे अधिक के शुल्क लगाए थे।

व्यापार समझौते पर वार्ता के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को आएगा भारत

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता के लिए अमेरिकी दल 25 अगस्त को भारत आएगा। एक अधिकारी कहा कि एक अगस्त की समयसीमा नजदीक आने के साथ ही दोनों पक्ष एक अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत जारी रखेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत (26 प्रतिशत) सहित दर्जनों देशों पर लगाए गए शुल्क की निलंबन अवधि एक अगस्त को समाप्त हो रही है। अमेरिकी दल छठे दौर की वार्ता के लिए भारत आ रहा है। भारत और अमेरिकी दलों ने पिछले हफ्ते वाशिंगटन में समझौते के लिए पांचवें दौर की वार्ता पूरी की। भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल और दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए अमेरिकी सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच इसमें शामिल हुए। ये विचार-विमर्श महत्वपूर्ण हैं क्योंकि दोनों पक्ष एक अगस्त से पहले एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने इस साल दो अप्रैल को उच्च जवाबी शुल्क की घोषणा की थी।

पीई और वीसी वित्तीय बाजार के दो स्तंभ

निजी इक्विटी (पीई) और वेंचर कैपिटल (वीसी) कोष आधुनिक वित्तीय बाजार के दो स्तंभ हैं, जो नवाचार, विकास और आर्थिक प्रगति को बढ़ाते हैं। ये कोष ऐसे निवेश साधन हैं, जो निजी कंपनियों या उभरते हुए स्टार्टअप्स में निवेश करते हैं। निजी इक्विटी फंड स्थिर और परिपक्व कंपनियों को लक्षित करते हैं, जबकि उद्यम पूंजी कोष नवाचारशील, उच्च-विकास क्षमता वाली शुरुआती कंपनियों को समर्थन प्रदान करते हैं। दोनों ही निवेशकों के लिए उच्च रिटर्न की संभावना रखते हैं, परंतु इनमें जोखिम भी अधिक है। ये फंड भारत में स्टार्टअप और व्यवसायिक विकास के अहम स्रोत बनते जा रहे हैं।

क्या है निजी इक्विटी

निजी इक्विटी वह पूंजी है जिसे निवेशक निजी या सार्वजनिक कंपनियों को निजी बनाने के लिए निवेश करते हैं। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनियों में संरचनात्मक सुधार करके उनके मूल्य को बढ़ाना और भविष्य में लाभ के साथ बेचना है। यह निवेश 5–7 वर्षों की समयावधि के लिए होता है। इसमें संस्थागत निवेशक, पेंशन फंड या हाई नेटवर्थ वाले व्यक्ति होते हैं।

भारत में स्थिति

भारत में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के बढ़ने के साथ-साथ पीई और वीसी निवेश भी तेजी से बढ़ रहा है। 2024 में भारत में पीई/वीसी निवेश 60 बिलियन डालर के करीब पहुंच गया, जिसमें फिनटेक, हेल्थटेक और ई-कॉमर्स प्रमुख क्षेत्रों में रहे।

विकास के वाहक

निजी इक्विटी और उद्यम पूंजी कोष आज की अर्थव्यवस्था में नवाचार और विकास के वाहक हैं। ये न केवल कंपनियों को आर्थिक सहयोग प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें रणनीतिक दिशा और व्यावसायिक विशेषज्ञता भी देते हैं। भारत जैसे विकासशील देश में ये कोष आर्थिक प्रगति, रोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

मुख्य विशेषताएं:

- उच्च जोखिम, उच्च लाभ की संभावना
- स्टार्टअप्स के लिए शुरुआती पूंजी अक्सर तकनीकी, डिजिटल या हेल्थकेयर सेक्टर में निवेश
- निवेशकों की विशेषज्ञता और मार्गदर्शन भी मिलता है

क्या है उद्यम पूंजी

उद्यम पूंजी ऐसी निजी इक्विटी है, जो नवाचारशील, उभरती और उच्च-विकास क्षमता वाली स्टार्टअप कंपनियों में निवेश करती है। ये निवेश सामान्यत: शुरुआती चरण या विकास चरण में किया जाता है।

एअर इंडिया विमानों में डीजीसीए को ऑडिट में मिलीं 100 खामियां, सात गंभीर श्रेणी की

मुंबई, एजेंसी

विमानन सुरक्षा नियामक नागर विमानन महानिदेशालय को एयर इंडिया से संबंधित लगभग 100 उल्लंघनों और निष्कर्षों का पता चला है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उक्त उल्लंघन, निष्कर्ष प्रशिक्षण, चालक दल के आराम व कार्य अवधि के मानदंडों तथा हवाई क्षेत्र योग्यता सहित अन्य मुद्दों से संबंधित हैं।

उन्होंने बताया कि इनमें से सात स्तर-1 के उल्लंघन हैं, जिन्हें गंभीर सुरक्षा जोखिम माना जाता है और एयरलाइन को इन पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई करने की जरूरत होती है। एयर इंडिया ने एक बयान में निष्कर्षों के मिलने की पुष्टि की और कहा कि वह निर्धारित समयसीमा के भीतर डीजीसीए को अपना जवाब

देगी। ऑडिट के निष्कर्ष ऐसे समय में आए हैं, जब 12 जून को हुए विमान हादसे के बाद नियामक एयरलाइन की गहन जांच कर रही है। एयर इंडिया ने बयान में कहा, सभी एयरलाइन कंपनियां प्रक्रियाओं के परीक्षण और निरंतर सुदृढ़ीकरण करने के लिए नियमित ऑडिट से गुजरती हैं। एयर इंडिया का वार्षिक डीजीसीए ऑडिट जुलाई में हुआ था, जिसके दौरान लगातार सुधार की भावना से ऑडिट करने वालों के साथ पूरी पारदर्शिता

- एअर लाइन ने कहा- हम तय समयसीमा के भीतर नियामक को अपना देंगे जवाब

बरती गई थी।

एयरलाइन ने कहा, हमें निष्कर्षों के मिलने की सूचना है और हम तय समयसीमा के भीतर नियामक को अपना जवाब देंगे। साथ ही किए गए सुधारात्मक कार्यों का ब्योरा भी देंगे। एयर इंडिया अपने यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सूत्रों ने कहा, ऑडिट रिपोर्ट में प्रशिक्षण, चालक दल के आराम और कार्य अवधि के मानदंडों, प्रशिक्षण, अपर्याप्त चालक दल को पूरा करना और हवाई क्षेत्र योग्यता आदि से संबंधित कुल 100 उल्लंघन और निष्कर्ष हैं।

कवायद | 16 हजार परियोजनाओं में से 50 प्रतिशत में वाणिज्यिक संचालन शुरू, बाकी प्रगति पर

जीबीसी-5 से यूपी में बड़ा निवेश उतारने में जुटी राज्य सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-5 के जरिए प्रदेश में बड़ा निवेश उतारने की तैयारी में जुट गई है, जबकि पहले हो चुके सेरेमनी में निवेश के लिए आईं 16 हजार परियोजनाओं में से 50 प्रतिशत में वाणिज्यिक संचालन शुरू हो गया है। बाकी परियोजनाएं प्रगति पर हैं। निवेश परियोजनाओं में सबसे ज्यादा 62.25 प्रतिशत हिस्सा विनिर्माण क्षेत्र का है।

शासन के अधिकारियों के अनुसार वीवो, टाटा, अडानी, पेप्सिको, हल्दीराम, आइकिया समेत तमाम दिग्गज कंपनियों ने प्रदेश में भारी निवेश किया है। राज्य सरकार ने अब तक दो इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया। वर्ष 2018 में हुए समिट में 4.28 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले थे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में रिकॉर्ड 33.50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए ही राज्य

सरकार ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित कर रही है। सेवा क्षेत्र में 28.09 प्रतिशत परियोजनाएं हैं, जबकि शेष निवेश अवस्थापना और अन्य क्षेत्रों में हुआ है।

जीबीसी-5 से निवेश को मिलेगा नया आयाम : औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जीसीबी-5 के जरिये सरकार का लक्ष्य प्रारंभिक चरण में 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने का है। आयोजन की तारीख तक इसके 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है।

अब तक इन कंपनियों का निवेश

वीवो (आईटी व इलेक्ट्रॉनिक्स)	7429 करोड़	लिक्विड (यूपीसीडा)	3075 करोड़
टोरेंट गैस (औद्योगिक विकास)	2751 करोड़	एसएलएमजी बेवरेजेस	550 करोड़
टाटा पावर (नवीकरणीय ऊर्जा)	500 करोड़	आइकिया (रिटेल सेक्टर)	3400 करोड़
पेप्सिको (एफएमसीजी)	514 करोड़	जेके सीमेंट (सीमेंट)	400 करोड़
अडानी पावर	2500 करोड़	फेयर फॉक्स (आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स)	1200 करोड़
हल्दीराम (उद्यान क्षेत्र)	100 करोड़	डालमिया भारत लिमिटेड (सीमेंट)	600 करोड़
एसीसी सीमेंट (सीमेंट)	600 करोड़	हिंद टर्मिनल (लॉजिस्टिक्स)	1250 करोड़
आईओएजी	490 करोड़	एडवर्ब (आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स)	500 करोड़
एज्यूर पावर (यूपीनेडा)	1000 करोड़	एसटी टेलीमेडिया	1130 करोड़

क्रियान्वित परियोजनाएं

- **मथुरा :** एयर लिक्विड नॉर्थ इंडिया, वी35 फूड्स
- बदायूं-हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
- हापुड़-मून बेवरेजेस
- रायबरेली-आईनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स
- अमरोहा-अग्रिसिटी मासा प्रा. लि.
- गौतमबुद्धनगर-वेब वर्क्स इंडिया, लावा इंटरनेशनल
- बुलंदशहर-आर्टेक्स मिल्स
- हमीरपुर-रिमझिम इस्ताप
- मुजफ्फरनगर-ग्रीन गैस लिमिटेड
- लखनऊ-पीटीसी इंडस्ट्रीज, फीनिक्स मॉल
- नोएडा-अडानी इंटरप्राइजेज
- सुल्तानपुर-एसीसी सीमेंट
- बिजनौर-एसएलएमजी बेवरेजेस
- कानपुर-स्पर्श इंडस्ट्रीज

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन में भारी बारिश से 34 लोगों की मौत

ताइशितुन। चीन की राजधानी बीजिंग में भारी बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में 30 लोगों की मौत हो गई। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने बताया कि सोमवार आधी रात तक बीजिंग के बुरी तरह प्रभावित मियुन जिले में 28 और यानकिंग जिले में दो लोगों की मौत होने की सूचना मिली है। इलाके में रात भर भारी बारिश हुई। बीजिंग में 80,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जिनमें मियुन के लगभग 17,000 लोग शामिल हैं। इससे पहले सोमवार को जारी खबरों के अनुसार, पड़ोसी हेबेई प्रांत में हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य अब भी लापता हैं।

इमरान की जमानत अर्जी पर सुनवाई टली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने नौ मई 2023 की हिंसा के मामलों में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जमानत अपीलों की सुनवाई मंगलवार को 12 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। खान पिछले महीने लाहौर उच्च न्यायालय से उनकी जमानत अर्जी खारिज होने के बाद शीर्ष अदालत पहुंचे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक खान पर नौ मई, 2023 की हिंसा के संबंध में लाहौर में कई मामले दर्ज हैं। जिनमें उनपर कथित तौर पर समर्थकों को सरकारी और सैन्य भवनों पर हमला करने के लिए उकसाने का आरोप भी शामिल है।

दिल्ली: हीलियम गैस सूंघकर की आत्महत्या

नई दिल्ली। नई दिल्ली के बंगाली मार्केट इलाके में स्थित एक होटल में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) ने हीलियम गैस सूंघकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, धीरज कंसल (25) द्वारा छोड़े गए एक नोट के अनुसार, वह 2003 में अपने पिता की मृत्यु के बाद से अकेले थे। उनके पिता की मृत्यु के बाद, उनकी मां ने किसी और से शादी कर ली और उनके कोई भाई-बहन नहीं थे। महरौली के एक 'पेइंग गेस्ट हाउस' में रहने वाले कंसल ने सोशल मीडिया पर भी अपनी आत्महत्या के बारे में भी लिखा।

उ. कोरिया को परमाणु देश माने अमेरिका

सियोल। उ. कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने उ. कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण पर कूटनीति बहाल करने के अमेरिका के इरादे को खारिज कर कहा कि वह उनके देश को परमाणु हथियार संपन्न देश माने। किम यो जोंग के बयान से संकेत मिलता है कि उ. कोरिया बातचीत की मेज पर तभी लौटेगा, जब अमेरिका उसे परमाणु क्षमता के आंशिक समर्पण के लिए पुरस्कृत करेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप उत्तर कोरिया के साथ बातचीत का प्रयास कर सकते हैं।

केंद्र के तीन बड़े पद पर उप्र के अफसर तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसएसबी के डीजी बनाए गए यूपी कैडर के आईपीएस संजय सिंघल

उत्तर प्रदेश कैडर के आईपीएस संजय सिंघल को केंद्र सरकार में एसएसबी का डीजी बनाया गया है। लंबे समय के बाद केंद्र के तीन बड़े पद पर उत्तर प्रदेश के अफसरों की तैनाती हुई है। संजय सिंघल से पहले पीयूष आनंद डीजी एनडीआरएफ व दलजीत चौधरी डीजी बीएसएफ हैं। मौजूदा सरकार में यह पहला मौका है, जब केंद्र में तीन अहम फोर्स के डीजी उत्तर प्रदेश के अधिकारी बनाए गए हैं।

उत्तर प्रदेश कैडर के पांच आईपीएस को केंद्र में डीजी रैंक में इम्पैनलमेंट किया गया है। यानी अब वे डीजी रैंक में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा सकते हैं। इनमें 1993 बैच के आईपीएस जकी अहमद, 1994 बैच के सुजीत पांडेय, अखिल कुमार, प्रकाश डी और राजा श्रीवास्तव हैं। इसमें जकी अहमद और राजा श्रीवास्तव पहले से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर एडीजी रैंक में तैनात हैं। जकी अहमद और राजा श्रीवास्तव दोनों ही केंद्र में एडीजी सीआरपीएफ के पद पर तैनात हैं।

वहीं, सुजीत पांडेय लखनऊ जोन के एडीजी, अखिल कुमार कानपुर पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस कमिश्नर और प्रकाश डी जीआरपी में एडीजी की रैंक में तैनात हैं। खास बात ये है कि इन अफसरों को यूपी में अभी डीजी रैंक नहीं मिली है। क्योंकि इस रैंक में फिलहाल वैकेंसी नहीं है।

एआई का प्रकोप

टेक कंपनियों में छंटनी

टेक कंपनी टीसीएस ने हाल ही में 12,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है, ऐसी ही खबरें अब दूसरी टेक कंपनियों से भी आनी शुरू हो गई हैं। सिर्फ भारत नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर टेक इंडस्ट्री में छंटनी की तैयारी चल रही है। आशंका है कि कुछ समय बाद ही कंपनियों में काम कर रहे लोग बड़ी संख्या में लोगों को नौकरियां गंवाकर फिर बेरोजगार की श्रेणी में आ खड़े हो सकते हैं। कंपनियों की ओर से इस छंटनी को परफॉर्मेंस रिस्ट्रक्चरिंग या इंटरनल रिएलाइनमेंट नाम दिया जा रहा है, लेकिन दरअसल इसके पीछे वैश्विक मंदी की आहट और एआई (आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस) के बढ़ते दायरे को प्रमुख कारण माना जा रहा है। संभावना जताई गई है कि इस साल 80,000 कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है। सरकार की ओर से फिलहाल इन कंपनियों पर सिर्फ निगरानी रखने की बात कही गई है।

कंपनियां और कितनी छंटनी

- टीसीएस ने परफॉर्मेंस आधारित छंटनी की बात कही है। इसकी वजह धीमी मांग और कुशलता की कमी को बताया है।
- इन्फोसिस की ओर से यूरोपीय क्लाइंट्स में कमी आने की बात कहते हुए लागत में कटौती के लिए छंटनी की बात कही गई है।
- विप्रो में स्किल मिसमैच और ऑटोमेशन के लिए छंटनी की सूचना है। एचसीएल अमेरिकी बाजार की सुस्ती को कारण बता रही है।
- टेक महिंद्रा और एलटीआई माइंडट्री में भी इसी तरह के कारण बताए गए हैं। कई और कंपनियां भी छंटनी की तैयारी कर रही हैं।

मुख्य कारण

- एआई और ऑटोमेशन प्रमुख कारण हैं, इससे कम कर्मचारियों में पर्याप्त काम संभव है।
- महंगाई और मंदी की आशंका से ज्यादातर कंपनियां खर्च घटाने की कोशिश कर रही हैं।
- कोविड महामारी के बाद डिजिटल प्रोजेक्ट्स में कटौती, अमेरिका-यूरोप में बजट कटौती।

एआई के आने से पहले ही 2023 में दुनिया की 417 टेक कंपनियों ने की थीं 1.19 लाख कर्मचारियों की छंटनी

वैश्विक स्तर पर स्थिति

- गूगल एल्फाबेट ने नॉन कोर प्रोजेक्ट बंद होने के बाद 12 हजार कर्मचारियों की छंटनी की है। यह क्रम अभी जारी है।
- अमेजन ने दो साल में 27 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है, इसका कारण मंदी और ऑटोमेशन बताए हैं।
- मेटा (फेसबुक) ने भी कंपनी में 21 हजार कर्मचारियों की छंटनी की है और इसका कारण मंदी और लागत में कटौती को बताया।
- दिग्गज टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने 10 हजार और सेल्सफोर्स ने कुछ समय में लगभग आठ हजार कर्मचारियों की छंटनी की है।
- इसी तरह आईबीएम, एसएपी और सिस्को समेत कई और टेक कंपनियों में हजारों कर्मचारियों की छंटनी की गई हैं।

कंपनियों के मानदंड

- लगातार खराब प्रदर्शन या पुराने और अप्रासंगिक हो चुके तकनीकी कौशल।
- कर्मचारियों की वर्क फ्रॉम होम पर निर्भरता या एक ही काम के लिए ज्यादा कर्मचारी।
- सीनियर कर्मचारियों की ऊंचा वेतन, साथ ही पर्याप्त कार्य कुशलता न होना।

संभावित नतीजे

बेंगलुरु में इन्फोसिस, विप्रो और फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों ने एआई निर्भरता बढ़ाकर नौकरियों में भारी कटौती की है। हैदराबाद, पुणे और मुंबई, गुरुग्राम-नोएडा में भी टेक कंपनियों ने जॉब देने से हाथ खींचा है। कहा जा रहा है कि इसके नतीजे कमजोर कॉलेज प्लेसमेंट के तौर पर सामने आ सकते हैं। भारतीय प्रतिभा का विदेश पलायन हो सकता है।

चीन के दबाव में अमेरिका ने ताइवान के राष्ट्रपति का न्यूयॉर्क प्रवास रोका

ट्रंप प्रशासन को था चीन के साथ व्यापार वार्ता के जोखिम में पड़ने का अंदेशा

वाशिंगटन, एजेंसी

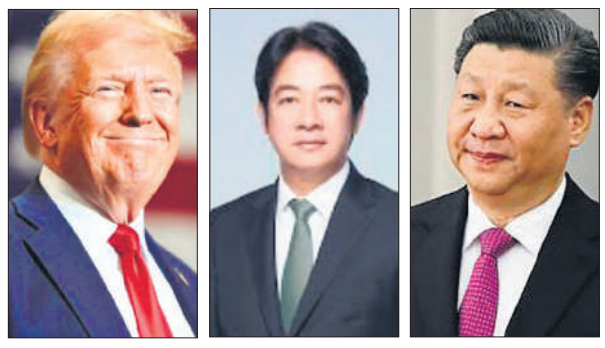

अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने चीन की आपत्तियों के चलते ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते की अगस्त में पराग्वे, ग्वाटेमाला और बेलीज़ की प्रस्तावित यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में उन्हें रुकने की अनुमति नहीं दी है। दावा किया जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन चीन के साथ व्यापार वार्ता को जोखिम में डालने से बचना चाहता था।

फाइनेंशियल टाइम्स अखबार ने तीन सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सोमवार को सार्वजनिक की। कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन चीन के साथ व्यापार वार्ता को बिना किसी विवाद के पूरा करना चाहता है। हालांकि, न्यूज नेशंस ने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि कुछ भी रद्द नहीं किया गया है। अधिकारी के अनुसार, दोनों पक्ष स्थिति को सुधारने के लिए काम कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि लाई डलास में रुकने वाले थे, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका ने केवल न्यूयॉर्क यात्रा पर रोक लगाई है या देश से होकर उनके आवागमन पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि व्हाइट हाउस ने टिप्पणी के अनुरोध का जवाब नहीं दिया, जबकि वाशिंगटन स्थित ताइवान के वास्तविक दूतावास ने लाई के इस बयान का हवाला दिया कि उनकी विदेश यात्रा की तत्काल कोई योजना नहीं है। चीन और उसके द्वीपीय प्रांत ताईवान के बीच आधिकारिक संबंध 1949 में टूट गए थे जब च्यांग काई-शेक के नेतृत्व वाली पराजित कुओमिन्तांग सेनाएँ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से गृहयुद्ध हारने के बाद ताइवान भाग गईं। 1980 के दशक के अंत में उन्होंने व्यावसायिक और अनौपचारिक संपर्क फिर से शुरू किए। 1990 के दशक की शुरुआत से, दोनों ने गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से संपर्क बनाए रखा है।

यूक्रेन की जेल पर हवाई हमले, 17 कैदियों की मौत

कीव। रूस ने यूक्रेन के दक्षिण-पूर्वी जापोरिजिया क्षेत्र में एक जेल को निशाना बनाकर हवाई हमले किए जिसमें कम से कम 17 कैदियों की मौत हो गई और 80 से अधिक लोग घायल हो गए। यूक्रेन की स्टेट क्रिमिनल एग्जीक्यूटिव सर्विस के अनुसार यह हमला सोमवार देर रात किया गया जिसमें चार बम गिराकर बिलेनकिवस्का करेक्शनल कॉलोनी को निशाना बनाया गया। प्राधिकारियों ने बताया कि 42 कैदियों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा 40 अन्य को चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि हमले में जेल का भोजन कक्ष तबाह हो गया, प्रशासनिक भवन को नुकसान हुआ है, लेकिन जेल की बाड़ सुरक्षित है और किसी कैदी के भागने की सूचना नहीं है। यूक्रेन ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि कारागारों जैसे असैन्य ढांचों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय संधियों के तहत युद्ध अपराध है।

दस दिन में युद्ध रोकें पुतिन वर्ना लगाएंगे कड़े प्रतिबंध : ट्रंप

लंदन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन युद्धविराम पर सहमत होने के लिए रूस को 10 या 12 दिन की एक नई और छोटी समय सीमा दी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने इस अवधि को बेहद महत्वपूर्ण बताया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अब और इंतजार करने का कोई कारण नहीं है क्योंकि शांति की दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई है। दो सप्ताह पहले ट्रंप ने कहा था कि राष्ट्रपति पुतिन के पास युद्ध समाप्त करने के लिए 50 दिन हैं, अन्यथा रूस को कड़े आयात शुल्कों का सामना करना पड़ेगा। कल स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने यूक्रेन में चल रही गतिविधियों पर फिर असहमति जताते हुए कहा कि उन्हें अब बातचीत में कोई दिलचस्पी नहीं है। सोमवार के ताजा घटनाक्रम पर रूसी सांसद आंद्रेई गुरुल्योव ने कहा है कि ट्रंप के अल्टीमेटम अब काम नहीं कर रहे,न अग्रिम मोर्चे पर, न मॉस्को में और रूस के पास हथियारों, सिद्धांतों और इच्छाशक्ति की ताकत है।

रक्षाबंधन की तैयारी

ऑपरेशन सिंदूर लोगों के दिलोदिमाग पर छाया हुआ है। जम्मू में रक्षाबंधन पर उड़ाने के लिए भारी संख्या में ऐसी पतंगें तैयार की जा रही हैं जिन पर ऑपरेशन सिंदूर लिखा हुआ है। मंगलवार को पतंगें प्रदर्शित करते हुए दुकानदार। एजेंसी

कोलंबिया: कोर्ट में दोषी ठहराए गए पूर्व राष्ट्रपति

बोगोटा। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अल्वारो उरीबे को एक मामले में गवाहों को प्रभावित करने का दोषी पाया गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार वह दक्षिण अमेरिकी देश के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं जिन्हें आपराधिक रूप से दोषी ठहराया गया है। उरीबे 2002 से 2010 तक राष्ट्रपति रहे थे। शहर के 44वें आपराधिक न्यायालय की न्यायाधीश सैंड्रा हेरेडिया द्वारा कल जारी किए गए फैसले में कहा गया है कि विपक्षी सेंट्रो डेमोक्रेटिको पार्टी के सदस्य, पूर्व राष्ट्रपति को दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। पूर्व राष्ट्रपति ने 2018 में उनके खिलाफ जांच शुरू होने के बाद से सभी आरोपों से खुद को निर्दोष बताया है।

विधेयकों पर समयसीमा को लेकर राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई का समय तय

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट में 19 अगस्त से पांच जजों की पीठ करेगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए उस संदर्भ पर सुनवाई के लिए मंगलवार को समय तय किया, जिसमें यह सवाल उठाया गया है कि क्या विधानसभा से पारित विधेयकों पर राष्ट्रपति द्वारा निर्णय लेने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित की जा सकती है। न्यायालय ने इस पर 19 अगस्त से सुनवाई शुरू करने का प्रस्ताव रखा।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय पीठ ने केंद्र और राज्यों को 12 अगस्त तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि वह सबसे पहले 19 अगस्त को एक घंटे के लिए केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों द्वारा राष्ट्रपति संदर्भ की स्वीकार्यता पर सवाल उठाने वाली प्रारंभिक आपत्तियों पर सुनवाई करेगी। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं। न्यायालय ने कहा कि राष्ट्रपति के संदर्भ का समर्थन करने वाले केंद्र और राज्यों की दलीलें 19, 20, 21 और 26 अगस्त को सुनी जाएंगी, जबकि इसका विरोध करने वालों की दलीलें 28 अगस्त और दो, तीन और नौ सितंबर को सुनी जाएंगी। उसने कहा कि यदि कोई प्रत्युत्तर होगा तो उस पर 10 सितंबर को सुनवाई की जाएगी।

यह था मामला

मई में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत शीर्ष कोर्ट से जानना चाहा था कि क्या राज्य विधानसभाओं के विधेयकों पर विचार करते समय राष्ट्रपति द्वारा विवेकाधिकार का प्रयोग करने के लिए न्यायिक आदेशों द्वारा समयसीमा निर्धारित की जा सकती है। दरअसल, 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ रखे विधेयकों पर तीन महीने के भीतर निर्णय लिया जाना चाहिए।

एक बार की विजेता किरण देसाई फिर बुकर पुरस्कार की दौड़ में

लंदन, एजेंसी

- नए उपन्यास 'द लोनलीनेस ऑफ सनी एंड सोनिया' के जरिए दावा

बुकर पुरस्कार से सम्मानित भारतीय लेखिका अपने बहुप्रतीक्षित उपन्यास 'द लोनलीनेस ऑफ सनी एंड सोनिया' के जरिये मंगलवार को एक बार फिर इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की दौड़ में शामिल हो गईं।

साल 2006 में 'द इनहेरिटेंस ऑफ लॉस' के लिए बुकर पुरस्कार जीतने वाली देसाई ने लगभग दो दशक के अंतराल के बाद कोई उपन्यास लिखा है। 'द लोनलीनेस ऑफ सनी एंड सोनिया' अमेरिका में कदम रखने वाले दो युवा भारतीयों की कहानी बयां करने वाला 677 पन्नों का उपन्यास है। इसका प्रकाशन हैमिश हेमिल्टन ने किया है। यह उन 13 रचनाओं में से एक है, जिनके नाम की घोषणा 50,000 ब्रिटिश पाउंड की पुरस्कार राशि वाले प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार की दौड़ में शामिल उपन्यासों के रूप में की गई।

गाजा : भुखमरी से बड़ी संख्या में मौतों की आशंका

तेल अवीव, एजेंसी

- ट्रंप ने गाजा में जल्द ही अमेरिका की ओर से खाद्य केंद्र खोलने का किया एलान

खाद्य संकटों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरण ने कहा है कि इस समय गाजा पट्टी में भुखमरी की सबसे खराब स्थिति उत्पन्न हो रही है और यदि तत्काल कार्रवाई नहीं की गई तो इससे बड़ी संख्या में लोगों के जान गंवाने की आशंका है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने गाजा में अमेरिका की ओर से खाद्य केंद्र खोलने की बात कही है।

गाजा से कुपोषित बच्चों की तस्वीरें सामने आने के बीच 'इंटीग्रेटेड फूड सिक्योरिटी फेज क्लासिफिकेशन' (आईपीसी) ने मंगलवार को यह बयान दिया। आईपीसी ने कहा कि यह चेतावनी एक खतरे की घंटी है.. लेकिन यह अकाल की औपचारिक घोषणा नहीं है। हालांकि इजराइल की सख्त नाकेबंदी के कारण स्थिति बेहद खराब हो गई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा पट्टी में जारी मानवीय संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि अमेरिका फिलिस्तीनियों की मदद के लिए वहां खाद्य केंद्र खोलेगा। ट्रंप ने स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ बैठक के दौरान कहा कि गाजा में जारी मानवीय संकट इस बैठक का एक मुख्य कारण है।

इजराइल के हमलों में 78 से ज्यादा फलस्तीनियों की मौत

दीर अल-बलाह। गाजा पट्टी में सोमवार को इजराइल के हवाई हमलों या गोलीबारी में कम से कम 78 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि गर्भवती महिला की मौत होने के बाद एक जटिल सर्जरी कर उसका प्रसव कराया गया लेकिन नवजात शिशु की भी मौत हो गई। मृतकों में कई लोग भोजन की तलाश में थे। इस हमले से पहले ही इजराइल ने गंभीर होते मानवीय संकट के मद्देनजर प्रतिबंधों में ढील दी थी। गाजा में भुखमरी के बढ़ते संकट पर बढ़ते दबाव के बीच इजराइल ने कहा था कि वह गाजा सिटी, दीर अल-बलाह और मुवासी क्षेत्रों में रोज 10 घंटे के लिए सैन्य कार्रवाई रोकेगा और मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सुरक्षित रास्तों की व्यवस्था करेगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जुलाई, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 31 जुलाई 02.41 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

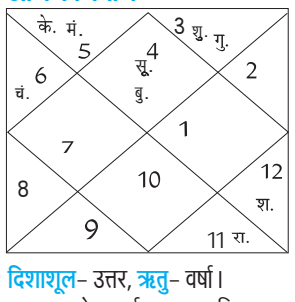

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- वर्षा।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- हस्त 09.53 तक तत्पश्चात चित्रा।

मेष — आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। पुराने अनुभव आज आपके काफी काम आने वाले हैं। विद्यार्थियों को जॉब मिलने के योग बन रहे हैं। व्यवसाय में उन्नति के लिये प्रयास करेंगे। लोन को लेकर अवरोध दूर होंगे।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में बड़ा लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लेंगे। आपके द्वारा कही गई बातें सत्य सिद्ध होंगी। आपकी सेहत काफी अच्छी रहेगी। नए विषयों के अध्ययन व अनुसंधान में रुचि लेंगे। बच्चों के साथ कहीं घूमने का प्लान कर सकते हैं।

मिथुन — आज अपनी जीवनशैली में सुधार करें। कुछ लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। घर के बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। निर्भीकता से सभी कार्य पूरे कर लेंगे।

कर्क — आपका आयात-निर्यात के व्यवसाय में बड़ा लाभ हो सकता है। विद्यार्थी किसी नए कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर न थोपें। व्यापारिक साझेदारों के साथ संबंध मधुर होंगे। आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। नई नौकरी ढूंढ रहे हैं तो आज का दिन अनुकूल है। विरोधियों के बीच में आपकी चर्चा होगी। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। जीवनसाथी को उपहार देने से तनाव दूर होगा। त्वचा विकार की समस्या हो सकती है।

कन्या — आज आपके आकर्षक व्यक्तित्व की लोग प्रशंसा करेंगे। फाइनेन्स को लेकर परेशानियां दूर होंगी। व्यवसाय को लेकर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। शेयर मार्केट के माध्यम से आपको बड़ा लाभ हो सकता है।

तुला — आज अपने अधिकारियों की अवमानना न करें। अड़ियल रवैये के कारण लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। रुचिपूर्ण कार्यों के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल लापरवाही न करें। निम्न रक्तचाप के कारण समस्या हो सकती है।

वृश्चिक — आज कार्यक्षेत्र में आपकी आय बढ़ सकती है। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। महत्वपूर्ण विषयों को लेकर जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं। लम्बित पड़ी योजनाओं को दोबारा क्रियान्वित करने के अवसर मिलेंगे। आप अपना पूरा फोकस घर-परिवार पर कर सकते हैं।

धनु — आज परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। मानसिक रूप से शांति महसूस करेंगे। आपको अपने आत्मसम्मान की चिंता हो सकती है।

मकर — आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश के अवसर मिल सकते हैं। कारोबारी यात्रा से लाभ प्राप्त होगा। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी काफी चर्चा होगी। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी।

कुंभ — आज बीमारियों पर धन खर्च अचानक से बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। व्यापार को लेकर अधिक सावधानी रखें। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर रहेंगे। इसीलिए थोड़ा सोच-विचारकर ही काम करें।

मीन — आज जीवनसाथी आपको भावनात्मक रूप से काफी सहयोग देगा। व्यावसायिक यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। उच्च अधिकारियों से मित्रता हो सकती है। प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच आपका सामंजस्य बढ़ेगा।

सुडोकू-54

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			7		6	8	
3		2	4					9
			5		1		7	
	9			2		4		
7								5
		8		9			2	
	5		8		3			
4	6					9		8
		7		4			1	

सुडोकू - 53 का हल

2	5	4	9	7	6	3	1	8
8	6	1	2	3	5	9	7	4
3	9	7	4	1	8	6	2	5
6	1	8	7	4	3	2	5	9
4	7	2	1	5	9	8	3	6
5	3	9	8	6	2	7	4	1
1	8	3	6	2	4	5	9	7
9	4	5	3	8	7	1	6	2
7	2	6	5	9	1	4	8	3

जसप्रीत बुमराह अंतिम टेस्ट अगर नहीं खेलते हैं तो ऐसे में कुलदीप यादव को मौका मिलना चाहिए, क्योंकि बुमराह की अनुपस्थिति में भारत को एक ऐसे गेंदबाज़ी आक्रमण की ज़रूरत होगी जो 20 विकेट ले सके।
–संजय मांजरेकर, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

स्टेडियम

लखनऊ, बुधवार, 30 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

एटीपी चैलेंजर के दूसरे दौर में पहुंचे नागल

नई दिल्ली। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल स्पेन के कार्लोस सांचेज जोवर को सीधे सेटों में हराकर मंगलवार को जर्मनी के हेगन में प्लाज़मैन ओपन के दूसरे दौर में पहुंच गए। विश्व रैंकिंग में 307 वें स्थान पर काबिज इस खिलाड़ी ने क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में अपने से बेहतर रैंकिंग वाले खिलाड़ी को 6-2, 6-2 से मात दी। नागल के सामने अब बुधवार को एटीपी चैलेंजर स्तर के इस टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जर्मनी के 17 वर्षीय साल के नील्स मैकडॉनल्ड की चुनौती होगी।

लेडेकी फिर बनीं फ्रीस्टाइल की महारानी

सिंगापुर। केटी लेडेकी ने महिलाओं की 1,500 मीटर फ्रीस्टाइल में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए मंगलवार को विश्व तैराकी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। लेडेकी ने 15 मिनट 26.44 सेकें में फिर से साबित कर दिया कि महिलाओं की 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में उनका कोई सानी नहीं है। इटली की सिमोना क्वाडरेला ने 15:31.79 मिनट के यूरोपीय रिकॉर्ड के साथ रजत पदक जबकि ऑस्ट्रेलिया की लानी पैलिस्टर ने 15:41.18 मिनट के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं के 1,500 मीटर के इतिहास में 26 सर्वश्रेष्ठ समय में से 25 लेडेकी के नाम पर दर्ज हैं।

भारतीय तैराकों का प्रदर्शन निराशाजनक

सिंगापुर। भारतीय तैराकों का दोहा में चल रही विश्व तैराकी चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रहा जब कोई भी तैराक आगे नहीं बढ़ पाया। साजन प्रकाश 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में 24वें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गए। प्रकाश ने 1:59.33 सेकंड का समय लिया। शीर्ष 16 तैराकों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस परिणाम के साथ ही प्रकाश का अभियान समाप्त हो गया। वह इससे पहले वह सोमवार को 200 मीटर फ्रीस्टाइल में 43वें स्थान पर थे। पुरुषों की 800 मीटर फ्रीस्टाइल में आर्यन नेहरा 8:21.30 सेकंड के साथ 23वें स्थान पर रहे।

कारेनो बस्टा ने जीत के साथ किया आगाज

टोरंटो। स्पेन के पाब्लो कारेनो बस्टा ने नेशनल बैंक ओपन टेनिस चैंपियनशिप में कनाडा के वाइल्ड कार्डधारक लियाम ड्राक्सल को हराकर जीत के साथ आगाज किया। स्पेन के ही जाउमे मुनार ने कनाडा के डान मार्टिन को हराया। ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर ट्रिस्टन स्कूलकेट ने ब्राजील के जोओ फोंसेका को हराया। अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड ने बेल्जियम के डेविड गोफिन को मात दी।

एशेज से पहले प्रधानमंत्री एकादश से भिड़ेगा इंग्लैंड

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार (29 जुलाई) को पुष्टि की कि इंग्लैंड, दिन-रात्रि एशेज टेस्ट की तैयारी के लिए दो दिवसीय गुलाबी गेंद मैच में प्रधानमंत्री एकादश से भिड़ेगा। यह पहली बार होगा जब इंग्लैंड प्रधानमंत्री एकादश के साथ कई दिनों का मैच खेलेगा, क्योंकि 2022-23 सीजन तक यह हमेशा एक दिवसीय मैच होता था। यह गुलाबी गेंद का मैच 29 -30 नवंबर को कैनबरा के मनुका ओवल में पहले और दूसरे टेस्ट के बीच खेला जाएगा। इसके तीन दिन बाद, इंग्लैंड 4 दिसंबर से गाबा में मेजबान ऑस्ट्रेलिया से दिन-रात्रि टेस्ट खेलेगा।

साबले की हुई सर्जरी चैंपियनशिप से बाहर

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता 3000 मीटर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले की एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) सर्जरी हुई है। उन्हें यह चोट इस महीने की शुरुआत में मोनाको डायमंड लीग के दौरान लगी थी। यह भारतीय खिलाड़ी अब सितंबर में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर हो गया है। मौजूदा एशियाई चैंपियन और 2023 के हांगझोऊ एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता 30 वर्षीय साबले का मुंबई के अस्पताल में ऑपरेशन हुआ।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज का किया सूपड़ा साफ

सेंट किट्स। ऑस्ट्रेलिया ने पांचवां और आखिरी टी-20 मैच तीन विकेट से जीतकर वेस्टइंडीज दौरे का अंत 8-0 से जीत के साथ किया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट श्रृंखला 3-0 से जीती और फिर पहले 4 टी-20 मैच भी अपने नाम किए। आठवीं बार टॉस जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी के लिए भेजा और दो गेंद बाकी रहते 170 रन पर आउट किया।

इंग्लैंड का दौरा हमेशा से कठिन रहा है : गंभीर

भारतीय कोच बोले- इंग्लैंड में जिस तरह का क्रिकेट खेला वह गर्व की बात

लंदन, एजेंसी

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा से ही कठिन रहा है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा।

गंभीर श्रृंखला के दौरान टीम के समर्थन के लिये प्रशंसकों को धन्यवाद देने के लिये सोमवार को इंडिया हाउस में संबोधित कर रहे थे। भारत ने चौथे टेस्ट में जीत की कगार पर पहुंचकर मैच ड्रॉ कराया था। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड का दौरा हमेशा कठिन होता है क्योंकि दोनों देशों के बीच इतिहास ऐसा है जिसे भुलाया नहीं जा सकता। हमने जब भी ब्रिटेन का दौरा किया है, हमें प्रशंसकों का अपार समर्थन मिला है। हम किसी भी चीज को हलके में नहीं लेते ।

उन्होंने कहा कि पिछले पांच सप्ताह दोनों टीमों के लिये काफी रोमांचक रहे हैं। श्रृंखला में जिस तरह की क्रिकेट खेली गई है, उस पर हर क्रिकेटप्रेमी को गर्व होगा। लंदन में भारतीय उच्चायोग की ओर से भारतवंशियों के स्वागत समारोह में भारतीय टीम का समुदाय के नेताओं, सांसदों और खेलप्रेमियों ने जबर्दस्त स्वागत किया। भारत और इंग्लैंड के बीच निर्णायक पांचवां टेस्ट ओवल पर गुरुवार से खेला जाएगा। गंभीर ने कहा कि दोनों टीमों ने काफी प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन किया है। हमारे पास एक सप्ताह और है और हम पूरा प्रयास करेंगे कि देशवासियों और यहां मौजूद लोगों को गर्व करने का मौका दें। इंग्लैंड में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दुरइस्वामी ने कहा कि टीम ने श्रृंखला में जिस तरह का जुझारूपन दिखाया है, वह विषमताओं से लड़ने की देश की इच्छाशक्ति का परिचायक है। यह शानदार श्रृंखला रही है और बेहतरीन भावना के साथ खेली गई। पांचवें टेस्ट का परिणाम चाहे जो हो, हमें अपनी टीम पर गर्व है। कमेंटेटर और पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कप्तान शुभमन गिल समेत कुछ खिलाड़ियों से बातचीत सत्र का संचालन किया। श्रृंखला में अब तक 700 से ऊपर रन बना चुके गिल ने कहा कि श्रृंखला शुरू होने से पहले मुझे लगा कि मैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहा हूं। मैंने अपने खेल पर काफी काम किया और मैं खुद को साबित करना चाहता था।

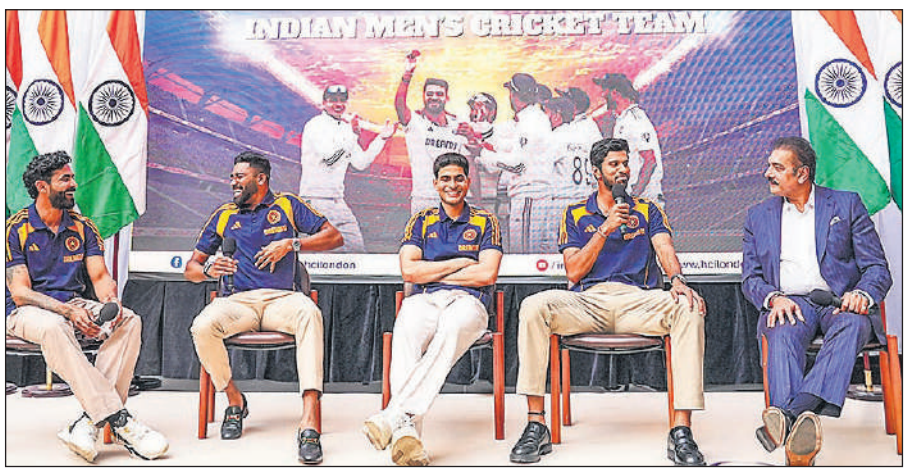

लंदन में उच्चायोग के कार्यक्रम में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल व अन्य क्रिकेटरों के साथ रवि शास्त्री। एजेंसी

हरफनमौला खिलाड़ी का चयन सही : कोटक

लंदन। बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने टीम में विशेषज्ञ गेंदबाज की जगह हरफनमौला खिलाड़ियों को तरजीह देने पर कहा कि मैच जीतने के लिए 20 विकेट लेना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी बड़ा स्कोर खड़ा करना भी। भारत के प्रमुख स्पिनर कुलदीप यादव श्रृंखला के दौरान बेंच पर बैठे रहे, क्योंकि टीम ने गेंदबाज के बजाय हरफनमौला को प्राथमिकता दी। इस श्रृंखला के मैचों में शारदुल ठाकुर और नीतीश रेड्डी आठवें क्रम के बल्लेबाज रहे हैं। शारदुल ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 11 ओवर फेंके और पहली पारी में 41 रनों की पारी खेली। कोटक के जवाब से लगा कि टीम गुरुवार से शुरू हो रहे पांचवें टेस्ट मैच में भी इसी संयोजन के साथ मैदान पर उतरेगी। उन्होंने कहा कि देखिए, मैच जीतने के लिए आपको बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों का संतुलन चाहिए होता है। जैसे 20 विकेट लेना जरूरी है उसी तरह 550-600 रन बनाना भी महत्वपूर्ण है। हमने एजबेस्टन में इसलिए जीत हासिल की क्योंकि हमने उतने रन बनाए थे। ऐसे में दोनों में संतुलन रखना जरूरी है। अगर कप्तान और कोच और टीम प्रबंधन को लगता है कि एक गेंदबाज को बढ़ाना फायदेमंद होगा, तो वे ऐसा करेंगे।

बुमराह गेंदबाजी के लिए फिट

लंदन। बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने जसप्रीत बुमराह की इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में खेलने की संभावना से इनकार नहीं किया और कहा कि यह तेज गेंदबाज अपने कार्यभार प्रबंधन के अनुसार गेंदबाजी के लिए फिट है। चोटों से जूझने वाले बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत दौरे पर तीन टेस्ट मैचों के लिए चुना गया था, लेकिन श्रृंखला अब नाजुक मोड़ पर है और वह पांचवां टेस्ट मैच खेल सकते हैं। मैनचेस्टर में ड्रॉ के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी बुमराह के इस अहम मैच में खेलने की संभावना से इनकार नहीं किया था। कोटक ने मैच से दो दिन पहले कहा, बुमराह अब अपने कार्यभार प्रबंधन के हिसाब से फिट हैं। उन्होंने पिछले मैच में एक पारी में गेंदबाजी की थी।

गौतम गंभीर और ओवल के क्यूरेटर में तीखी बहस

तुम नहीं बताओगे, हमें क्या करना है...

लंदन,एजेंसी

भारत-इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट से दो दिन पहले भारत के अभ्यास सत्र में अजीबोगरीब घटना देखने को मिली जब मुख्य कोच गौतम गंभीर और 'द ओवल' के मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। यह बहस तब हुई जब फोर्टिस ने मेहमान टीम के सहयोगी स्टाफ को पिच से 2.5 मीटर दूर खड़े रहने को कहा। गंभीर को मैदानकर्मियों की ओर ऊंगली उठाकर यह कहते सुना गया कि तुम नहीं बताओगे कि हमें क्या करना है, तुम सिर्फ एक मैदानकर्मी हो और उससे ज्यादा कुछ नहीं।

इस पर फोर्टिस ने कहा, मुझे इसकी शिकायत करनी होगी। भारत के 10 खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया, जिसमें कप्तान शुभमन गिल नहीं थे। गंभीर के द्वारा फोर्टिस पर भड़ास निकालने से पहले मैदान पर टीम का अभ्यास सत्र सामान्य रूप से चल रहा था। फोर्टिस तीन साल से इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के सर्वश्रेष्ठ 'मल्टी-डे' पिचों का पुरस्कार जीतते रहे है। इसके बावजूद समझा जाता है कि तुनक मिजाजी से उनके साथ काम करना आसान नहीं है। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य क्यूरेटर को गंभीर से दूर ले जाकर इस बहस को शांत करने की कोशिश की।

कोटक ने कहा, जब हम पिच को परख रहे थे तभी मैदान के एक कर्मचारी ने आकर कहा कि (हमें) विकेट से 2.5 मीटर दूर खड़ा होना है और रस्सी के बाहर से विकेट को देखना है। भारतीय टीम के सदस्यों ने स्पाइक्स (खिलाड़ियों के द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कील वाले जूते) नहीं पहने थे, ऐसे में पिच को कोई खतरा नहीं था। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। मुझे एक भारतीय खिलाड़ी ने कहा था कि इस क्यूरेटर के साथ काम करना आसान नहीं है। किसी चीज से लगाव होना अच्छा है, लेकिन बहुत ज्यादा अच्छा नहीं है। हमने जॉगर्स (सामान्य जूते) पहने थे, स्पाइक्स नहीं, इसलिए कोई खतरा नहीं था।

कोटक कहा कि इस बहसबाजी के लहजे के कारण स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। क्यूरेटरों को यह भी समझने की जरूरत है कि वे जिन लोगों से बात कर रहे हैं, वे अत्यधिक कुशल और बुद्धिमान हैं।

लंदन के ओवल मैदान पर भारत-इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट से पहले प्रशिक्षण सत्र के दौरान ग्राउंड्समैन से बात करते मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ।

ईसीबी से शिकायत करने से कोटक का इनकार

कोटक के अनुसार स्थिति और खराब हो गई क्योंकि फोर्टिस ने भारतीय टीम के एक सपोर्ट स्टाफ पर चिल्लाते हुए कहा कि वह कूलिंग बॉक्स को मुख्य स्क्वायर के पास न ले जाए। कोटक ने इस घटना को लेकर ईसीबी (इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड) से शिकायत करने से भी इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, मैं सोच रहा था कि आप पिछले मैच के ड्रॉ के बारे में पूछेंगे (हंसते हुए)। लेकिन जब सपोर्ट स्टाफ में से एक कूलिंग बॉक्स वहां ला रहा था तब भी फोर्टिस रोलर पर बैठा था, उसने चिल्लाकर सपोर्ट स्टाफ से कहा कि उसे वहां न ले जाए। उन्होंने कहा, उस समय गौतम ने बस इतना कहा कि सपोर्ट स्टाफ से ऐसे बात मत करो, क्योंकि सपोर्ट स्टाफ मुख्य कोच के अधीन आते हैं। मैदानकर्मी किसी टीम के सहयोगी सदस्यों पर चिल्ला नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि गौतम की प्रतिक्रिया बहुत सामान्य थी। अधिकांश टीम जानती है कि इस क्यूरेटर के साथ काम करना मुश्किल है।

मंधाना की जगह नंबर वन बल्लेबाज बनीं ब्रंट

दुबई, एजेंसी

इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवेर ब्रंट ने भारत की स्मृति मंधाना को पछाड़कर आईसीसी महिला वनडे की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। भारत के खिलाफ हाल ही में श्रृंखला में 160 रन बनाने वाली ब्रंट 2023 में रैंकिंग में शीर्ष पर रही थी।

मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में 115 रन बनाए थे, लेकिन वह रैंकिंग में एक पायदान नीचे आ गई। ब्रंट के अब 731 अंक हैं जबकि मंधाना के 728 अंक हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 11वें नंबर पर खिसक गई जबकि जेमिमा रौड्रिग्स 13वें स्थान पर आ गई। गेंदबाजों में दीप्ति शर्मा चौथे जबकि इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटन तीसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर व मेगान शट पहले दो स्थान पर हैं।

- भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 11वें व जेमिमा रौड्रिग्स 13वें स्थान पर आ गईं।
- गेंदबाजों में दीप्ति शर्मा चौथे व इंग्लैंड की सोफी एक्सेलेटन तीसरे स्थान पर पहुंचीं

मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सात्विक-चिराग दूसरे दौर में, त्रीसा-गायत्री बाहर

मकाऊ, एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को मलेशिया के लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशियाई जोड़ी को केवल 36 मिनट में 21-13, 21-15 से हराया।

प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की महिला युगल जोड़ी भी चीनी ताइपे की जिह लिंग हुआंग और वांग सू-मिन को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में 21-15, 16-21, 21-17 से हराकर दूसरे दौर में पहुंच गई। महिला एकल में अनमोल खरब और तस्नीम मीर अपने-अपने क्वालीफिकेशन मैच जीतकर मुख्य ड्रॉ में पहुंच गईं। अनमोल ने अजरबैजान की कीशा फातिमा अज़ाहरा को 21-11, 21-13 से, जबकि तस्नीम ने थाईलैंड की टिडाप्रोन क्लेबीसुन को 21-14, 13-21, 21-17 से हराया। तस्नीम का मुख्य ड्रॉ के पहले दौर में चीन की चेन यू फेई से, जबकि अनमोल का थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से मुकाबला होगा।

त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला युगल जोड़ी चीनी ताइपे की लिन जियाओ मिन और पेंग यू वेई की जोड़ी से 21-16, 20-22, 15-21 से हारकर पहले दौर में ही बाहर हो गई। अपूर्वा गहलावत व साक्षी गहलावत महिला युगल में मलेशिया की गो पेई की और तेओह मेई जिंग से हार गईं। हरिहरन अम्साकरुनन व रुबन कुमार रेथिनासबापति की पुरुष युगल जोड़ी भी पहले दौर में ही बाहर हो गई। पुरुष युगल में डिंगकू सिंह कोंथौजम और अमान मोहम्मद ने हांगकांग के लॉ चेउक हिम और येउंग शिंग चोई को 21-18, 21-17 से हराकर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया जहां उनका सामना हमवतन पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रतीक के से होगा। थांड्रांगिनी हेमा नागेंद्र बाबू और प्रिया कोंजेंगबाम की मिश्रित युगल जोड़ी भी मुख्य ड्रॉ में पहुंच गई है। उनका मुकाबला अब थाईलैंड की फुवानत होरबानलुएकिट और फुंगफा कोरपथाम्माकिट से होगा।

इससे पहले सात्विक और चिराग ने शानदार शुरुआत करते हुए 6-1 की बढ़त बना ली थी। मलेशियाई जोड़ी ने अंतर को 10-9 किया था, लेकिन भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 21-13 से जीत लिया। दूसरे गेम में मलेशियाई जोड़ी ने 13-14 तक दबाव बनाए रखा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने बढ़त ली और फिर चार अंक हासिल करके मैच अपने नाम कर लिया। इस बीच मेइराबा लुवांग मैसनाम मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे और क्वालीफिकेशन के दूसरे दौर में चीन के झू झुआन चेन से 15-21, 21-17, 13-21 से हार गए।

सात्विक-चिराग बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में शीर्ष दस में

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी बीडब्ल्यूएफ पुरुष युगल विश्व रैंकिंग में फिर शीर्ष 10 में पहुंच गए। दोनों पिछले सप्ताह चीन ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, जिससे उन्हें तीन पायदान का फायदा मिला। दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी और फिलहाल दसवें नंबर पर काबिज चिराग और सात्विक को मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूइ यिक ने 21-13, 21-17 से हराया। इससे पहले वे सिंगापुर ओपन और इंडिया ओपन में भी सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। पुरुष एकल में भारत के शीर्ष खिलाड़ी लक्ष्य सेन 54442 अंक के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गए जबकि एच एस प्रणय दो पायदान चढकर 33वें स्थान पर हैं। महिला एकल में उन्नति हुड्डा कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 31वीं रैंकिंग पर पहुंच गई जिन्होंने पिछले सप्ताह दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराया था। सिंधू 15वें स्थान पर बनी हुई हैं।

शतरंज का खेल | अनुभवी और ऊंची रेटिंग वाली कोनेरू हम्पी को दिव्या ने दी है मात

इच्छाशक्ति से दिव्या ने जीता विश्व कप : पोल्गार

नई दिल्ली, एजेंसी

महान शतरंज खिलाड़ी सुसैन पोल्गार ने कहा है कि दिव्या देशमुख को मानसिक दृढता और जीत की ललक के कारण विश्व कप खिताब जीतने में मदद मिली। 19 वर्ष की दिव्या ने अपने से कहीं अनुभवी और ऊंची रेटिंग वाली कोनेरू हम्पी को हराकर जॉर्जिया के बातुमी में सोमवार को खिताब जीता। साथ ही उन्होंने 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया और भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गई।

सुसैन ने कहा कि दिव्या टूर्नामेंट से पहले वह खिताब की दावेदार नहीं थी, लेकिन उसने यह कारनामा कर दिखाया। हंगरी व अमेरिका की ग्रैंडमास्टर ने कहा कि कई मुकाबलों में वह संकट में भी थी और बढ़त का फायदा नहीं उठा सकी लेकिन जीतने के बाद अब वह सब बेमानी है। उसने जुझारूपन नहीं छोड़ा और इसी दृढता से जीत तक पहुंची। 1996 से 1999 तक विश्व चैंपियन रह चुकी सुसैन ने स्वीकार किया कि भारतीय शतरंज सफलता के नए आयामों को छू रहा है और विश्वनाथन आनंद जैसे दिग्गज जब नई पीढी के खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दे रहे हैं तो भारत का भविष्य खेल में उज्ज्वल है।

उन्होंने कहा कि गुकेश जब 12 वर्ष की उम्र में ग्रैंडमास्टर बने तब वह भारतीय संभावितों में सबसे ऊंची रेटिंग वाले खिलाड़ियों में से भी नहीं थे। मैने तभी जान लिया था कि वह बहुत आगे जाएगा। लोगों को अजीब भी लगा, लेकिन 50 ग्रैंडमास्टर के साथ काम कर चुकी कोच होने के नाते मैने उसमें वह गुण देखे थे। उन्होंने कहा कि दिव्या के साथ भी ऐसा ही है। वह भारत की सबसे ऊंची रेटिंग वाली खिलाड़ी भले ही नही हो लेकिन उसमें जीत के गुण हैं। ये युवा बेखौफ हैं और इनमे जीत की ललक है। इससे उनके खेल की कुछ खामियां भी ढक जाती है। उम्मीद है कि कड़ी मेहनत, अनुभव और अभ्यास से ये कमियां भी छिप जाएंगी।

दिव्या को रास में दी गई जीत की बधाई

नई दिल्ली। राज्यसभा में शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख को फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 जीतने के लिए मंगलवार को बधाई दी गई। उप सभापति हरिवंश ने कहा कि दिव्या ने देश को गौरवान्वित किया है। दिव्या की यह उपलब्धि उनकी निजी उपलब्धि ही नहीं है बल्कि यह शतरंज के क्षेत्र में नया प्रतिमान है। दिव्या की कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। दिव्या की यह जीत नए खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और वह अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से उन्हें बधाई और आने वाले समय के लिए शुभकामनाएं देते हैं। सदन में मौजूद सदस्यों ने मेजें थपथपा कर दिव्या को बधाई दी। भारतीय खिलाड़ी दिव्या ने जॉर्जिया हम्पी को हराकर खिताब जीता है।

जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे के साथ भारत ग्रुप सी में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत को अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी में जापान, पूर्व चैंपियन चीनी ताइपे और वियतनाम के साथ रखा गया है। एक से 21 मार्च, 2026 तक चलने वाले 12 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ मंगलवार को सिडनी टाउन हॉल में आयोजित किये गए, जिसमें भारतीय मिडफील्डर संगीता बासफोर तीन ड्रॉ सहायकों में से एक थीं।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमों को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत चार मार्च, 2026 को पर्थ रेक्टेंगुलर स्टेडियम में वियतनाम के खिलाफ मैच से करेगी। इसके बाद भारत सात मार्च को इसी मैदान पर जापान से और फिर 10 मार्च को वेस्टर्न सिडनी स्टेडियम में चीनी ताइपे से भिड़ेगा।

प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चारों टीम को ब्राजील में 2027 में होने वाले महिला विश्व कप में जगह मिलेगी, जबकि क्वार्टर फ़ाइनल में हारने वाली टीमें प्लेऑफ़ में पहुंचेंगी, जहां इस वैश्विक प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए दो और स्थान दांव पर होंगे। जापान ने 2011 में महिला विश्व कप जीता था। वह विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर है। वियतनाम 37 जबकि चीनी ताइपे की 42 स्थान है। भारत 70वें स्थान पर है और कम रैंकिंग वाली टीम है।

महिला एशियाई कप

- प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 12 टीमें तीन समूहों में विभाजित

हमारा ग्रुप दिलचस्प व पेचीदा भी : छेत्री

भारत के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की विज्ञप्ति में कहा कि मुझे लगता है कि हमारा ग्रुप काफी दिलचस्प है, लेकिन साथ ही काफी पेचीदा भी है। जापान एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वियतनाम और चीनी ताइपे अच्छी टीमें हैं। हम उनके साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं तथा अनुकूल परिणाम की उम्मीद कर सकते हैं। हमें अपने मैत्री मैचों का चयन सोचकर करना होगा। ग्रुप ए में मेज़बान ऑस्ट्रेलिया के साथ कोरिया गणराज्य, ईरान और फिलीपींस शामिल हैं। ग्रुप बी में उत्तर कोरिया, चीन, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान शामिल हैं।